नई सोच एक्सप्रेस

हर खबर पर पैनी नजर

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

www.naisochlive.com | पटना, सोमवार, 09 मार्च 2026, वर्ष- 09, अंक- 14, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

पेज : 08

जय शाह ने फाइनल मुकाबले से पहले भारत-न्यूज़ीलैंड ...

घर में विश्व कप जीतकर भारत ने रचा नया कीर्तिमान

एजेंसी

भारत : अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराकर इतिहास रच दिया। यह जीत केवल एक ट्रॉफी जीतने भर की उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारतीय क्रिकेट की उस निरंतर प्रगति और आत्मविश्वास का प्रतीक है जिसने पिछले कुछ वर्षों में विश्व क्रिकेट में भारत की स्थिति को और मजबूत किया है। इस जीत के साथ भारत टी20 विश्व कप के इतिहास में तीन बार खिताब जीतने वाली पहली टीम बन गया और साथ ही अपने ही देश में टी20 विश्व कप जीतने वाली भी पहली टीम बनकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया।

इस फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम का प्रदर्शन हर विभाग में शानदार रहा। बल्लेबाजी से लेकर गेंदबाजी और रणनीति तक, हर स्तर पर भारत ने न्यूजीलैंड को पीछे छोड़ दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने जिस आत्मविश्वास और आक्रामकता के साथ शुरुआत की, उसने मैच की दिशा शुरुआती ओवरों में ही तय कर दी। सलामी बल्लेबाज संजू सेमसन और अभिषेक शर्मा की जोड़ी ने पावर प्ले में 92 रन जोड़कर एक नया रिकॉर्ड बना दिया। इस साझेदारी ने यह साबित कर दिया कि भारतीय बल्लेबाज दबाव के बड़े मुकाबलों में भी आक्रामक और सकारात्मक क्रिकेट खेलने से नहीं घबराते।

अभिषेक शर्मा ने 52 रन की तेज पारी खेलकर टीम को मजबूत शुरुआत दी, जबकि संजू सेमसन ने 89 रन बनाकर टीम की पारी को मजबूती दी। उनके बाद ईशान किशन ने 54 रन बनाकर स्कोर को और ऊंचाई दी। अंत में शिवम दुबे की 8 गेंदों में 26 रनों की विस्फोटक पारी ने भारत के स्कोर को 255 के पार पहुंचा दिया। यह स्कोर किसी भी फाइनल मुकाबले में विपक्षी टीम पर मानसिक दबाव बनाने के लिए पर्याप्त था।

भारतीय बल्लेबाजों की यह पारी आधुनिक टी20 क्रिकेट की झलक

भी दिखाती है, जिसमें आक्रामकता, जोखिम और आत्मविश्वास का संतुलन दिखाई देता है। भारतीय टीम अब केवल तकनीकी रूप से मजबूत ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी बेहद सशक्त नजर आती है। यही कारण है कि बड़े मंच पर भी खिलाड़ी बिना दबाव के अपना स्वाभाविक खेल खेलते हैं।

गेंदबाजी में भी भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। 256 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम शुरुआत से ही दबाव में दिखाई दी। हालांकि टिम साइफर्ट ने 52 रन बनाकर संघर्ष करने की कोशिश की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने लगातार विकेट लेकर मैच पर पकड़ बनाए रखी। जसप्रीत बुमराह ने चार विकेट लेकर न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी, जबकि अक्षर पटेल ने तीन विकेट लेकर मध्यक्रम को झकझोर दिया। हार्दिक पंड्या, अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती ने भी महत्वपूर्ण विकेट लेकर टीम की जीत को सुनिश्चित किया।

भारतीय टीम की इस जीत में कप्तान सूर्यकुमार यादव की रणनीति भी सराहनीय रही। उन्होंने मैदान पर खिलाड़ियों का उपयोग बेहद संतुलित तरीके से किया और सही समय पर गेंदबाजों को बदलकर विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। यह दिखाता है कि भारतीय टीम अब केवल प्रतिभा के दम पर नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी बेहद मजबूत हो चुकी है।

यह जीत भारतीय क्रिकेट के लिए इसलिए भी खास है क्योंकि यह घरेलू मैदान पर मिली है। अपने देश में विश्व कप जीतना हर खिलाड़ी का सपना होता है और भारतीय टीम ने इसे सच कर दिखाया। इस जीत ने करोड़ों भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को गर्व का अवसर दिया है।

कुल मिलाकर, टी20 विश्व कप 2026 की यह जीत भारतीय क्रिकेट के सुनहरे भविष्य की ओर संकेत करती है। युवा खिलाड़ियों की ऊर्जा, अनुभवी खिलाड़ियों का मार्गदर्शन और मजबूत टीम भावना ने मिलकर भारत को विश्व क्रिकेट की शीर्ष शक्ति के रूप में स्थापित कर दिया है। यदि यही संतुलन और समर्पण आगे भी बना रहा, तो आने वाले वर्षों में भारतीय क्रिकेट और भी कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कर सकता है।

कुवैत में ईरान ने की ड्रोन की बौछार, एयरपोर्ट का फ्यूल डिपो आग की लपटों में घिरा

एजेंसी, कुवैत सिटी

अमेरिका-इजराइल की ईरान के साथ चल रहे युद्ध के बीच कुवैत पर बड़ा ड्रोन हमला हुआ है। ईरान तेल अवीव के अमेरिका के सहयोगी फारस की खाड़ी देशों पर हमला कर रहा है। कुवैत ने कहा कि ड्रोन से सरकारी इमारत को निशाना बनाया गया। ड्रोन हमले में एयरपोर्ट के फ्यूल डिपो में भयंकर आग लग गई। कुवैत की सरकारी न्यूज एजेंसी के हवाले से सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कुवैत में एक सरकारी बिल्डिंग को ड्रोन हमले में निशाना बनाया गया। यहां पब्लिक इंस्टीट्यूशन फॉर सोशल सिक्योरिटी का हेडक्वार्टर भी है। हमले इस स्थान की सामग्री को नुकसान पहुंचा है। यह बिल्डिंग लगभग 22 मंजिला है और कुवैत सिटी सेंटर के पॉश अल सूर डिस्ट्रिक्ट में है। इसके बगल में होटल फॉर सीजंस है। यहां से शॉपिंग मॉल्स कुछ फासले पर हैं।

पब्लिक इंस्टीट्यूशन फॉर सोशल सिक्योरिटी के कार्यवाहक निदेशक बताया कि बिल्डिंग के कई गाड्र्स को सुरक्षित निकाल लिया गया और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। डेटा सुरक्षित है। इसके अलावा कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दो फ्यूल डिपो पर भी ड्रोन हमला हुआ।उनमें से एक में भयंकर आग लग गई। कुवैत फायर फोर्स ने कहा कि टीम अभी सरकारी बिल्डिंग और फ्यूल डिपो में लगी आग बुझाने का काम कर रही है। कुना का कहना है कि यह हमला ऐसे समय पर हुआ, जब कुवैत का एयर डिफेंस दुश्मन ड्रोन की लहर का सामना कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि ईरान ने माफी मांगने के बावजूद फारस की खाड़ी के देशों पर बमबारी की है। इस बीच, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुष्टि की सेंट्रल बेरूत में रमाडा होटल की बिल्डिंग के एक अपार्टमेंट पर इजराइली हमले में कम से कम चार लोग मारे गए और दस अन्य घायल हो गए। हैरानी की बात है कि इजराइल ने हिजबुल्लाह के नियंत्रण वाले दक्षिणी इलाकों के बजाय मध्य बेरूत के बीचों-बीच हमला किया। इससे पहले फारस की खाड़ी के देशों ने रविवार सुबह हवाई हमलों और इंटरसेप्शन की रिपोर्ट दी है। कुवैती आर्मी ने कहा कि स्थानीय समय पर रविवार को ईरान ने कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट के फ्यूल स्टोरेज पर ड्रोन की बौछार कर दी। कुवैती आसमान में ड्रोन को इंटरसेप्ट किया जा रहा है। ड्रोन मलबे से कुछ नागरिक ढांचों को नुकसान हो रहा है। सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने भी कहा है कि उसने ड्रोन हमलों का सामना किया और रविवार सुबह कम से कम 21 ड्रोन को इंटरसेप्ट किया। बहरीन में किंग फहद कॉज-वे के पार मीना सलमान बंदरगाह पर एक जगह पर आग लग गई है। बहरीन के गृह मंत्रालय ने इसे ईरानी हमला बताया है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति के पद का सम्मान करना चाहिएः मायावती

एजेंसी, लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के पश्चिम बंगाल दौरे के बीच विवाद को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बसपा प्रमुख ने रविवार को एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा कि भारतीय संविधान के आदर्श व मान-मर्यादा के मुताबिक सभी को राष्ट्रपति पद का सम्मान करना चाहिए। इनके प्रोटोकाल का भी ध्यान रखना जरूरी है और इस पद का किसी भी रूप में राजनीतिकरण करना ठीक नहीं है। वर्तमान में देश की राष्ट्रपति एक महिला होने के साथ-साथ वे आदिवासी समाज से भी हैं, लेकिन अभी हाल ही में पश्चिम बंगाल में उनके दौरे के लेकर जो कुछ भी हुआ, वह नहीं होना चाहिये था। यह अति-दुर्भाग्यपूर्ण। उन्होंने आगे लिखा है कि इसी प्रकार पिछले कुछ समय से संसद में भी खासकर लोकसभा अध्यक्ष के पद का भी जो राजनीतिकरण कर दिया गया है, यह भी उचित नहीं है। सभी को संवैधानिक पदों का दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आदर-सम्मान व उनकी गरिमा का भी ध्यान रखना चाहिये तो यह बेहतर होगा। उन्होंने लिखा, 'संसद का कल से शुरू हो रहा सत्र देश व जनहित में पूरी तरह से सही से चले, यही लोगों की अपेक्षा व समय की भी मांग है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ऑल वूमेन बाइक रैली को झंडी दिखाई

एजेंसी, नई दिल्ली । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कनॉट प्लेस में ऑल वूमेन बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अध्यक्ष ओम बिरला ने एक्स पर कहा कि इस आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर साहस, आत्मविश्वास और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत की महिलाओं ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर राष्ट्र के नव-निर्माण तक हर क्षेत्र में प्रेरक और सशक्त नेतृत्व प्रदान किया है। आज देश की महिलाएं पंचायत से लेकर संसद तक निर्णायक भूमिका निभाते हुए विकसित भारत के संकल्प को नई दिशा दे रही हैं। उन्होंने सभी देशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाए दी। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि ऑल वूमेन बाइक रैली में विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रही सैकड़ों महिलाओं ने एक साथ सड़कों पर उतरकर यह सशक्त संदेश दिया कि नारी शक्ति ही विकसित भारत की असली प्रेरक शक्ति है। उन्होंने कहा कि यह उत्साह और आत्मविश्वास उस बदलते भारत की झलक है, जहां महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं और नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। इस मौके पर सांसद बांसुरी स्वराज, कमलजीत सहरावत, प्रियंका चतुर्वेदी, स्वाति मालीवाल एवं नई दिल्ली नगर पालिका परिषद् के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल मौजूद रहे।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम, प्रधानमंत्री मोदी ने महिला आवंटियों को सौंपीं जीपीआरए आवास की चाबी

एजेंसी, नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को सरोजिनी नगर स्थित जनरल पूल रेजिडेंशियल अकॉमोडेशन (जीपीआरए) टाइप-5 क्वार्टर्स का दौरा किया और महिला आवंटियों को आवास की चाबियां सौंपकर उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने महिला आवंटियों और निर्माण कार्य में लगी श्रमजीवी बहनों से संवाद किया तथा उनके अनुभव और सुझाव भी सुने। उन्होंने महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और सम्मान के लिए लगातार प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री ने आवासीय परिसर का निरीक्षण भी किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। इस मौके पर केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल भी मौजूद रहे।

नारी शक्ति का सामर्थ्य ही विकसित भारत की शक्तिः अन्नपूर्णा देवी

एजेंसी, नई दिल्ली

केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि नारी शक्ति का सामर्थ्य ही विकसित भारत की शक्ति है। आज भारत 'महिला विकास' से आगे बढ़कर 'महिला नेतृत्व वाले विकास' के युग में प्रवेश कर चुका है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के जेंडर बजट में किया गया 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का ऐतिहासिक आवंटन इसी लक्ष्य को समर्पित है। सरकार 'होल ऑफ गवर्नमेंट' के विजन के साथ-शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा जैसे बुनियादी क्षेत्रों में सुधार करके महिलाओं के जीवन को सशक्त बना रही है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर रविवार को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि आज भारत की आधी आबादी के संकल्प, समर्पण और उपलब्धियों का उत्सव है, जो 'विकसित भारत' की आधारशिला हैं। महिलाओं के समग्र विकास के लिए पूरे जीवन के एप्रोच को अपनाया है। इस यात्रा की शुरुआत बेटी के जन्म और उसकी शिक्षा से होती है। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए, 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान ने समाज की मानसिकता को बदला है। बेटियों के जन्म को अब उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विज्ञान, तकनीक और गणित विषयों में बेटियों की 43 प्रतिशत भागीदारी के साथ भारत पूरी दुनिया में सबसे आगे है। मंगल मिशन की सफलता में, हमारी महिला वैज्ञानिकों की उल्लेखनीय भूमिका रही है। इस बार के बजट में, देशभर के सभी जिलों में महिला हॉस्टल की स्थापना से, हमारी बेटियों के लिए नई राहें खुलने जा रही हैं। सरकार द्वारा पोषण अभियान और 'पीएम मातृ वंदना योजना' के अंतर्गत, सुरक्षित मातृत्व से स्वस्थ शिशु जन्म और उसकी देखभाल को सुनिश्चित किया गया है। इसके सुखद परिणाम भी आज देश के सामने हैं। मातृ मृत्यु दर घटकर 97 तक पहुँच गई है। एक स्वस्थ नारी ही एक समर्थ और विकसित राष्ट्र की निर्माता होती है। हम महिलाओं को गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए, हाल ही में, प्रधानमन्त्री द्वारा सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए 'एचपीवी-टीकाकरण' अभियान भी शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि संगठित और असंगठित क्षेत्र में महिला सुरक्षा के लिए शी बॉक्स पोर्टल की शुरुआत की गई है। ताकि हमारी बहनें पूरे सम्मान और आत्मविश्वास के साथ कार्यबल में भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। नारी की गरिमा के विरुद्ध अपराध के लिए 'जीरो टोलरेंस पॉलिसी' को अपनाया गया है । पिछले छह वर्षों में कार्यबल में महिलाओं की सहभागिता 22.3 प्रतिशत से बढ़कर 41.7 प्रतिशत हो गया है।

तृणमूल कांग्रेस का व्यवहार राष्ट्रपति की गरिमा और पूरे आदिवासी समाज का अपमान : तरुण चुग

एजेंसी, नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कहा कि राष्ट्रपति पद देश की सर्वोच्च संवैधानिक संस्था है और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तथा उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस द्वारा इस पद की गरिमा को ठेस पहुंचाना बेहद शर्मनाक और निंदनीय है। तरुण चुग ने रविवार को प्रेस बयान जारी कर कहा कि यह केवल संवैधानिक पद का अपमान नहीं बल्कि पूरे देश के आदिवासी समाज की गरिमा पर सीधा आघात है। चुग ने कहा कि ममता बनर्जी की सरकार घबराहट और राजनीतिक हताशा में लगातार लोकतांत्रिक संस्थाओं को निशाना बना रही है। राष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर और देश का सबसे बड़ा संवैधानिक व गरिमापूर्ण पद है। यह केवल संवैधानिक पद का ही नहीं बल्कि देश के आदिवासी समाज और बेटियों का भी अपमान है। उन्होंने कहा कि पहले मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कैंपेन चलाया गया, कभी प्रभु श्रीराम का विरोध किया कभी सनातन का विरोध, भारतीय सेना के शौर्य का अपमान और अब राष्ट्रपति पद की गरिमा से जुड़ी यह घटना स्पष्ट करती है कि ममता बनर्जी संवैधानिक मर्यादाओं का सम्मान करना भूल चुकी हैं।

मप्र के कटनी में मालगाड़ी के बेपटरी, 24 घंटे बाद भी बहाल नहीं हो पाया रेल यातायात

एजेंसी, कटनी

बिलासपुर रेल खंड पर मध्य प्रदेश के कटनी रेलवे स्टेशन के पास कोयले से भरी मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतरने के बाद से ट्रैक को सुधारने का कार्य जारी है। पिछले 24 घंटे बीतने के बावजूद अभी तक रेल यातायात बहाल नहीं हो सका है। दरअसल, बिलासपुर से कटनी की ओर आ रही मालगाड़ी शनिवार सुबह करीब 11 बजे कटनी रेलवे स्टेशन के पास गायत्री नगर आउटर पर बेपटरी हो गई थी। अचानक मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतरकर एक तरफ झुक गए और उनमें लदा कोयला ट्रैक पर बिखर गया था। इससे रेल मार्ग पर परिचालन बाधित हो गया। हालांकि, इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन सक्रिय हो गया। डीआरएम सहित रेलवे के वरिष्ठ इंजीनियरों की टीम, जीआरपी और आरपीएफ का बल पहुंचा और प्रारंभिक जांच के बाद एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन (एआरटी) को बुलाकर ट्रैक बहाली का कार्य तुरंत शुरू किया गया।

राष्ट्रपति के अपमान पर मोदी ने कहा- जल्द टूटेगा टीएमसी का सत्ता का अहंकार

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अपमान को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि सत्ता का अहंकार बहुत ही जल्द चूर-चूर होकर रहेगा। जनता इसे कभी माफ नहीं करेगी। प्रधानमंत्री ने रविवार को यहां बुराड़ी में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जब पूरा देश अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान कर रहा है, तब वह दिल्ली और देशवासियों के साथ एक पीड़ा भी साझा करना चाहते हैं। मोदी ने कहा कि शनिवार को राष्ट्रपति मुर्मु संथाल आदिवासी परंपरा के एक महत्वपूर्ण उत्सव में शामिल होने के लिए बंगाल गई थीं, लेकिन उस कार्यक्रम को सम्मान देने के बजाय टीएमसी सरकार ने उसका बहिष्कार किया और कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को भी पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति स्वयं संथाल आदिवासी समाज से आती हैं और उन्होंने हमेशा आदिवासी समाज के विकास और कल्याण की चिंता की है। ऐसे में उनके कार्यक्रम का बहिष्कार करना न केवल राष्ट्रपति का अपमान है, बल्कि आदिवासी समाज की भावनाओं को भी ठेस पहुंचाने वाला है। उन्होंने कहा कि यह केवल राष्ट्रपति का ही नहीं, बल्कि देश के संविधान और उसकी भावना का भी अपमान है। मोदी ने कहा कि यह लोकतंत्र की महान परंपराओं के विरुद्ध है और उन सभी महिलाओं का भी अपमान है, जिन्होंने संघर्ष और परिश्रम के बल पर समाज में ऊंचा स्थान हासिल किया है।

कूनो राष्ट्रीय उद्यान के दो चीते राजस्थान पहुंचे, एनटीसीए ने कहा- चीतों की चौबीसों घंटे निगरानी

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) के चीते केपी-2 और केपी-3 के राजस्थान के बारां जिले में पहुंचने संबंधी मीडिया रिपोर्टों का संज्ञान लिया है। तथ्यात्मक स्थिति साफ करते हुए एनटीसीए के अधिकारी ने रविवार को बताया कि केपी-2 को बारां के मांगरोल रेंज में ट्रैक किया गया है, जबकि केपी -3 कूनो राष्ट्रीय उद्यान से लगभग 60–70 किमी की दूरी तय कर बांझ अमली संरक्षण रिज़र्व में पहुंचा है। दोनों चीते पार्वती नदी के दोनों किनारों पर लगभग 6 किमी की दूरी पर हैं। एनटीसीए के अधिकारी ने बताया कि जीपीएस और रेडियो-कॉलर के माध्यम से दोनों चीतों की चौबीस घंटे निगरानी की जा रही है। इसके लिए अंतर-राज्यीय संयुक्त टीम तैनात है, जिसमें किशनगंज और अंता रेंज से फील्ड टीमें सक्रिय हैं। अधिकारी ने बताया कि परिदृश्य सीमाओं के पार लंबी दूरी तक जाना चीतों का स्वाभाविक क्षेत्रीय व्यवहार है और यह वैज्ञानिक रूप से अच्छी तरह दर्ज है। प्रोजेक्ट चीता कार्ययोजना में कूनो–गांधी सागर मेटापॉपुलेशन परिदृश्य के भीतर अंतर-राज्यीय आवाजाही की संभावना पहले से ही शामिल और अपेक्षित है। यह गतिविधि प्रस्तावित 17,000 वर्ग किमी के कूनो–गांधी सागर अंतर-राज्यीय वन्यजीव कॉरिडोर के महत्व को और मजबूत करती है, जो राजस्थान के सात और मध्य प्रदेश के आठ जिलों में फैला हुआ है। एनटीसीए दोनों राज्यों के वन विभागों के साथ सक्रिय समन्वय में है और आवश्यकता पड़ने पर आगे भी अद्यतन जानकारी जारी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से आए चीतों की संतानें जो भारत की धरती पर जन्मी हैं, उन्हें राजस्थान की धरती अपनी टेरिटरी के लिए पसंद आ रही है।

महाकाल की गेर में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव, शस्त्र पूजन कर शस्त्र संचालन का किया गया प्रदर्शन

एजेंसी, उज्जैन । मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर से निकलने वाली पारंपरिक रंग पंचमी की गेर में भाग लेकर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत किया। उन्होंने ध्वजा पूजन के साथ अखाड़ों के शस्त्रों का विधि-विधान से पूजन किया। इस अवसर पर शस्त्र संचालन का प्रदर्शन भी किया। रविवार को रंग पंचमी के इस पारंपरिक आयोजन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पूरे उत्साह के साथ शामिल हुए और बाबा महाकाल के दर्शन-पूजन कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। उन्होंने जनता के बीच पहुंचकर रंगों के इस पर्व का आनंद लिया। इस दौरान लोगों ने मुख्यमंत्री को गुलाल लगाकर उनका स्वागत किया, वहीं मुख्यमंत्री ने भी लोगों के साथ रंग खेलते हुए उन्हें पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि रंगों का यह पावन पर्व सभी के जीवन में खुशियां, उत्साह और उल्लास लेकर आए। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से प्रार्थना की कि प्रदेश के सभी नागरिकों के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली बनी रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दी शुभकामनाएं

एजेंसी, नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर देश की नारी शक्ति को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने राष्ट्र निर्माण और भारत की प्रगति में महिलाओं की बढ़ती भूमिका और उनके अटूट दृढ़ संकल्प की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा, हर क्षेत्र में महिलाएं अपनी रचनात्मकता, अद्वितीय उत्साह और संकल्प के साथ देश के भविष्य को आकार दे रही हैं। महिलाओं की उपलब्धियां न केवल राष्ट्र के लिए गौरव का स्रोत हैं बल्कि एक 'विकसित भारत' के निर्माण के हमारे सामूहिक संकल्प को भी मजबूती प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं और पहलों के मूल में महिला सशक्तिकरण रहा है। सरकार प्रत्येक महिला को अपनी पूरी क्षमता का एहसास कराने और विकास पथ पर समान अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत की नारी शक्ति की उपलब्धियां गौरव का स्रोत हैं और राष्ट्र निर्माण में उनकी परिवर्तनकारी भूमिका की सशक्त याद दिलाती हैं। भारत जैसे-जैसे आगे बढ़ेगा, महिलाओं की आकांक्षाएं और योगदान एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र की ओर हमारी सामूहिक यात्रा का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने 542 करोड़ की लागत से बिहार संग्रहालय और पटना संग्रहालय को जोड़नेवाली सुरंग का किया कार्यारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 542 करोड़ की लागत से बिहार संग्रहालय और पटना संग्रहालय को जोड़नेवाली सुरंग का शिलापट्ट अनावरण कर कार्यारंभकिया। मुख्यमंत्री ने निर्माण करनेवाली मशीन का बटन दबाकर कार्य की शुरूआत करायी। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को सुरंग (टनल) के निर्माण कार्य की प्रक्रिया तथा इसे पूर्ण करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। नेहरू पथ के समीप हड़ताली मोड़ स्थित निर्माणाधीन म्यूजियम सब-वे टनल के कार्यारंभ के

दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य बेहतर ढंग से जल्द पूर्ण हो, इसका विशेष रूप से ख्याल रखें। इसके बन जाने से बिहार संग्रहालय और पटना संग्रहालय में लगे प्रदर्शों का लोग आसानी से एक जगह से दूसरी जगह जाकर अवलोकन कर सकेंगे। पर्यटकों की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी होगी, इसे ध्यान में रखते हुए पार्किंग और अन्य जरूरी सुविधाओं की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि टनल का निर्माण इस प्रकार कराये जिससे नेहरू पथ पर आवागमन में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने बिहार संग्रहालय का परिभ्रमण किया। इस दौरान बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह ने संग्रहालय परिसर में लगाए गए नए प्रदर्शों, पर्यटकों की संख्या, पार्किंग की व्यवस्था, संग्रहालय परिसर में उपलब्ध सुविधाओं आदि के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। परिभ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने बिहार संग्रहालय के सामने पुनर्विकसित किए जा रहे 60 आवास एवं ऑफिसर्स हॉस्टल कैम्पस तथा पार्क के निर्माण कार्य के संबंध में जानकारी ली और स्थल निरीक्षण किया। साइट प्लान के माध्यम से अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि यहाँ बहुमंजिला भवन का निर्माण कराया जाना है। यहाँ निर्मित होनेवाले भवन के नये परिसर में सोलर पार्किंग शेड, ओपेन पार्किंग, क्लब हाउस आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। यहां पर्याप्त पार्किंग का प्रबंध रहेगा। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस काम को तेजी से आगे बढ़ायें। हमारे मन में पहले से ही यह इच्छा थी कि पुराने स्ट्रक्चर को तोड़कर मल्टी स्टोरी बिल्डिंग बने जो हर प्रकार की आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित हो। नेहरू पथ के किनारे इस बहुमंजिला इमारत के बन जाने से आवासन की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध होगी। इसके बगल में बेहतर ढंग से पार्क का निर्माण करायें ताकि संग्रहालय आनेवाले लोग इसका भी आनंद उठा सकें। मुख्यमंत्री ने बिहार संग्रहालय और पटना संग्रहालय को जोड़नेवाली सुरंग के पटना संग्रहालय वाले छोर का भी स्थल निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

» अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने का दिया निर्देश
» बिहार संग्रहालय के सामने पुनर्विकसित किए जा रहे 60 आवास एवं ऑफिसर्स हॉस्टल कैम्पस तथा पार्क के निर्माण कार्य के संबंध में भी जानकारी ली

संक्षिप्त समाचार

निशांत कुमार के राजनीति में आने से युवाओं में नई उम्मीदः नागेश्वर स्वराज

पटना।बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र ई. निशांत कुमार के जनता दल (यू) में विधिवत शामिल होने से बिहार की राजनीति में नई हलचल और उत्साह का माहौल बना है. सामाजिक और जनसरोकार से जुड़े विभिन्न संगठनों ने इसे राज्य की राजनीति में नई पीढ़ी के नेतृत्व के उभार के रूप में देखा है. ग्रेटर पटना फाउंडेशन के अध्यक्ष, सरदार पटेल–दशरथ मांझी स्मृति एवं अंतरराष्ट्रीय सामाजिक शोध अभियान के संयोजक तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुराने शिष्य नागेश्वर सिंह स्वराज ने ई. निशांत कुमार को बधाई और शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि उनका सक्रिय राजनीति में प्रवेश बिहार की राजनीति में नई ऊर्जा, नई सोच और नई उम्मीदों का संदेश लेकर आया है. नागेश्वर स्वराज ने कहा कि आज बिहार की युवा पीढ़ी राजनीति में सकारात्मक बदलाव और मजबूत नेतृत्व की अपेक्षा रखती है. ऐसे समय में ई. निशांत कुमार का सार्वजनिक जीवन में आना युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा. उन्होंने विश्वास जताया कि वे अपने पिता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुशासन, विकास और जनसेवा के आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए राज्य के विकास को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे.

जदयू के लिए ऐतिहासिक दिन, निशांत कुमार का पार्टी सदस्य बनना नया सूर्योदय जैसा : राजीव रंजन प्रसाद

पटना। जदयू राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने मीडिया में जारी बयान में निशांत कुमार के पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने पर उन्हें हार्दिक बधाई दी और कहा कि आज का दिन पार्टी के लिए ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि बेहद सौम्य, शालीन, मृदुभाषी एवं करोड़ों युवाओं की आकांक्षा निशांत कुमार का जदयू का सदस्य बनना पार्टी के लिए नया सूर्योदय जैसा है। उन्होने भरोसा जताते हुए कहा कि आने वाले समय में युवा निशांत कुमार करोड़ों बिहारवासियों की आकांक्षा के ध्वजवाहक बनेंगे और उनके निर्देशन में पार्टी नई ऊंचाईयों को छुएगा। निशांत कुमार के पार्टी ज्वाइन करने से कार्यकतार्ओं में एक नए जोश का संचार हुआ है जो आज के कार्यक्रम में साफ तौर पर दिखाई दिया। राज्य के अलग-अलग इलाकों से आए हजारों कार्यकतार्ओं ने बुलंद नारों एवं जोरदार तालियों के साथ पार्टी में उनका स्वागत किया एवं उनपर भरोसा जताया। पिछले कई दिनों से पार्टी कार्यकर्ता निशांत कुमार के पार्टी में आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। स्वभाव से बेहद मिलनसार एवं शालीन श्री निशांत कुमार ने मंच पर उपस्थित नेताओं का पैर छूकर आशीर्वाद लिया और नए संकल्प के साथ जदयू को मजबूत करने की बात कही। एक सधे राजनेता के तौर पर उन्होंने पार्टी संगठन को मजबूत करने की बात कही जो राजनीति में उनकी गहरी सोच को दिखाता है। साथ ही उन्होंने अपने पिता एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास के कामों को आगे बढ़ाने की बात कही जिससे ये जाहिर होता है कि अपने पिता की ही तरह निशांत कुमार के दिल में भी बिहार का विकास एवं राज्य के लोगों का कल्याण सर्वोपरि है।

पिता की विरासत के असली साबित होंगे उत्तराधिकारी : श्यामसुंदर

पटना। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) के मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता श्याम सुंदर शरण ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार का राजनीति के क्षेत्र में पुरजोर स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि निशांत न केवल अपने पिता नीतीश कुमार के विकासवादी विजन को आगे बढ़ाएंगे, बल्कि वे महान समाजवादी नेता लोहिया और कपूर्री ठाकुर की विरासत के असली उत्तराधिकारी साबित होंगे। शरण ने निशांत की सादगी और उनके आध्यात्मिक झुकाव की प्रशंसा करते हुए उन्हें बिहार की राजनीति के लिए एक 'नजीर' बताया। राजद नेतृत्व पर सीधा हमला बोलते हुए श्याम सुंदर शरण ने कहा कि निशांत कुमार उन लोगों की तरह नहीं हैं जो 'चारा चोर' या 'अलकतरा चोर' के वारिस कहलाते हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि निशांत न तो भ्रष्टाचार के आरोपों में बेल पर बाहर हैं और न ही उन्होंने उम्र का कोई घोटाला करके विधायक का पद हासिल किया है। यह बयान सीधे तौर पर राजद के शीर्ष नेताओं और उनके पुत्रों की कार्यशैली पर एक गंभीर राजनीतिक प्रहार माना जा रहा है। श्याम सुंदर शरण ने इस बात पर जोर दिया कि एक बेहद ताकतवर मुख्यमंत्री के बेटे होने के बावजूद निशांत ने कभी सत्ता का अहंकार नहीं दिखाया। 50 वर्ष की आयु में भी उनकी पहचान एक सादगी पसंद इंसान की है। प्रवक्ता ने कहा कि निशांत अब बिहार की राजनीति में "राजद के गुंडों को शांत" करने का काम करेंगे, जो राज्य की शांति और विकास में बाधक बने हुए हैं। बयान में यह स्पष्ट किया गया कि निशांत कुमार को एनडीए के तमाम वरिष्ठ नेताओं का आशीर्वाद प्राप्त है। शरण के अनुसार, जिस तरह से नीतीश कुमार ने बिहार में विकास की एक लंबी लकीर खींची है, निशांत उस विकास की गति को और अधिक तीव्र करेंगे। उन्होंने कहा कि एनडीए का हर कार्यकर्ता और नेता निशांत के आने से उत्साहित है और उन्हें भविष्य के नेतृत्व के रूप में देख रहा है।

निशांत कुमार का राजनीति में स्वागत, सौम्य स्वभाव से जनता का भरोसा जीतेंगेः मंगल पांडेय

पटना। बिहार के स्वास्थ्य व विधि मंत्री मंगल पांडेय ने निशांत कुमार के जदयू की सदस्यता ग्रहण करने पर उन्हें शुभकामनाएं दी और कहा कि निशांत कुमार का स्वभाव अत्यंत सरल और सौम्य है तथा उनके राजनीति में सक्रिय होने से जदयू कार्यकतार्ओं में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। उन्होंने उम्मीद जताई है कि वे अपने व्यक्तित्व और पिता नीतीश कुमार के मार्गदर्शन के बल पर जनता का विश्वास जीतेंगे तथा जनसेवा के क्षेत्र में नई पहचान बनाएंगे।श्री पांडेय ने कहा कि लोकतंत्र में नई पीढ़ी की भागीदारी राजनीति को और मजबूत बनाती है। उन्होंने विश्वास जताया है कि निशांत कुमार अपने शांत, संतुलित और विनम्र स्वभाव के साथ समाज और राज्य के विकास में रचनात्मक भूमिका निभाएंगे। साथ ही उन्होंने उनके राजनीतिक जीवन के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि जनसेवा के मार्ग पर उन्हें व्यापक सफलता मिले।

भ्रष्टाचार, अराजकता और अन्याय की प्रतीक बन चुकी है तृणमूल सरकार : सम्राट

पटना। पश्चिम बंगाल के क्रांति, माल विधानसभा (सिलीगुड़ी) में आयोजित विशाल जनसभा को बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने संबोधित किया। इस अवसर पर परिवर्तन यात्रा के तहत आयोजित रोड शो में उन्होंने जन-जन का अभिवादन भी स्वीकार किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि पश्चिम बंगाल की तृणमूल सरकार भ्रष्टाचार, अराजकता और अन्याय की प्रतीक बन चुकी है। परिवर्तन यात्रा बंगाल की जनता की वह सशक्त पुकार है,जो राज्य को कुशासन से मुक्त कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जवाबदेही, सुशासन और विकास के नए युग की स्थापना करना चाहती है।

निशांत ने ली जदयू की सदस्यता, कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।जनता दल यू प्रदेश कार्यालय, पटना में रविवार को मुख्यमंत्री एवं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार जी के सुपुत्र ई निशांत कुमार ने जनता दल यू की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा ने उन्हें सदस्यता पर्ची प्रदान कर औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, केंद्रीय राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर, मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, मंत्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री श्रवण कुमार,मंत्री लेसी सिंह, मंत्री जमा खां, मंत्री सुनील कुमार, मंत्री मदन सहनी, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन कुमार सर्राफ, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी आदि मंच पर मौजूद रहें। ई निशांत कुमार के पार्टी में आगमन को लेकर कार्यकतार्ओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। प्रदेशभर से आए पार्टी कार्यकतार्ओं ने फूल-मालाओं की वर्षा कर उनका जोरदार

स्वागत किया। इस दौरान प्रदेश कार्यालय परिसर में जयकारों, ढोल-नगाड़ों एवं नारों से गूंज उठा तथा कार्यकतार्ओं का उत्साह चरम पर दिखाई दिया। इस मौके पर निशांत कुमार ने कहा कि वे अपने पिता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का कार्य करेंगे तथा पार्टी कार्यकतार्ओं और आमजनों की आशाओं एवं विश्वास पर खरा उतरने का पूर्णतः प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने बीते 20 वर्षों में बिहार के विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किए हैं,जिन पर पूरे बिहार और देश को गर्व है। उन्होंने संकल्प व्यक्त किया कि वे इन विकास कार्यों और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि आज का दिन पार्टी के लिए ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने कहा कि ई निशांत भले ही आज औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं, लेकिन नीतीश कुमार जी एवं जनता दल यू का संस्कार और विचार उनके व्यक्तित्व और व्यवहार में पहले से ही परिलक्षित होता है। साथ ही उन्होंने ई निशांत को उज्ज्वल एवं स्वर्णिम भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर राज्यसभा सांसद सह झारखंड प्रदेश अध्यक्ष खिरू महतो, सांसद कौशलेन्द्र कुमार, सांसद सुनील कुमार, श्याम रजक, दुलालचंद गोस्वामी, महेश्वर हजारी, शीला मंडल, चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी, विधायक दामोदर रावत, मीना कामत, ईश्वर मंडल, रणधीर सोनी, वशिष्ठ सिंह, सिद्धार्थ पटेल, शालिनी मिश्रा, अजय कुमार चौधरी, भीष्म कुशवाहा, रमेश ऋषिदेव, इंद्रदेव पटेल, विजय सिंह निषाद, ललित नारायण मंडल, नचिकेता मंडल, अरुण मांझी, पंकज मिश्रा, सुधांशु शेखर, राज कुमार राय, प्रेम मुखिया, कोमल सिंह, रणधीर सिंह, रूहेल रंजन, समृद्धि वर्मा, मांजरिक मृणाल, विशाल शाह, जितेंद्र कुमार, कलधार मंडल, आदित्य कुमार, कुमुद वर्मा, राजवर्धन आजाद, रीना यादव, अमर सिन्हा, अरशद अब्बास, छोटू सिंह सहित प्रदेश भर से आए वरिष्ठ नेतागण तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

» पिता के कार्यों पर गौरव, उनके मार्गदर्शन में करेंगे जनहित का काम : निशांत

नोनिया-बिन्द-बेलदार समाज के महा सम्मेलन में शामिल होने की अपील

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।दिघा बाटा चौक स्थित प्रधान कार्यालय में जल मित्र सामाजिक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष भाई सकलदेव बिन्द को वंचित मुक्ति मोर्चा के पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान वंचित मुक्ति मोर्चा के महामंत्री त्रिपुरारी कुमार और बिहार प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष चौहान अपने पदाधिकारियों के साथ उपस्थित रहे। मौके पर नेताओं ने 11 मार्च 2026, बुधवार को सुबह 11 बजे बापू सभागार, गांधी मैदान पटना में आयोजित होने वाले नोनिया, बिन्द और बेलदार समाज के महा सम्मेलन में अधिक से अधिक लोगों से भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन समाज की एकजुटता और अधिकारों की आवाज को मजबूत करने का महत्वपूर्ण मंच होगा। आयोजकों के अनुसार सम्मेलन में बिहार सरकार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके अलावा समाज के कई गणमान्य मंत्री, विधायक और समाजसेवी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन के माध्यम से सरकार से सत्ता में उचित भागीदारी, आरक्षण में वृद्धि तथा बिहार विधान परिषद में समाज को कम से कम दो सीटें देने की मांग उठाई जाएगी। नेताओं ने समाज के लोगों से बड़ी संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

बिना महिला सशक्तिकरण के समाज का विकास संभव नहीं : मदन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार के समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी ने कहा कि किसी भी समाज का विकास तब तक संभव नहीं है, जबतक उस समाज की महिलाओं को समाज की मुख्यधारा से न जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने बिहार में महिलाओं को सम्मान के साथ आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई कानून बनाए हैं। साथ ही, कई योजनाएं शुरू की हैं। इसका परिणाम है कि आज हर क्षेत्र में बिहार की महिलाएं सफलता की नई दास्तां लिख रही हैं। मदन सहनी रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस-2026 के अवसर पर राजधानी के ज्ञान भवन में समाज कल्याण विभाग के महिला एवं बाल विकास निगम के स्तर से आयोजित "सशक्त महिला- समृद्ध बिहार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर समाज कल्याण मंत्री के साथ पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की

मंत्री रमा निषाद के अलावा समाज कल्याण विभाग की सचिव बंदना प्रेयषी और महिला एवं बाल विकास निगम के निदेशक योगेश कुमार सागर समेत विभाग के कई अधिकारी और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रही है महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थी। रमा निषाद ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अथक प्रयास से बिहार में अब हर तरफ महिला सशक्तिकरण का जोर दिखता है। चाहे वह पुलिस महकमा हो या शिक्षा विभाग। समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी ने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य कल्याणकारी योजनाओं को समाज में "सबसे वंचित महिला" तक पहुंचाना है। उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए विभाग के स्तर से चलाई जा रही योजनाओं पर प्रकाश डाला और कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना सरकार की प्राथमिकता है। इस मौके पर उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तरफ से महिलाओं के विकास एवं उत्थान के लिए किए गए कार्यों को भी याद किया और कहा कि उनके मुख्यमंत्री पद छोड़ने की खबर से बिहार की महिलाएं सबसे अधिक मर्माहत हैं। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ही राज्य की सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया। उन्होंने स्थानीय निकायों के चुनावों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें सामज की मुख्यधारा से जोड़ा है। इसके अलावा राज्य की 1.81 करोड़ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महिला उद्यमी योजना के तहत दस-दस हजार रुपये की राशि उपलब्ध कराई समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी और पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री श्रीमती रमा निषाद ने राज्यभर की 10 वैसी सफल महिलाओं को बिहार अपराजिता सम्मान से सम्मानित किया, जिन्होंने लंबे संघर्ष के बाद समाज में अपना एक मुकाम हासिल किया है। सम्मानित होने वाली महिलाओं में पटना के बाढ़ अनुमंडल की अनुमंडलाधिकारी व वर्ष 2023 बैच की महिला आईएएस अधिकारी सुश्री गरिमा लोहिया भी शामिल हैं। इस अवसर पर मंत्री मदन सहनी ने क्षेत्रीय स्तर की महिलाओं की प्रेरणादायक कहानियों के ऑनलाइन संग्रह "बिहार शक्ति पोर्टल" की लॉन्चिंग के साथ बाल विवाह उन्मूलन के लिए गाइड का विमोचन किया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी ने हरी झंडी दिखाकर पिंक बस सेवा की भी शुरुआत की। साथ ही राज्य के विभिन्न जिलों में कुल 11 अतिरिक्त वन स्टॉप सेंटर का भी रिमोट के जरीये उद्घाटन किया। बता दें कि राज्य में फिलहाल कुल 39 वन स्टॉप सेंटर पूर्व से कार्यरत हैं। इन वन स्टॉप सेंटर पर महिलाओं से समबन्धित सभी तरह की शिकायतों को दर्ज कर उनकी समस्याओं का समाधान किया जाता है। साथ ही, यहां महिलाओं के स्कील डेवलपमेंट की भी व्यवस्था की गई है ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

बिहार अपराजिता सम्मान से सम्मानित महिलाएं

रितिका, पूजा कुमारी (दोनों पटना से), काजल कुमारी (शिवहर), अलीशा (अररिया), कंचन कुमारी (वैशाली), अमृता कुमारी व पूजा कुमारी (दोनों बांका), ब्यूटी कुमारी (सुपौल), रौशनी परवीन (किशनगंज) और महिला आईएएस अधिकारी व बाढ़ अनुमंडल की अनुमंडलाधिकारी सुश्री गरिमा लोहिया।

» "सशक्त महिला-समृद्ध बिहार" विषय पर सेमिनार का आयोजन
» पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री रमा निषाद ने कहा- महिला सशक्तिकरण से मजबूत हुआ बिहार

बाल विवाह मुक्ति रथ ने बिहार के 9,542 गांवों में पहुंचाया जागरूकता संदेश

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'बाल विवाह मुक्त बिहार' के संदेश के साथ चलाए गए अनूठे अभियान बाल विवाह मुक्ति रथ का समापन हो गया। इस अभियान के दौरान रथ ने राज्य के 9,542 गांवों में पहुंचकर 1.77 करोड़ से अधिक लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणाम और इसके खिलाफ बने कानूनों के बारे में जागरूक किया। एक महीने तक चली इस यात्रा में रथ ने 81,864 किलोमीटर की दूरी तय की। बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए काम कर रहे देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन और बिहार में उसके 32 सहयोगी संगठनों ने राज्य के सभी 38 जिलों में यह अभियान चलाया। इस दौरान 4,664 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें रैलियां, नुक्कड़ नाटक, शपथ समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रम और बाल विवाह से

प्रभावित महिलाओं की कहानियां शामिल रहीं। अभियान के दौरान रथ 4,425 से अधिक स्कूलों व कॉलेजों और 2,841 धार्मिक स्थलों तक पहुंचा। इसमें 6.86 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और 4,431 धर्मगुरुओं ने भागीदारी की। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के अनुसार पिछले एक वर्ष में सहयोगी संगठनों और प्रशासन के संयुक्त प्रयास से बिहार में 21,217 बाल विवाह रोके गए हैं। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन की सीनियर एडवाइजर (पॉलिसी) ज्योति माथुर ने कहा कि बाल विवाह मुक्ति रथ केवल एक अभियान नहीं, बल्कि समुदायों तक कानून, संरक्षण और जागरूकता का संदेश पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने विश्वास जताया कि व्यापक जनभागीदारी से भारत 2030 की वैश्विक समयसीमा से पहले ही बाल विवाह जैसी कुप्रथा से मुक्त हो सकता है।

महिला दिवस पर लोकमंच ने उठाई कामकाजी महिलाओं की समस्या, मुख्यमंत्री से स्थानांतरण की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भारतीय लोकमंच पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव कुणाल सिकंद ने महिलाओं को शुभकामनाएँ देते हुए बिहार सरकार में कार्यरत महिला कर्मचारियों की समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। इस संबंध में उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री Nitish Kumar को पत्र लिखकर राज्य की महिला कर्मचारियों के स्थानांतरण से जुड़ी एक महत्वपूर्ण मांग उठाई है। अपने पत्र में कुणाल सिकंद ने अनुरोध किया है कि बिहार सरकार में कार्यरत महिला कर्मचारियों का स्थानांतरण यथासंभव उनके निवास स्थान से 20 से 30 किलोमीटर के दायरे में अथवा उनके गृहजिला या नजदीकी जिलों में किया जाए, ताकि उन्हें अपने परिवार से दूर रहने की कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि बिहार में हजारों महिलाएँ शिक्षिका, नर्स, पुलिस विभाग तथा विभिन्न सरकारी विभागों में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएँ दे रही हैं। राज्य के अलग-अलग जिलों और प्रखंडों में पदस्थापित इन महिलाओं में से कई को अपने घर और परिवार से काफी दूर रहकर कर्तव्य निभाना पड़ता है, जिसके कारण उन्हें पारिवारिक जिम्मेदारियों और दैनिक जीवन में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। कुणाल सिकंद ने कहा कि महिलाएँ एक ओर पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपनी सरकारी जिम्मेदारियाँ निभा रही हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हें बच्चों की परवरिश, बुजुर्गों की देखभाल तथा अन्य पारिवारिक दायित्वों का भी निर्वहन करना पड़ता है। दूरस्थ स्थानों पर पदस्थापन के कारण उन्हें रोज़ाना लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे सुरक्षा, आवागमन और पारिवारिक संतुलन से जुड़ी समस्याएँ भी सामने आती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि यदि राज्य सरकार महिला कर्मचारियों के स्थानांतरण को उनके निवास स्थान के आसपास सुनिश्चित करने की दिशा में पहल करती है, तो इससे महिलाओं का मनोबल बढ़ेगा और वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन और अधिक दक्षता एवं समर्पण के साथ कर सकेंगी। साथ ही वे अपने पारिवारिक दायित्वों को भी बेहतर तरीके से निभा पाएंगी। कुणाल सिकंद ने उम्मीद जताई कि सरकार इस महिला हितैषी और जनकल्याणकारी प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार करते हुए शीघ्र निर्णय लेगी। उनका कहना है कि ऐसा कदम महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण को मजबूत करेगा तथा राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक संवेदनशील एवं जनहितकारी बनाएगा।

संक्षिप्त समाचार

इंतजामिया कमेटी करेगा 13 मार्च को भव्य इफ्तार पार्टी का आयोजन

दानापुर। तकिया पर स्थित इंतजामिया कमेटी के तरफ से 13 मार्च को तकीयापर भव्य इफ्तार पार्टी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन इंतजामिया कमेटी के सचिव मोलवी हसन उर्फ मक्खन की ओर से किया जा रहा है। इफ्तार पार्टी को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में रोजेदारों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। आयोजक मोलवी हसन ने बताया कि माहे रमजान का पाक महीना आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है। इसी भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से हर वर्ष की तरह इस बार भी इफ्तार पार्टी का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से सभी समाज लोग शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि रोजेदारों के लिए इफ्तार की विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि सभी लोग एक साथ बैठकर रोजा खोल सकें। कार्यक्रम में विधायक, मंत्री, स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, बुद्धिजीवी तथा विभिन्न समुदायों के लोगों को भी आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि हिंदू मुस्लिम दानापुर में एकता का मिसाल रहा है। आयोजकों ने स्थानीय लोगों से इस इफ्तार पार्टी मेंआने की आग्रह किया है।

महिला हर क्षेत्र में दे रही हैं अहम योगदानः अंचल अधिकारी ममता

पुनपुन। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पुनपुन प्रखंड की अंचल अधिकारी श्रीमती ममता ने महिलाओं के सम्मान और उनके योगदान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को समाज में बराबरी का सम्मान मिलना चाहिए, क्योंकि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रही हैं। अंचल अधिकारी श्रीमती ममता ने कहा कि महिलाएं घर से लेकर प्रशासनिक और सामाजिक कार्यों तक हर जिम्मेदारी को पूरी सूझबूझ और ईमानदारी से निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वयं एक महिला होते हुए भी लोगों के बीच बैठकों और सभाओं में भाग लेती हैं तथा अपने कार्यों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी के साथ करती हैं।उन्होंने कहा कि महिला होने के कारण उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई महसूस नहीं होती, बल्कि वे अपने दायित्वों को समझदारी और आत्मविश्वास के साथ निभाती हैं। उन्होंने समाज से अपील की कि महिलाओं को सम्मान दें और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।अंत में उन्होंने कहा कि जब समाज में महिलाओं को उचित सम्मान और अवसर मिलेगा, तभी समाज का समग्र विकास संभव हो।

न बेटा को बेचे न दूल्हा खरीदे : प्रेम कुमार

पटना।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रेम यूथ फाउंडेशन एवं विश्व युवक केंद्र की ओर से भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । मौके पर उपस्थित फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने कहा कि न बेटा को बेचे न दूल्हा खरीदे । आज बेटियां बेटों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चल रही है । अंतिरक्ष से लेकर देश के सीमाओं पर मजबूती से डटी है । राजनीति और शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की सक्रियता बढ़ी है लेकिन अफसोस एक स्याह पहलू भी है कि आज भी भ्रूर्ण हत्या हो रही है । महिलाओं के साथ हिंसा और यौन उत्पीड़न , दहेज हत्या , कार्यस्थल पर भेदभाव की घटना सभ्य समाज के लिए कलंक का टीका है । भारत मे मात्र सत प्रतिशत महिला उद्यमियों को ऋण उपलब्ध कराया गया है यह चिंता की बात है । उन्होंने बताया कि एक ओर हम काली,दुर्गा,सरस्वती , लक्ष्मी की पूजा करते है दूसरी ओर भ्रूर्ण हत्या और महिला उत्पीड़न शर्म की बात है । भाषण प्रतियोगिता में प्रिया कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि दूसरे स्थान पर अंजली कुमारी रही वही आकृति को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ । मौके पर एएसआई सुनीता कुमारी, शिक्षिका संगीता कुमारी, राखी कुमारी मौजूद रही ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर पुनपुन थाना में महिला सम्मान का संदेश

पुनपुन।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण और सम्मान को लेकर विशेष संदेश दिया गया। इस मौके पर थानाध्यक्ष बेबी कुमारी ने सभी माताओं, बहनों और बेटियों को महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। थानाध्यक्ष बेबी कुमारी ने कहा कि नारी शक्ति त्याग, समर्पण, प्रेम और साहस की प्रतीक है। समाज और राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा को लेकर हमेशा प्रतिबद्ध है और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जब वे रात में गश्ती पर निकलती हैं, तो उन्हें कभी यह महसूस नहीं होता कि वे एक महिला हैं, बल्कि वे खुद को एक पुलिस अधिकारी के रूप में देखती हैं और अपने कर्तव्यों का पूरी ईमानदारी के साथ पालन करती हैं। उन्होंने कहा कि जनता के बीच रहकर सेवा करना ही पुलिस का सबसे बड़ा दायित्व है। इस अवसर पर उन्होंने लोगों से अपील की कि समाज में महिलाओं को बराबरी का सम्मान दें और उनकी सुरक्षा व अधिकारों के प्रति जागरूक रहें। महिला दिवस के मौके पर पुनपुन थाना से महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश दिया गया।

"चईत मासे बोलेले कोयलिया हो रामा, मोर अंगनवा" से गूंजा बिहार म्यूजियम

नई सोच एक्सप्रेस

» अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर संगोष्ठी और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

पटना।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कला एवं संस्कृति विभाग के अंतर्गत भारतीय नृत्य कला मंदिर तथा बिहार ललित कला अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को बिहार म्यूजियम में संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। "चाक्षुष एवं प्रदर्श कला में महिलाओं की भूमिका" विषय पर आयोजित कार्यक्रम में कला, संस्कृति और समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत विभाग के सचिव प्रणव कुमार एवं प्रशासी पदाधिकारी कहकशां समेत अन्य गणमान्य अतिथियों के दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर विभाग के सचिव प्रणव कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी राज्य या देश के विकास में महिलाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास में सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर वैदिक काल तक महिलाओं ने विदुषी, कवयित्री और विचारक के रूप में समाज को समृद्ध किया है। महिलाओं ने हमेशा संस्कृति और परंपराओं को संजोकर रखने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने अपने वक्तव्य में प्रसिद्ध उक्ति "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः" का उल्लेख करते हुए कहा कि जहां नारी का सम्मान होता है, वहीं समृद्धि और उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। संगोष्ठी की शुरुआत प्रख्यात लोकगायिका पियु मुखर्जी के व्याख्यान से हुई। उन्होंने "विमेन्स इम्पोर्टेंस एंड इम्पैक्ट ऐज द कैरेक्टर इन इंडियन सेमी-क्लासिकल वोकल म्यूजिक" विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। अपने व्याख्यान के दौरान उन्होंने भारतीय संगीत परंपरा में महिलाओं की भूमिका और उनकी भावनात्मक अभिव्यक्ति को गीतों के माध्यम से समझाया। उन्होंने राधा-कृष्ण के प्रेम, विरह, रूठने-मनाने और चैता गायन की परंपरा को अपने सुरों में पिरोते हुए प्रस्तुत किया। "ये मोरा सइयां बुलाए आधी रात, नदिया बैरी भइल" और "चईत मासे बोलेले कोयलिया हो रामा, मोर अंगनवा" जैसे लोकगीतों की प्रस्तुति ने पूरे सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियों की गूंज से उत्साहपूर्वक स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रो. डॉ. जसमिन्दर कौर, डॉ. विंबावती देवी, डॉ. उलूपी कुमारी और संगीता ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने अपने-अपने कला क्षेत्र के अनुभवों के आधार पर समाज, संस्कृति और कला के विकास में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

'साधना से जागृत आत्मतेज ही महिलाओं का सच्चा सशक्तिकरण'

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सनातन संस्था ने कहा है कि महिलाओं का वास्तविक सशक्तिकरण केवल अधिकारों या बाहरी स्वतंत्रता से नहीं, बल्कि साधना, संस्कार और आध्यात्मिक उन्नति से संभव है। संस्था के अनुसार भारतीय संस्कृति में महिलाओं को सदैव उच्च स्थान दिया गया है और हिंदू धर्म में नारी को शक्ति स्वरूपा माना गया है। संस्था ने कहा कि इतिहास में गार्गी, मैत्रेयी, लोपामुद्रा, रानी लक्ष्मीबाई, अहिल्याबाई होलकर और राजमाता जिजाऊ जैसी अनेक विदुषी एवं वीरांगनाएं महिलाओं की शक्ति और नेतृत्व का उदाहरण रही हैं। आज महिलाओं को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक तीनों स्तरों पर सशक्त बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए स्वसंरक्षण प्रशिक्षण, सांस्कृतिक मूल्यों का पालन और साधना को जीवन में अपनाने पर बल दिया गया। संस्था ने यह भी कहा कि समाज में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि समाज में नैतिक और धार्मिक मूल्यों को मजबूत करना भी आवश्यक है। संस्था के अनुसार साधना द्वारा आत्मतेज जागृत करना ही महिलाओं के सच्चे सशक्तिकरण का मार्ग है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दानापुर मंडल के पटना स्टेशन की कमान महिला कर्मचारियों ने संभाली

नई सोच एक्सप्रेस

» महिला क्रू-मेंबरों द्वारा 63326 पटना -इस्लामपुर मेमू का किया परिचालन

पटना।''अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस'' के अवसर पर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल के पटना जंक्शन जैसे बड़े यार्ड का संचालन महिला रेल कर्मचारियों द्वारा संचालित किया गया। इस दौरान पटना स्टेशन पर कार्यरत महिला रेल कर्मियों द्वारा ट्रेनों का परिचालन, साफ-सफाई के साथ-साथ भीड़ - प्रबंधन सहित अन्य सभी कार्यो को सफलतापूर्वक निर्वहन किया गया। इसके अलावा ''अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस'' के अवसर पर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दानापुर मंडल के महिला (क्रू- मेंबरो) गुड्डी कुमारी ,लोको पायलट (LP), कुमारी दिव्या सहायक लोको पायलट (ALP) तथा मनीषा कुमारी ट्रेन मैनेजर (गार्ड) द्वारा गाड़ी सं.- 63326 पटना - इस्लामपुर मेमु सवारी गाड़ी का परिचालन किया गया। वहीं आरआरआई का संचालन स्टेशन मास्टर, अंशु कुमारी एवं संगीता कुमारी के द्वारा संभाला गया। उपरोक्त स्टेशन एवं ट्रेन का महिला रेल कर्मियों ने परिचालन,टीआरडी,ओचई पीआरएस,यूटीएस,चेकिंग का कार्य अपनी-अपनी जिम्मेवारियों के साथ सफलतापूर्वक निर्वहन किया गया।

गोपी कृष्ण गोआश्रम में होली मिलन एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पटना के गोपी कृष्ण गोआश्रम एवं मारवाड़ी हेल्थ सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में गोपी कृष्ण गोआश्रम परिसर में होली मिलन एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मारवाड़ी हेल्थ सोसाइटी के करीब सौ से अधिक सदस्यों ने गोमाता को अबीर-गुलाल लगाकर चारा खिलाया और उनके प्रति अपनी श्रद्धा एवं सेवा भाव व्यक्त किया। मौके पर मारवाड़ी हेल्थ सोसाइटी की ओर से नेत्र जांच शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें सोसाइटी के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण कुमार ने स्थानीय लगभग 80 से अधिक लोगों की आंखों की जांच की। जांच के दौरान 14 मरीजों में बढ़े हुए मोतियाबिंद की पहचान हुई, जिनका निःशुल्क ऑपरेशन मारवाड़ी हेल्थ सोसाइटी द्वारा कराया जाएगा। गोपी कृष्ण गोआश्रम के संचालक गोपाल मोदी ने बताया कि इस गोआश्रम में बूढ़ी एवं बीमार गायों की सेवा और देखभाल की जाती है। वर्तमान में यहां 33 गोमाता रह रही हैं। उन्होंने बताया कि सर्दियों में गोमाता के लिए हीटर तथा गर्मियों में कूलर की व्यवस्था की गई है। गोमाता के स्नान की भी समुचित व्यवस्था है तथा ब्रह्ममुहूर्त से उनके लिए भजन-कीर्तन का प्रसारण किया जाता है। मच्छर और मक्खियों से बचाव के लिए पूरे गोआश्रम को महीन तार की जाली से घेरा गया है। गायों की देखभाल के लिए सेवकों की व्यवस्था है और पशु चिकित्सकों द्वारा समय-समय पर उनकी स्वास्थ्य जांच भी कराई जाती है ।कार्यक्रम के दौरान कुछ श्रद्धालुओं द्वारा गोमाता के लिए तुला दान भी किया गया। अंत में आश्रम की ओर से सभी उपस्थित लोगों के लिए भंडारा प्रसाद की व्यवस्था की गई। मौके पर एम.पी. जैन ने बताया कि कार्यक्रम में मारवाड़ी हेल्थ सोसाइटी के सुनील अग्रवाल, फाउंडर अध्यक्ष महावीर अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष रमेश गुप्ता, अध्यक्ष राधेश्याम बंसल, कार्यकारी अध्यक्ष हनुमान गोयल, सचिव दिनेश अग्रवाल, संजय भलोटिया, बिनोद बंसल, अशोक अग्रवाल, बिनोद अग्रवाल, विष्णु सुरेका, पवन गोयल, अनिल गुप्ता, डॉ. गीता जैन, सीता बंसल, प्रेमलता गोयल, नीलम अग्रवाल, सुधा अग्रवाल, सुनीता सर्राफ, माया बंसल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थितथे।

गार्गी नारी शक्ति सम्मेलन 2026 का भव्य आयोजन, महिला सशक्तिकरण पर हुआ व्यापक विमर्श

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लेट्स इंस्पायर बिहार के गार्गी चैप्टर की ओर से "गार्गी नारी शक्ति सम्मेलन 2026" का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं और युवाओं की बड़ी भागीदारी रही। कार्यक्रम का उद्घाटन आईपीएस विकास वैभव, पद्मश्री डॉ. शांति राय, सुप्रसिद्ध गायिका नीतू कुमारी नूतन, शिक्षाविद् डॉ. ऊषा विद्यार्थी तथा सुषमा साहू की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर पद्मश्री डॉ. शांति राय ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी समाज की प्रगति तभी संभव है जब महिलाओं को शिक्षा, सम्मान और अवसर की समानता मिले। उन्होंने कहा कि गार्गी जैसी विदुषी महिलाओं की परंपरा भारत की सांस्कृतिक धरोहर है और आज की बेटियों को उसी ज्ञान, साहस और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। वहीं आईपीएस विकास वैभव ने लेट्स इंस्पायर बिहार के गार्गी चैप्टर की सराहना करते हुए कहा कि यह मंच बिहार में महिला जागरूकता, शिक्षा और नेतृत्व को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के विकास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है और ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को सकारात्मक दिशा देने में अहम भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक शरीन एरम और नेहा सिंह थीं। आयोजन समिति में नम्रता कुमारी, अनुभा गुप्ता, रीना पांडेय, नितिका अग्रवाल, बिन्नी बाला और करिश्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान से जुड़े कई प्रमुख लोग भी उपस्थित रहे, जिनमें ओपी सिंह, कोऑर्डिनेटर राहुल कुमार सिंह, लव कुमार सिंह, इंजीनियर कुमार राहुल, अमीर अहमद, सैम अहमद, आशीष रंजन, ए. के. झा, कन्हैया कुमार विकास शाही आशुतोष, अनंत द्विवेदी, रोहित कुमार (अरवल), कौस्तुभ, शिवेश कुमार, कन्हैया भारद्वाज, मोहन झा, धीरज कुमार सिंह तथा राष्ट्रीय मीडिया कोऑर्डिनेटर अनूप नारायण सिंह प्रमुख रूप से शामिल थे। सम्मेलन के दौरान महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, आत्मनिर्भरता और समाज में महिलाओं की नेतृत्वकारी भूमिका जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा मजबूत होती है और महिलाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

ई-रिक्शा पलटने से एक युवक की मौत

नई सोच एक्सप्रेस

घटना की जानकारी मिलते ही अनुमंडल अस्पताल पहुंचे मृतक के परिजन

दानापुर।रविवार की शाम प्लाई लदे ई रिक्शा पलटने से एक युवक की मौत हो गई। जबकि ई रिक्शा चालक मामूली रूप से जख्मी हो गया। मृतक की पहचान वीचली गली गोला पर के रहने वाले प्रमोद सिंह के 30 वर्षीय पुत्र संतोष कुमार के रूप में हुई है। वही मौके पर पहुंची पुलिस ई रिक्शा चालक को हिरासत में ले लिया है। मृतक का छोटा भाई राहुल कुमार ने बताया कि घटना की स्पष्ट जानकारी मुझे नहीं है लेकिन मुझे पता चला है कि कुर्मियान गली गाभतल के रहने वाले ई रिक्शा चालक शत्रुघ्न कुमार अपने ई-रिक्शा में प्लाई लोड कर मिथिला कॉलोनी डिलीवर करने जा रहा था। रास्ते में उसका भाई संतोष मिला और वह ई-रिक्शा पर बैठ गया। थोड़ी दूर जाने पर असंतुलित होकर ई रिक्शा पलट गया और संतोष उसके नीचे दब गया। इस हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वही चालक जख्मी हो गया। आसपास के लोगों ने 112 डायल कर पुलिस को बुलाया जो ई रिक्शा को जप्त करते हुए चालक को हिरासत में लेकर थाने ले आई। वहीं शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई करने में जुट गई है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सफाई मित्र एवं खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

बिहटा (पटना)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नगर परिषद, बिहटा के सभाकक्ष में नगर परिषद,बिहटा एवं मेरा युवा भारत,पटना के संयुक्त तत्वावधान में सफाई मित्र एवं खिलाड़ी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सफाई कार्य में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सफाई मित्र महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नगर परिषद्,बिहटा के प्रियंका कुमारी(सभापति),दीपिका सिंह(उप सभापति),साक्षी पाठक(स्वच्छता पदाधिकारी),रिंकू सिंह(समाजसेवी),अविनाश कुमार सिंह, बबलु कुमार,सर्वेश कुमार सहित समाजसेवी उपस्थित रहे। इस अवसर पर आशा स्पोर्ट्स अकादमी,बिहटा के द्वारा अस्मिता महिला खेल महोत्सव/लीग के तहत दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इसमें अंडर-13-15 आयु वर्ग के महिलाओं ने बढ़ चढ़कर 100M दौड़ में शामिल हुए। सफल विजेताओं में प्रथम, द्वितीय, और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले महिलाओं को प्रमाण पत्र, बैडमिंटन एवं उपहार प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रियंका कुमारी ने कहा कि राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत एवं महिला अधिकार। लैंगिक समानता (Gender Equality) को बढ़ावा देना, महिलाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना और उनके सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक व राजनीतिक योगदान का सम्मान करना है। यह दिन महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को खत्म करने, सशक्तिकरण और समावेशी समाज बनाने के लिए कार्रवाई का आह्वान करता है। नगर परिषद,बिहटा जल्द ही महिलाओं के लिए कमिटी का गठन करेगा जिसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं की समस्याओं को निदान करने पर आधारित होगा दीपिका सिंह ने बताया कि यह दिन समाज में महिलाओं की आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जशन मनाने का अवसर है इस दिवस का संदेश है कि न्याय के बिना अधिकार सिर्फ शब्द है। जब न्याय मिलता है तभी अधिकार असली शक्ति बनते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साक्षी पाठक ने कहा कि इस दिवस की 115वीं वर्षगांठ यह दर्शाती है कि जब महिलाओं को समर्थन मिलता है, तो वे सफलता प्राप्त करती हैं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाया जाता है। 2026 का विषय "दान से लाभ" अभियान लैंगिक समानता हासिल करने के लिए सहयोग और उदारता के महत्व पर जोर देता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, वित्तीय समावेशन और सुरक्षा के क्षेत्र में सरकार की पहल महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनुकूल वातावरण को मजबूत कर रही है। मौके पर युवा मण्डल के अध्यक्ष मनीष कुमार,हिमांशु सिंह समेत सदस्यों की उपस्थिति रही।

हैदराबादी बकेट बिरयानी का स्वाद अब पटना में, 'राज बकेट बिरयानी एंड रेस्टोरेंट' का भव्य शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।स्वादिष्ट व्यंजनों के शौकीनों के लिए राजधानी पटना में एक नई खुशखबरी है। अब शहरवासियों को हैदराबादी स्टाइल की खास बकेट बिरयानी का स्वाद लेने के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। पटना के गांधी नगर, पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन के सामने स्थित राज बकेट बिरयानी एंड रेस्टोरेंट का भव्य शुभारंभ किया गया। रेस्टोरेंट के ऑनर राज कुमार प्रसाद ने दीप प्रज्वलित कर एवं रिबन काटकर इसका उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पटना में बिरयानी प्रेमियों की संख्या काफी है, लेकिन हैदराबाद की लोकप्रिय बकेट बिरयानी का कॉन्सेप्ट अभी तक यहां उपलब्ध नहीं था। इसी सोच के साथ पटना में इस नई शुरुआत की गई है, जहां ग्राहकों को बिरयानी खास बकेट में परोसी जाएगी। उन्होंने बताया कि रेस्टोरेंट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां के सभी शेफ और कुक हैदराबाद से बुलाए गए हैं, ताकि ग्राहकों को असली हैदराबादी बिरयानी का प्रामाणिक स्वाद मिल सके। उद्घाटन के अवसर पर ग्राहकों के लिए विशेष ऑफर भी रखा गया है, जिसके तहत प्रति व्यक्ति बकेट बिरयानी के साथ 200 एमएल का कोल्ड ड्रिंक बिल्कुल मुफ्त दिया जा रहा है। रेस्टोरेंट में बैठकर खाने की सुविधा के साथ-साथ होम डिलीवरी सेवा भी उपलब्ध है। ग्राहक सीधे मोबाइल नंबर 7970755805 पर ऑर्डर कर सकते हैं। इसके अलावा ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी और जोमेटो के माध्यम से भी ऑर्डर किया जा सकता है। राज बकेट बिरयानी एंड रेस्टोरेंट में ग्राहकों के लिए कई प्रकार की बिरयानी उपलब्ध है, जिनमें वेज हैदराबादी बकेट बिरयानी, चिकन हैदराबादी बकेट बिरयानी, मटन हैदराबादी बकेट बिरयानी, राजशाही बकेट बिरयानी तथा प्रॉन बकेट बिरयानी प्रमुख हैं। इसके अलावा भी कई लजीज व्यंजन यहां परोसे जाएंगे। रेस्टोरेंट के संचालक ने बताया कि उनका उद्देश्य लोगों को उचित मूल्य पर लजीज और असली हैदराबादी बिरयानी का स्वाद उपलब्ध कराना है। साथ ही भविष्य में पूरे बिहार में इस ब्रांड की फूड चेन स्थापित करने की भी योजना है। बिरयानी प्रेमियों के लिए यह नया ठिकाना अब तैयार है। यदि आप भी हैदराबादी स्वाद का असली मजा लेना चाहते हैं तो एक बार जरूर पधारें- राज बकेट बिरयानी एंड रेस्टोरेंट, गांधी नगर, पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन के सामने, पटना। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.rajbucketbiryani.com या मोबाइल नंबर 7970755805 पर संपर्क किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

रामगढ़वा: अज्ञात वाहन की ठोकर से युवक की दर्दनाक मौत

मोतिहारी/ रामगढ़वा।रामगढ़वा थाना क्षेत्र के धांगड़ टोली के समीप शुक्रवार की रात एक भीषण सड़क हादसे में एक युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान मौजे निवासी रामनारायण राम के 32 वर्षीय पुत्र मुन्ना राम (32 वर्ष) के रूप में की गई है। इस हृदयविदारक घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, मुन्ना राम शुक्रवार की रात करीब 8 बजे रामगढ़वा थाना के पीछे आयोजित महायज्ञ देखकर वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान जैसे ही वह धांगड़ टोली के पास पहुंचे, एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मुन्ना राम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़वा 112 की पुलिस टीम बिना किसी देरी के तुरंत मौके पर पहुंची। मामले की जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने बताया कि पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस फरार अज्ञात वाहन और उसके चालक की पहचान के लिए सघन जांच कर रही है। जल्द ही आरोपी को चिन्हित कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा मंडल कार्यशाला: 'सबका साथ-सबका विकास' के मंत्र के साथ भारत को विश्व गुरु बनाने का संकल्प

मोतिहारी/ रामगढ़वा। भारतीय जनता पार्टी के इतिहास एवं विकास पर चर्चा हेतु आयोजित मंडल कार्यशाला के दूसरे दिन बैरिया पैक्स गोदाम में कार्यकर्ताओं का भारी समागम हुआ। इस अवसर पर सुगौली नगर पंचायत उपाध्यक्ष विकास शर्मा, सांसद प्रतिनिधि प्रदीप सर्राफ, अवध पटेल, रक्सौल जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रीति खंडेलवाल, अशोक पांडेय और मुन्नू पाठक समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यशाला में वक्ताओं ने भाजपा के गौरवशाली इतिहास और केंद्र की मोदी सरकार द्वारा चलाई जा रही जन-कल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने गरीबों के लिए कई ऐतिहासिक और कल्याणकारी योजनाएं धरातल पर उतारी हैं। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि देश के अन्नदाता को आज वह सम्मान मिल रहा है जिसके वे हकदार थे। सरकार का मुख्य उद्देश्य 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र के साथ भारत को दुनिया का नंबर एक देश बनाना है। कार्यशाला में मंडल के विकास और संगठन की मजबूती पर भी गहन मंथन किया गया।

एक शराब कारोबारी छह पियक्कड़ सहित सात लोगों को किया गिरफ्तार

पुलिस के साथ थाना में गिरफ्तार 7

मोतिहारी/ रामगढ़वा।थाना ने गुप्त सूचना पर एक शराब कारोबारी सहित 6 लोगों को शराब पीने में गिरफ्तार किया है । गिरफ्तार के बाद सातों लोगों को कागजी कार्रवाई पूरी कर मोतिहारी जेल भेज दिया है । जिसकी जानकारी थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने दी है । थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि नारीगिर चौक पर एक कारोबारी द्वारा शराब बेचा जा रहा है । सूचना मिलते हीं पुलिस बल को भेज उक्त कारोबारी अर्जुन चौधरी पिता रामजीत चौधरी के पास से 10 लीटर चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया । वहीं अलग अलग स्थानों से शराब पीने के जुर्म में ऐसन कुमार पिता उमाकांत यादव , रामप्रवेश कुमार पिता चंद्रदेव प्रसाद दोनों ग्राम लक्ष्मीपुर थाना आदापुर , पप्पू कुमार पिता स्वर्गीय गया यादव ग्राम मच्छरगवा थाना बैरिया जिला पश्चिमी चंपारण , जटाशंकर महतो पिता स्वर्गीय रामश्रय महतो ग्राम रामगढ़वा बाजार , कमलेश यादव पिता अनिल यादव ग्राम श्रीखंडी थाना सगौली , दिनेश कुमार पिता रमाकांत साह ग्राम भलूवाहिया थाना रामगढ़वा को शराब पीने में गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार के बाद कागजी कार्रवाई पूरी कर मोतिहारी जेल भेज दिया गया ।

"गिव टू गेन" थीम पर मना अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, समान समाज बनाने का लिया संकल्प

बेगूसराय।एसओएस चिल्ड्रन विलेज इंडिया, बेगूसराय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर "गिव टू गेन" विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में करीब 100 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और एक समान व समतामूलक समाज के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान पीरामल फाउंडेशन की ओर से आरती शर्मा, नेहा सिंह और नव्या एम ने प्रभावशाली ढंग से कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आज महिलाएं सशक्त होकर देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। वक्ताओं ने यह भी कहा कि समाज में वास्तविक समानता और समग्र विकास के लिए सामंजस्य, सहयोग और सहभागिता बेहद आवश्यक है। यह किसी एक व्यक्ति का काम नहीं है, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक समानता और सम्मान की सोच पहुंचाने की जिम्मेदारी सभी की है। एसओएस चिल्ड्रन विलेज इंडिया, बेगूसराय के प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में संस्था के सभी सहकर्मियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं ने समाज में समानता, सम्मान और सहयोग की भावना को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लिया।

समग्र विकास के लिए नारी के सम्मान और सशक्तिकरण की है आवश्यकता - कुलपति

नई सोच एक्सप्रेस

दरभंगा।कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय एवं महारानी अधिरानी रमेश्वरलता संस्कृत महाविद्यालय, दरभंगा के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय "सनातन परम्परा में नारी का महत्व" रखा गया, जिसमें विद्वानों ने भारतीय संस्कृति और सनातन परम्परा तथा वर्तमान परिदृश्य में नारी की गरिमा, शक्ति और योगदान पर विस्तृत विचार प्रस्तुत किए। रविवार को रमेश्वरलता संस्कृत महाविद्यालय के सभागार में आयोजित संगोष्ठी को केएसडीएसयू के कुलपति प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय, एलएनएमयू के संगीत एवं नाट्य विभागाध्यक्ष डॉ.पुष्पम नारायण, प्रधानाचार्य डॉ.दिनेश झा तथा वित्त पदाधिकारी डॉ.पवन कुमार झा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय सनातन परम्परा में नारी को सदैव उच्च स्थान प्राप्त रहा है। वेदों, उपनिषदों तथा पुराणों में नारी को शक्ति, ज्ञान और सृजन की प्रतीक के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। उन्होंने कहा कि "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता" की भावना भारतीय संस्कृति का मूल आधार है। समाज के समग्र विकास के लिए नारी के सम्मान और सशक्तिकरण की आवश्यकता पर उन्होंने विशेष बल दिया। विशिष्टातिथि डॉ.पुष्पम नारायण ने वर्तमान परिदृश्य में नारी की भूमिका पर चर्चा करते हुए कही कि हम विचार से स्वतंत्र है न कि स्वच्छंद। हमें स्वतंत्र को स्वच्छंदता भूल से भी नहीं समझनी चाहिए। महिलाओं को मिले अधिकार का हमें सदुपयोग करना चाहिए न कि इसके नाम पर इसका दुरुपयोग करें। तभी सामाजिक संतुलन बना रहेगा। हम महिलाओं को भी आज के दिन आत्मावलोकन करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रधानाचार्य सह सीसीडीसी डॉ. दिनेश झा ने कहा कि सनातन परम्परा में नारी को माता, विद्या और शक्ति के रूप में देखा गया है। गार्गी, मैत्रेयी, लोपामुद्रा जैसी विदुषी महिलाओं का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि भारतीय ज्ञान-परम्परा में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज के समय में भी नारी शिक्षा और सामाजिक भागीदारी के माध्यम से समाज को नई दिशा प्रदान कर रही है। नारी की उत्थान के लिए बिहार सरकार भी कृतसंकल्पित है। डॉ.पवन कुमार झा ने कहा कि भारतीय परम्परा में नारी को सृजन, करुणा और संस्कार की प्रतीक माना गया है। वहीं व्याकरण के प्राध्यापक डॉ.रामसेवक झा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण शक्ति भी है। सनातन परम्परा में देवी-पूजा की परम्परा नारी के सम्मान और उसकी आध्यात्मिक महत्ता को दर्शाती है। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ.गायत्री देवी द्वारा गोसाऊनिक गीत से हुई। आगत अतिथियों को मिथिला के परम्परानुसार पाग-चादर पुष्पमाला से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन रमेश्वरलता संस्कृत महाविद्यालय की व्याकरण प्राध्यापिका प्रियंका तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ.निशा ने की । संगोष्ठी में साहित्य प्राध्यापक डॉ.प्रमोद कुमार मिश्र, हिन्दी प्राध्यापक डॉ.सुनील कुमार, स्नातकोत्तर व्याकरण के प्राध्यापिका डॉ.साधना शर्मा, डॉ.देवहुति , दीपक कुमार , महिला मंच के सदस्यों सहित दर्जनों छात्र -छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन महाविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ.मुकेश प्रसाद निराला ने किया। सामूहिक राष्ट्रगान से कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर संगोष्ठी का उद्घाटन करते कुलपति व अन्य

» सनातन परम्परा में नारी का महत्व विषय पर हुई संगोष्ठी
» अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर रमेश्वरलता संस्कृत महाविद्यालय में संगोष्ठी आयोजित

आने वाली पीढ़ी के लिए पर्यावरण संरक्षण जरूरी - डॉ. अमित रंजन

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी/चकिया।प्रखंड के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, चांपटोला में वन विभाग के सहयोग से नेत्रिका फाउंडेशन एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के बैनर तले "पर्यावरण की पाठशाला सह पौधारोपण कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई और विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला स्कूल की पूर्व प्राचार्य शशिकला ने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन की हर आवश्यकता को पूरा करते हैं। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उन्हें संरक्षित करने की अपील की। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. अमित रंजन ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम में तेजी से बदलाव हो रहा है, जिसका सीधा असर नई पीढ़ी पर पड़ रहा है। कम उम्र में बच्चों में विभिन्न प्रकार की बीमारियाँ बढ़ रही हैं। डॉ. स्नेह एस. चौरसिया ने अपने संबोधन में 3P – पेड़, पानी और प्लास्टिक पर विशेष प्रकाश डालते हुए लोगों से प्लास्टिक का उपयोग कम करने तथा बाजार से सामान लाने के लिए झोले का इस्तेमाल करने की सलाह दी।सामाजिक कार्यकर्ता विनय कुमार ने जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते तापमान पर चिंता जताते हुए कहा कि यदि बढ़ते तापमान को नियंत्रित नहीं किया गया तो भविष्य में जीवन संकट में पड़ सकता है। इसके लिए अधिक से अधिक पौधारोपण जरूरी है।कार्यक्रम के दौरान शिक्षक शशि प्रिय रंजन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक ध्रुवनारायण ठाकुर ने की। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगोली बनाकर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में निर्मल चंद्र कुमार, चंद्रशेखर सिंह, राकेश कुमार, सबीना आजमी, रीना कुमारी सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।कार्यक्रम का समापन अतिथियों द्वारा विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर किया गया। साथ ही छात्र-छात्राओं ने लगाए गए पौधों की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेते हुए प्रत्येक छात्र द्वारा एक-एक पौधा लगाने का संकल्प लिया।

सुगौली में तिरंगा लाइट लगाने के बाद भी कई पोल की लाइट खराब

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी/सुगौली।नगर पंचायत की ओर से शहर को सुंदर बनाने के उद्देश्य से सड़कों के किनारे बिजली के पोल पर तिरंगा लाइट लगाई गई है। इन लाइटों के लगने से शाम होते ही शहर की सड़कों पर तिरंगे रंग की आकर्षक रोशनी दिखाई देती है, जो लोगों को काफी अच्छी लगती है और नगर की सुंदरता भी बढ़ती है। लेकिन लाखों रुपये खर्च कर लगाए गए इन तिरंगा लाइटों में से कई पोल की लाइटें पिछले कई दिनों से खराब पड़ी हुई हैं। जिससे लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इतनी बड़ी राशि खर्च करने के बावजूद यदि समय पर मरम्मत नहीं हो रही है तो यह चिंता का विषय है। बताया जाता है कि शहर के कई पोल की तिरंगा लाइट काफी दिनों से बंद पड़ी है, लेकिन अब तक इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है और न ही इसे देखने वाला कोई नजर आ रहा है। इस संबंध में मुख्य पार्षद प्रतिनिधि अली हसन ने बताया कि इस मामले की जानकारी विभाग को दे दी गई है। उन्होंने कहा कि विभाग के स्तर से ही इसकी मरम्मत कराई जाएगी। हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पंचायत को इस पर जल्द संज्ञान लेकर खराब पड़ी लाइटों को ठीक कराना चाहिए, ताकि शहर की सुंदरता बरकरार रह सके।

घर और बाहर, महिलाएं निभा रही हैं समाज में अग्रणी भूमिका : जिलाधिकारी

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को भिखारी ठाकुर प्रेक्षागृह में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर निबंध लेखन, पेंटिंग, वाद-विवाद एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह में वार्षिक माध्यमिक (मैट्रिक) एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली तीन-तीन छात्राओं को जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। साथ ही विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला पदाधिकारियों एवं कर्मियों को भी सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने कहा कि आज महिलाएं घर और बाहर दोनों क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। समाज के विकास में महिलाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है और महिला सशक्तिकरण से ही समाज की प्रगति संभव है। उन्होंने छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया तथा लैंगिक समानता पर आधारित नुक्कड़ नाटक के माध्यम से महिलाओं की भूमिका का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उपविकास आयुक्त, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी सहित कई अन्य पदाधिकारी और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

सावित्रीबाई फुले से मिलती है शिक्षा और सामाजिक बदलाव की प्रेरणा: समरेंद्र सिंह

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें समाज में महिलाओं की भूमिका, उनके अधिकार और सशक्तिकरण पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सारण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के शिक्षक नेता समरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि महिला दिवस का उद्देश्य महिलाओं के संघर्ष, उपलब्धियों और समाज में उनके योगदान को याद करना है। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि जब महिलाओं को बराबरी के अवसर मिलते हैं, तो पूरा समाज और देश तरक्की की ओर बढ़ता है। शिक्षक नेता ने सावित्रीबाई फुले समेत देश की महान महिलाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि नारी शक्ति हमेशा से समाज परिवर्तन की अग्रदूत रही है।सावित्रीबाई फुले ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद महिलाओं और वंचित वर्गों के लिए शिक्षा का अलख जगाया तथा समाज में जागरूकता का नया मार्ग प्रशस्त किया। उनके प्रयासों से शिक्षा का अधिकार समाज के हर वर्ग तक पहुंचने लगा। उन्होंने कहा कि आज भी महिलाओं को शिक्षा, सम्मान और समान अवसर देकर ही एक सशक्त और समतामूलक समाज का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि आज भी महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, राजनीति, विज्ञान और खेल सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। नारी शक्ति केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र के विकास की आधारशिला है। इसलिए महिलाओं को समान अवसर, सम्मान और सुरक्षा प्रदान करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कवियत्री नंदिनी झा का विशेष संदेश, कविता के माध्यम से नारी शक्ति का किया आह्वान

नई सोच एक्सप्रेस

मधुबनी/बिहार।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मैथिली साहित्य की नई पौध और मैथिली काव्य मंच की युवा कवियत्री नंदिनी झा ने मातृशक्ति को समर्पित एक विशेष कविता प्रस्तुत कर समाज को नारी सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने अपनी रचना के माध्यम से महिलाओं की शक्ति, संवेदनशीलता और आत्मसम्मान को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। कविता प्रस्तुत करने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए नंदिनी झा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि महिलाओं की उपलब्धियों, सशक्तता और समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय दे रही हैं, जो समाज के लिए प्रेरणादायक है। नंदिनी झा ने कहा कि प्रत्येक वर्ष महिला दिवस के अवसर पर महिलाएं यह संकल्प लेती हैं कि आने वाला वर्ष उनके लिए और अधिक सशक्त, संभावनाशील और आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि महिलाओं को देवी या दासी के रूप में नहीं, बल्कि एक समान अधिकारों वाली मानव के रूप में सम्मान दिया जाना चाहिए। इसी संदेश को सशक्त रूप देने के लिए उन्होंने मातृशक्ति को समर्पित अपनी मैथिली कविता भी प्रस्तुत की।

» नारी सम्मान और समानता का दिया संदेश, महिला दिवस पर कवयित्री नंदिनी झा ने सुनाई मैथिली कविता

महिला दिवस पर मातृशक्ति के नाम कवियत्री नंदिनी झा की कविता

"हम नारी दीपक लौ बनि
चहुंदिस आँगन चमकाबै छी
नहि खेलू हमर भाव संग
अंगोर सेहो बनि सकैत छी
हम धधकि उठी जं' आगि जकां
अहाँकें पुरुखाही लंका जरा सकैत छी
जं बनि जाइ हवा तूफानी हम
प्रलय बनि अहाँकें दुनिया उधिया सकैत छी
मन्दिर मे सजा राखेत छी,
जिनका पूजा-अर्चना करैत छी
माई कहि जिनका लग
नतमस्तक भ' जाइ छी
हँ, हम वैह देवी मैया छी
जं' करी अहां सम्मान प्रेम
तं' हमहूँ जनकनन्दिनी दुलारी छी
नहि तं ई बात मानि लिय'
हम दूर्गा आ भवानी छी
जखन-जखन धरती पर पाप बढ़त
हम चण्डी आ रूद्राणी छी
देवी सँ पहिने हम एकटा नारी छी
हमर नारी रूप स्वीकार करू
देवी आ दासी सं अलग
सभ नारी के सम्मान करू।"

नन्दनी झा

कांटी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'महिला सम्मेलन' का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

कांटी,मुजफ्फरपुर।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर आज कांटी प्रखंड के दरियापुर ग्राम स्थित पंचायत भवन, पानापुर हवेली के प्रांगण में एक भव्य 'महिला सम्मेलन' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम निर्देश संस्था द्वारा HDFC बैंक - CSR परिवर्तन के सहयोग से 'सर्वांगीण ग्रामीण विकास कार्यक्रम' (HRDP) के अंतर्गत आयोजित किया गया मुख्य अतिथि माननीय विधायक, कांटी, श्री अजीत कुमार , डॉ आनंद कुमार विभुति प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO), कांटी एवं संगीता कुमारी मुखिया सेरूकाही पंचायत एवं श्री विनोद कुमार गुप्ता जदयू प्रखंड अध्यक्ष कांटी संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया साथ ही क्षेत्र के अन्य गणमान्य व्यक्ति और समाजसेवी विशिष्ट अतिथि के रूप में रहें उपस्थित ।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य

निर्देश संस्था के प्रतिनिधि ने बताया कि इस सम्मेलन का प्राथमिक उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उनके भीतर नेतृत्व क्षमता (Leadership Skills) का विकास करना है। सम्मेलन के दौरान महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त होने के लिए जागरूक किया जाएगा। "महिलाएं समाज की धुरी हैं। जब एक महिला सशक्त और आत्मनिर्भर होती है, तो पूरा परिवार और समाज प्रगति करता है। हमारा लक्ष्य उन्हें उनके अधिकारों और क्षमताओं के प्रति सजग करना है।" — संस्था के प्रतिनिधि, द्वारा

जागरूकता : महिलाओं को बैंक की योजनाओं और स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी दी गई।

क्षमता वर्धन: नेतृत्व कौशल विकसित करने के लिए विशेषज्ञों द्वारा संवाद।

सफलता की कहानियां: क्षेत्र की उन महिलाओं को प्रोत्साहित करना जिन्होंने स्वरोजगार के क्षेत्र में मिसाल पेश की है। इस सम्मेलन में कांटी प्रखंड की सैकड़ों महिलाओं की उपस्थिति रही।

संक्षिप्त समाचार

ट्यूलिप येलो में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का पहला भव्य आयोजन

गुरुग्राम।शहर की ट्यूलिप येलो सोसायटी में पहली बार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सोसायटी की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विभिन्न सांस्कृतिक व मनोरंजक कार्यक्रमों के माध्यम से इस दिन को उत्साहपूर्वक मनाया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए कई गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। पूरे कार्यक्रम में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला और महिलाओं के योगदान व सशक्तिकरण पर भी प्रकाश डाला गया। सोसायटी के निवासियों और आयोजकों ने कहा कि महिला दिवस का उद्देश्य समाज में महिलाओं के सम्मान, समानता और उनके योगदान को रेखांकित करना है। इस आयोजन के माध्यम से महिलाओं को प्रोत्साहित करने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने का प्रयास किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

गोरखपुर।दिनाँक 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं के सम्मान, सशक्तिकरण और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सफाई के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 27 महिला सफाई मित्रों को गोरखपुर नगर निगम की आईईसी टीम संवेदना डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा फूल-मालाओं/ मिष्ठान/ गुलाब का फूल देकर सम्मानित किया गया । इस दौरान महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने, शिक्षा को बढ़ावा देने तथा समाज में समान अधिकार प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी को यह संदेश दिया गया कि हमें महिलाओं का सम्मान करना चाहिए और उन्हें आगे बढ़ने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करना चाहिए। "सशक्त महिला – सशक्त समाज – सशक्त राष्ट्र" यही इस कार्यक्रम का मुख्य संदेश रहा।

आरएसएस के कानपुर जिलाध्यक्ष बनाए गए गोरेलाल

कानपुर। राष्ट्रीय सनातन सस्कृति आरएसएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास गौड़ तथा प्रदेश अध्यक्ष लल्लू सिंह ने कानपुर नगर जिलाध्यक्ष की अहम जिम्मेदारी समाजसेवी गोरेलाल को दी। प्रदेश अध्यक्ष लल्लू सिंह ने जिलाध्यक्ष गोरेलाल को मनोनयन पत्र सौंपते हुए संगठन के प्रति लगन निष्ठा ईमानदारी से कार्य करने की बात कहते हुए नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का स्वागत माल्यार्पण कर किया। इस मौके पर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष गोरेलाल ने कहा कि जल्द ही कानपुर नगर की ईकाई का उनके द्वारा गठन कर संगठन का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने अपने संबोधन में गौ रक्षा धर्म राष्ट्र संस्कृति एवं समय-समय पर बस्तियों में धार्मिक पुस्तकों का वितरण कर सनातन संस्कृति से युवाओं को जोड़ने का कार्य किया जाएगा। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष गोरेलाल के जिलाध्यक्ष नियुक्त होते ही कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष को फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। इस दौरान मुख्य रूप से औरैया जिलाध्यक्ष दामिनी संजय अवस्थी धर्मेंद्र प्रदीप कुमार सौरभ कुमार गणेश कुमार सहित काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अंशु सिंह गौतम को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया सम्मानित

बस्ती।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को लखनऊ में आयोजित एक विशेष समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शिक्षाविद् एवं कर्मा देवी ग्रुप, बस्ती की सीईओ अंशु सिंह गौतम को सम्मानित किया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं की उपलब्धियों की सराहना की गई। कार्यक्रम के दौरान "समानता की कसौटी पर महिलाएं" विषय पर विशेष चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें महिलाओं की भागीदारी, नेतृत्व और समाज में उनकी बढ़ती भूमिका पर विचार-विमर्श किया गया। अंशु सिंह गौतम को शिक्षा, सामाजिक विकास और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए सराहा गया। उनके नेतृत्व में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ-साथ कई सामाजिक पहलें भी संचालित की जा रही हैं। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों में नकल जैसी अनैतिक प्रवृत्तियों को रोकने, आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने, तथा विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर रक्त परीक्षण और स्वास्थ्य जांच कराने की पहल की है। इसके साथ ही छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल-कूद और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया जा रहा है। इन पहलों के माध्यम से अंशु सिंह गौतम शिक्षा को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखकर अनुशासन, स्वास्थ्य और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने कहा कि इस प्रकार के प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के साथ-साथ युवाओं को बेहतर भविष्य की दिशा में प्रेरित करते हैं।

सीआरपीएफ की 87वीं स्थापना दिवस पर 92वीं बटालियन ने निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया

नई सोच एक्सप्रेस

कुपवाड़ा।केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 87वीं स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में, 92वीं बटालियन सीआरपीएफ, वदूरा सोपोर ने कुपवाड़ा जिले के सुदूर और दुर्गम क्षेत्र गुज्जरपति बदरकाली, हंदवारा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। यह पहल सीआरपीएफ के आदर्श वाक्य "सेवा और निष्ठा" के अनुरूप की गई थी और इसका उद्देश्य दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले उन लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं और मुफ्त दवाएं उपलब्ध कराना था, जिनकी चिकित्सा सुविधाओं तक सीमित पहुंच है। यह शिविर सुरक्षा बलों और स्थानीय समुदाय के बीच संबंधों को मजबूत करने का भी एक प्रयास था। चिकित्सा शिविर में आसपास के गांवों के निवासियों की भारी संख्या में उपस्थिति देखी गई।

सीआरपीएफ और जीएमसी हंदवारा के विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम ने सामान्य चिकित्सा, बाल रोग और स्वच्छता जागरूकता पर मौके पर ही परामर्श प्रदान किया। शिविर में आए सभी मरीजों को मुफ्त दवाइयां और

» अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को सम्मानित किया गया

आवश्यक स्वास्थ्य पूरक वितरित किए गए। चिकित्सकीय परामर्श के अलावा, डॉक्टरों ने लोगों को मौसमी बीमारियों, निवारक स्वास्थ्य उपायों और प्राथमिक उपचार के बारे में भी जानकारी दी और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। स्कूल ऑफ मेडिकल ऑफिसर डॉ. एम. सिंधु ने राजपोरा और जाचलदारा उच्च माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं की बुनियादी स्वास्थ्य जांच भी की। कार्यक्रम के दौरान, डीआईजी श्री नरेश कुमार ने स्थानीय बुजुर्गों और युवाओं से बातचीत की और "सभी के लिए स्वास्थ्य" की अवधारणा पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को अपने शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि वे राष्ट्र का भविष्य हैं। उन्होंने स्थानीय युवाओं के लिए कई आगामी पहलों के बारे में भी जानकारी दी, जिनमें बीपीएल छात्रों के लिए एसएसबी परीक्षा की तैयारी हेतु मुफ्त कोचिंग, एक बेसिक कंप्यूटर कोर्स और कॉलेज छात्रों के लिए बैडमिंटन टूर्नामेंट शामिल हैं। उन्होंने इच्छुक छात्रों से इन कार्यक्रमों में नामांकन करने का आग्रह किया। पंजीकरण के लिए वे 8899443450 पर संपर्क कर सकते हैं। सीआरपीएफ अधिकारियों ने सीआरपीएफ मददगार योजना के बारे में भी बहुमूल्य जानकारी साझा की, यह एक ऐसी पहल है जिसका उद्देश्य आपातकालीन स्थितियों में स्थानीय निवासियों की सहायता करना, जनता की शिकायतों का समाधान करना और बल तथा समुदाय के बीच सहयोग को मजबूत करना है। डीआईजी नरेश कुमार ने आगे बताया कि 10 मार्च 2026 को डीपीएल हंडवारा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा और इच्छुक स्वयंसेवक 8899443450 पर कॉल करके पंजीकरण करा सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को समाज में उनके बहुमूल्य योगदान और भूमिका के लिए सम्मानित और सराहा गया। इस अवसर पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में श्री रवि मिश्रा (द्वितीय प्रभारी), श्री सुधीर सोनावाले (अधीक्षक), श्री भानु प्रसाद मीना (अधीक्षक), सुश्री गुलशन अख्तर (चौकीदार), मोहम्मद सलीम (लंबरदार), आशिक हुसैन (लंबरदार) और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल थे। कार्यक्रम का समापन सीआरपीएफ द्वारा दूरदराज के क्षेत्रों में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के मानवीय प्रयासों के लिए स्थानीय समुदाय की सराहना के साथ हुआ।

हरि सहाय लॉ कॉलेज में एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

गोरखपुर।तारा मंडल रोड स्थित हरि सहाय लॉ कॉलेज, ताल कंदला (नरही) में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ रविवार, 08 मार्च 2026 को महाविद्यालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद सरस्वती वंदना, स्वागत गीत और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के एनएसएस समन्वयक प्रो. सत्यपाल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पंडित हरि सहाय पीजी कॉलेज, जैती-बेलघाट के प्राचार्य डॉ. सर्वेश कुमार द्विवेदी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सतीश

चंद उपाध्याय ने की। मुख्य अतिथि प्रो. सत्यपाल सिंह ने कहा कि एनएसएस युवाओं के व्यक्तित्व विकास का एक सशक्त मंच है। इसके माध्यम से छात्र-छात्राओं में समाज के प्रति संवेदनशीलता और सेवा की भावना विकसित होती है। विशिष्ट अतिथि डॉ. सर्वेश कुमार द्विवेदी ने एनएसएस के इतिहास और महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गांधी जयंती के जन्म शताब्दी वर्ष 1969 में राष्ट्रीय सेवा योजना की औपचारिक शुरुआत हुई थी। उन्होंने कहा कि एनएसएस के लोगो में ओडिशा के प्रसिद्ध कोणार्क सूर्य मंदिर (ब्लैक पैगोडा) के विशाल रथ चक्र का उपयोग किया गया है, जो निरंतरता, प्रगति और समय के साथ बदलाव का प्रतीक है। इस चक्र की आठ तीलियां स्वयंसेवकों को 24 घंटे राष्ट्र सेवा के लिए तत्पर रहने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करना है। इसका आदर्श वाक्य "मैं नहीं, बल्कि आप" है। अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य डॉ. सतीश चंद उपाध्याय ने कहा कि एनएसएस युवाओं में सेवा, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके जरिए छात्र-छात्राओं को समाज के बीच जाकर कार्य करने और समस्याओं को समझने का अवसर मिलता है। ऐसे शिविर युवाओं में नेतृत्व क्षमता और सहयोग की भावना भी मजबूत होती है। कार्यक्रम अधिकारी शैलेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि सात दिवसीय विशेष शिविर का मुख्य उद्देश्य स्वयंसेवकों में सेवा भावना, सामाजिक जागरूकता और नेतृत्व क्षमता का विकास करना है, जिससे वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से समझ सकें। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की प्रवक्ता चंदा यादव ने किया। इस अवसर पर कॉलेज के प्रवक्ता केशव शुक्ल, राहुल यादव, अनुपम सिंह, सुधाकर पांडेय, प्रगति यादव, जावेद अनवर सहित अन्य शिक्षक, स्वयंसेवक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शिव धाम मोहगांव में 26 अप्रैल को शिव शक्ति महायज्ञ का आयोजन - स्वामी स्वदेशानंद

नई सोच एक्सप्रेस

अंतर्राष्ट्रीय सन्त बौद्धिक मंच के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी स्वदेशानंद ब्रह्म गिरि महाराज की प्रमुख उपस्थिति में बिरसा ब्लॉक के मोहगांव शिव धाम में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विशेष रूप से बाकीगुड़ा माता मन्दिर के महंत श्री लेखराम माड़वी महाराज, समाज सेवी सी . एन. झा, सेवा निवृत्त नगर निरीक्षक गंगा सिंह मरावी, पण्डित निरंजन शर्मा, अधिवक्ता संतोष ब्रह्मे, वरिष्ठ पत्रकार सुभाष देशराज, समाज सेवी जयपाल ब्रह्मे, स्मार्ट सिंग, आदि अन्य समाजसेवी उपस्थित रहे। बैठक में 26 अप्रैल 2026 दिन शनिवार को प्रातः काल से सूर्यास्त तक शिव शक्ति महायज्ञ किया जायेगा। बैठक में शिव धाम समिति का गठन किया गया जिसमें सर्व सम्मति से स्वामी स्वदेशानंद ब्रह्म गिरि महाराज अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय सन्त बौद्धिक मंच को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सी. एन. झा, उपाध्यक्ष महंत लेखराम मरावी महाराज, उपाध्यक्ष गंगा सिंह मरावी, महामंत्री पण्डित निरंजन शर्मा, सचिव सुभाष देशराज, सह सचिव जयपाल ब्रह्मे, कोषाध्यक्ष अधिवक्ता संतोष ब्रह्मे, सदस्य राजाराम फुदे, को बनाया गया है। इनके नेतृत्व मोहगांव शिव धाम में शिव शक्ति महायज्ञ किया जायेगा।

तृतीय ग्लोबल विदुषी द्विदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2026 आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

पटना/लखनऊ।विदुषी समूह ग्लोबल संस्कृत फोरम, संस्कृत विभाग और प्राकृत भाषा लखनऊ, नवयुग कन्या महाविद्यालय, लखनऊ, महिला विद्यालय डिग्री कॉलेज, लखनऊ, सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय लखनऊ एवं नारी शिक्षा निकेतन पीजी कॉलेज, लखनऊ शिक्षण संस्थाओं के संयुक्त तत्वाधान में तृतीय ग्लोबल विदुषी द्विदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2026 का आयोजन लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय भवन के सभागार में किया गया। 7 मार्च एवं 8 मार्च को ऑफलाइन मोड में आयोजित इस सम्मेलन का विषय "शक्ति अपनी पूर्ण कला में स्फुरित" रहा। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन के द्वारा किया गया। बीज वक्ता के रूप में प्रो मनु लता शर्मा, सारस्वत अतिथि के रूप में संस्कृत के मूर्धन्य विद्वान प्रो हरि दत्त शर्मा, प्रो आशु रानी विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो हरप्रीत कौर, प्रो रचना दुबे, प्रो रश्मि बिश्नोई, प्रो धर्म कौर, मुख्य अतिथि के रूप में प्रो

मनोज दीक्षित जैसे महनीय विद्वानों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने अपने उद्बोधन में नारी के महत्व और विशेषताओं पर प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन डॉ राजेश कुमार मिश्र महासचिव ग्लोबल संस्कृत फोरम के द्वारा किया गया। इस अवसर पर मगध विश्वविद्यालय बोधगया के संस्कृत विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. एकता वर्मा को "याज्ञसेनी राष्ट्रीय पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। साथ ही सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के उपरांत आयोजित तकनीकी सत्र में डॉ. एकता वर्मा ने आमंत्रित वक्ता के रूप में अपना विचार प्रस्तुत करते हुए आधुनिक संस्कृत साहित्य

» मगध विश्वविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका डॉ. एकता वर्मा सम्मानित

की प्रख्यात कवयित्री पंडिता क्षमता राव के साहित्यिक अवदान पर विद्वत्तापूर्ण व्याख्यान दिया। अपने वक्तव्य में उन्होंने पंडिता क्षमा देवी राव के काव्य की प्रमुख विशेषताओं, संस्कृत साहित्य में उनके रचनात्मक योगदान तथा आधुनिक संस्कृत काव्यधारा में उनके विशिष्ट स्थान को उदाहरणों सहित स्पष्ट किया। डॉ. वर्मा के इस विचारोत्तेजक व्याख्यान को विद्वानों और श्रोताओं द्वारा अत्यंत सराहा गया।

महिला दिवस का आयोजन पीएम श्री स्कूल नवोदय विद्यालय हाथीजन अहमदाबाद, गुजरात में

नई सोच एक्सप्रेस

गुजरात।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन पीएम श्री स्कूल नवोदय विद्यालय हाथीजन में किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती वंदना के साथ किया गया ।इस मौके पर प्राचार्य श्री रवींद्र कुमार दीक्षित प्ने कहा की अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सिर्फ एक दिन ही नहीं बल्कि हर दिन मानना चाहिए।नारी शक्ति ,समानता और सशक्तिकरण का प्रतीक है महिलाओं की उपलब्धियां पूरे विश्व में पुरुषों से कम नहीं है आज विश्व में महिलाएं पुरुषों की बराबर योगदान दे रही है। हमारे भारतवर्ष में महिलाओं ने जो उत्कृष्ट कार्य किए हैं वह पूरे विश्व के लिए प्रेरणादायक है । आज जरूरत है कि हम पुरानी रूढ़ियों को तोड़कर अपनी बेटियों को आगे बढ़ाएं आज शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता, एकता और सुरक्षा महिलाओं के सशक्तिकरण के मुख्य स्तंभ हैं, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर हमें अपने देश की महिलाओं को नमन करते हुए विश्व की रचना

» महिलाओं का सम्मान केवल एक दिन नहीं , अपितु हर दिन होना चाहिए
» रवींद्र दीक्षित,प्राचार्य पीएम श्री स्कूल नवोदय विद्यालय हाथीजन अहमदाबाद
» महिला दिवस सशक्तिकरण व सामानता का पर्व है

करने के लिए उन्हें नमन करना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक एवं दिवस प्रभारी श्री मंगल मुखी वरिष्ठ शिक्षक ने कहा की आज किसी भी क्षेत्र में महिला पुरुषों से पीछे नहीं है बल्कि आज देश की महिला शिक्षा , विज्ञान व देश की रक्षा व्यवस्था आदि जैसे प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इस मौके पर श्री कमल चंद मीणा ,श्री राजेश कुमावत, श्रीमती अनीता डबराल, श्रीमती मयूरी राठौड़, सुश्री कुसुम ,श्रीमती सरोज बेन ,श्रीमती चम्पा बेन विद्यालय छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का संचालन छात्र दृष्टि ने किया

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस : एम्स पटना में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकथाम कार्यशाला आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से एक दिन पहले, एम्स पटना की आंतरिक शिकायत समिति (ICC) द्वारा "कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम" विषय पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य कार्यस्थल की सुरक्षा, लैंगिक संवेदनशीलता तथा सम्मानजनक, समावेशी और गरिमामय कार्य वातावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। यह कार्यक्रम कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिग.) डॉ. राजू अग्रवाल की अनुमति और मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आंतरिक शिकायत समिति की अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) प्रितांजली सिंह

के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करने में जागरूकता और सामूहिक जिम्मेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे, जिनमें प्रो. डॉ. उमेश भदानी (प्रभारी कार्यकारी निदेशक, एम्स पटना), डॉ. संजय पांडेय (प्रभारी डीन अकादमिक एवं डीन रिसर्च), डॉ. अमित राज (प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक), डॉ. रथीश नायर (प्राचार्य, कॉलेज ऑफ नर्सिंग), सुश्री अंजू तालुकदार (रिसोर्स फैकल्टी एवं "द राइट्स मिशन" की संस्थापक ट्रस्टी) तथा शिंदू देव (आईसीसी सदस्य) शामिल थे। इंटरैक्टिव सत्र के दौरान वक्ताओं ने "कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, निषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013" यानी पॉश (POSH) अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी। इस दौरान अनुचित व्यवहार की पहचान, शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया तथा संस्थागत स्तर पर शिकायतों के प्रभावी और संवेदनशील समाधान पर चर्चा की गई। इस अवसर पर डॉ. प्रितांजली सिंह ने संस्थान की ओर से सुरक्षित, सम्मानजनक और उत्पीड़न-मुक्त कार्यस्थल बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। वक्ताओं ने कहा कि सुरक्षित और सहयोगपूर्ण कार्य वातावरण गरिमा, समानता और बेहतर कार्यक्षमता के लिए आवश्यक है। कार्यशाला में संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने चर्चा में सक्रिय भागीदारी करते हुए सुरक्षित और सम्मानजनक कार्य संस्कृति बनाने के अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का समापन आईसीसी सदस्य प्रो. डॉ. मुक्ता अग्रवाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने वक्ताओं, आयोजन टीम और सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इस प्रकार की पहलें कार्यस्थल पर जागरूकता बढ़ाने, लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करने तथा सम्मान और गरिमा की संस्कृति को मजबूत करने के लिए एम्स पटना की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

महिलाओं की भागीदारी से ही मजबूत होगा समाजः- कुमारी खुशबू रानी

नई सोच एक्सप्रेस

मसौढ़ी।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जदयू नेत्री कुमारी खुशबू रानी ने महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि 8 मार्च का दिन महिलाओं के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण को और मजबूत करने का संकल्प लेने का दिन है।उन्होंने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। शिक्षा, राजनीति, प्रशासन, खेल और सामाजिक कार्यों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी देश और समाज के लिए गर्व की बात है। कुमारी खुशबू रानी ने कहा कि एक सशक्त महिला ही सशक्त परिवार, सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र की नींव रखती है। उन्होंने महिलाओं से अपील करते हुए कहा कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और समाज के विकास

में सक्रिय भूमिका निभाएं।उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता पर विशेष ध्यान देना आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। सरकार और समाज दोनों को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा, जहां हर महिला सम्मान और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सके।अंत में उन्होंने सभी महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाओं की शक्ति ही समाज की असली ताकत

न्यायिक उत्तर ढूंढना आलसी नजरिया

बदले राजनीतिक माहौल में अदालतें न्यायिक सक्रियता दिखाने में खुद को असमर्थ पा रही हैं, तो समाज का एक हिस्सा इसे दायित्व निर्वहन से मुंह मोड़ना मानेगा। बहरहाल, संदेश यही है कि राजनीतिक प्रश्नों का न्यायिक उत्तर ढूंढना आलसी नजरिया है। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्य कांत ने स्वीकार किया है कि कथित गौ-रक्षकों की अवैध गतिविधियों और भीड़ की हिंसा को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में जो 'सामान्य दिशा-निर्देश जारी किए, उनकी निगरानी कोर्ट के लिए संभव नहीं रह गई है। तब सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों को दिशा-निर्देश दिए थे। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश जस्टिस दीपक मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा था कि नस्ल, जाति, वर्ग या धर्म का बिना ख्याल किए सभी नागरिकों की ऐसे अपराधों से रक्षा करना सरकार का दायित्व है। बेंच ने ऐसी घटनाओं को रोकने, पीड़ितों से इंसाफ और मुजरिमों को दंडित करने के लिए कई उपाय तय किए। सरकारों से कहा गया कि इन उपायों पर अमल कर वे सुप्रीम कोर्ट में अनुपालना रिपोर्ट पेश करें। जाहिर है, ऐसा नहीं हुआ। उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद उस तरह की घटनाएं जारी रहीं। उनका ही जिक्र करते हुए पिछले साल सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल हुई, जिसमें संबंधित अधिकारियों पर अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की गुजारिश की गई। तभी कोर्ट ने कहा था कि विभिन्न स्थलों और विभिन्न राज्यों में हुई मॉब लिंचिंग एवं हिंसा की 'सूक्ष्म निगरानी करना उसके लिए संभव नहीं है। यही बात जस्टिस सूर्य कांत दोहराई है। कहा है कि अदालत को ऐसे मामलों में 'सामान्य दिशा-निर्देश देने के बजाय हर मामले पर अलग सुनवाई करनी चाहिए। इस तरह चीफ जस्टिस ने अदालती दायरे की पुनर्व्याख्या की है। संवैधानिक नजरिए से इसमें खोट नहीं निकाली जा सकती। मगर अतीत में खुद न्यायालयों ने स्वतः संज्ञान के जरिए संवैधानिक भावना की रक्षा की भूमिका अपनाई थी। इसे 'न्यायिक सक्रियता कहा गया। मगर बदले राजनीतिक माहौल में अदालतें इस भूमिका को अपनाए रखने में खुद को असमर्थ पा रही हैं, तो नागरिक समाज का एक हिस्सा इसे दायित्व निर्वहन से न्यायपालिका के मुंह मोड़ने के रूप में देखेगा।

नए विश्व की आवश्यकता : संघर्ष नहीं, शांति का संवाद

आरती कुमारी

नई बनती दुनिया का चेहरा जितनी तेजी से बदल रहा है, उतनी ही तेजी से वैश्विक असुरक्षा की भावना भी गहराती जा रही है। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता टकराव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं है, बल्कि वह एक ऐसे वैश्विक असंतुलन का संकेत है जिसमें शक्ति संतुलन की पुरानी व्यवस्थाएं टूट रही हैं और नई विश्व-व्यवस्था अभी स्थिर रूप नहीं ले सकी है। जब महाशक्तियां प्रत्यक्ष या परोक्ष युद्ध में उतरती हैं, तब उसका प्रभाव सीमाओं से परे जाकर समूची मानवता को प्रभावित करता है। ऊर्जा बाजार, आपूर्ति श्रृंखलाएं, मुद्रा विनिमय दरें, शेयर बाजार, खाद्य सुरक्षा, शांतिपूर्ण मानव जीवन और कूटनीतिक समीकरण- सब कुछ अनिश्चितता के घेरे में आ जाता है। मध्यपूर्व में किसी भी बड़े युद्ध का पहला असर तेल आपूर्ति पर पड़ता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाली वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति यदि बाधित होती है तो तेल की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। भारत जैसे ऊर्जा-आयातक देश के लिए यह स्थिति दोहरी चुनौती लेकर आती है-एक ओर आयात बिल बढ़ता है, दूसरी ओर महंगाई और राजकोषीय दबाव में वृद्धि होती है। यदि कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं तो परिवहन, उर्वरक, बिजली और विनिर्माण लागत में वृद्धि अनिवार्य है, जिसका सीधा असर आम नागरिक की जेब पर पड़ता है। वैश्विक वित्तीय बाजार पहले ही अनिश्चितता से जूझ रहे हैं, ऐसे में लंबा खिंचता युद्ध निवेश और विकास की गति को भी धीमा कर सकता है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव केवल दो देशों का संघर्ष नहीं, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था की परीक्षा है। ऐसे समय में युद्ध को तेज करने के बजाय उसे रोकने की कोशिशों को और अधिक गति देने की आवश्यकता है। दोनों पक्षों से परिपक्वता और संयम की अपेक्षा है, विशेषकर अमेरिका से, जो स्वयं को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में देखता है और जिसे शक्ति के साथ-साथ जिम्मेदारी का भी परिचय देना चाहिए। एक तेल उत्पादक देश के रूप में ईरान का अस्तित्व और स्थिरता विश्व अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है; वहां की अस्थिरता ऊर्जा बाजार से लेकर विकासशील देशों की वित्तीय संरचना तक को प्रभावित कर सकती है। हालिया हमलों में सैकड़ों लोगों के मारे जाने, हजारों के घायल होने और बड़ी संख्या में लोगों के फंसे होने की खबरें मानवता के लिए गहरी चिंता का विषय हैं। ईरान में शीर्ष नेतृत्व पर हमलों और उसके बाद तेहरान आदि मुस्लिम देशों की तीखी प्रतिक्रियाओं ने पश्चिम एशिया के हालात को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा; इसका प्रभाव दक्षिण एशिया की भू-राजनीति, समुद्री मार्गों की सुरक्षा, वैश्विक कूटनीतिक संतुलन और विश्व अर्थव्यवस्था पर दूरगामी होगा। युद्ध आर्थिक संकट ही नहीं लाता, वह सामाजिक ताने-बाने को तोड़ता है, सांस्कृतिक संवाद को बाधित करता है और राष्ट्रों के बीच अविश्वास की दीवारें ऊंची करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि बदलती दुनिया में सह-अस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की भावना को पुनर्जीवित किया जाए। शक्ति प्रदर्शन के स्थान पर समझदारी, प्रतिशोध के स्थान पर कूटनीति और वर्चस्व के स्थान पर साझी जिम्मेदारी-इन्हीं मूल्यों से विश्व को स्थिरता मिल सकती है। यह संघर्ष केवल आर्थिक नहीं, बल्कि वैचारिक और भू-राजनीतिक भी है। यूक्रेन संकट के बाद विश्व पहले ही ध्रुवीकरण की दिशा में बढ़ चुका था। अब यदि पश्चिम एशिया में स्थायी अस्थिरता पैदा होती है तो वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए संतुलन साधना कठिन हो जाएगा। भारत एक ओर अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ा रहा है, तो दूसरी ओर ईरान के साथ उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और ऊर्जा संबंध भी रहे हैं। इसके साथ ही इजरायल के साथ रक्षा और तकनीकी सहयोग भी मजबूत हुआ है। ऐसे में किसी एक पक्ष के साथ खुलकर खड़े होना भारत की बहुस्तरीय विदेश नीति के लिए जटिल प्रश्न बन सकता है। भारत की विशेष चिंता यह भी है कि मध्यपूर्व में लगभग 90 लाख भारतीय कार्यरत हैं। यदि युद्ध की आग फैलती है तो न केवल उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ेगी, बल्कि भारत को मिलने वाली अरबों डॉलर की प्रेषण राशि पर भी प्रभाव पड़ेगा। इसके अतिरिक्त, लाल सागर और खाड़ी क्षेत्र में समुद्री मार्गों पर तनाव बढ़ने से व्यापारिक शिपमेंट महंगे हो सकते हैं। यह परिस्थिति भारत के विकास पथ पर दबाव डाल सकती है, जो अभी विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है। ऐसे समय में भारत की भूमिका केवल एक प्रभावित राष्ट्र की नहीं, बल्कि एक संभावित मध्यस्थ और संतुलनकर्ता की भी हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्षों में बहुध्रुवीय कूटनीति की जो नीति अपनाई है, वह इसी प्रकार की जटिल परिस्थितियों में उपयोगी सिद्ध हो सकती है। भारत ने एक ओर अमेरिका के साथ सामरिक साझेदारी को सुदृढ़ किया है, वहीं रूस से ऊर्जा सहयोग बनाए रखा है और पश्चिम एशिया के देशों के साथ भी संतुलित संबंध कायम रखे हैं। यह 'रणनीतिक स्वायत्तता' की नीति भारत को किसी एक खेमे में बंधने से बचाती है। भारत का यह दृष्टिकोण उसे संवाद और शांति प्रयासों के लिए विश्वसनीय मंच प्रदान कर सकता है। भारत इस समय ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, जिसमें ईरान भी सदस्य बन चुका है। यह मंच वैश्विक दक्षिण की आवाज को सशक्त करने का अवसर देता है। यदि भारत इस मंच के माध्यम से युद्धविराम, संवाद और बहुपक्षीय समाधान की पहल करता है, तो वह न केवल अपनी कूटनीतिक विश्वसनीयता बढ़ा सकता है, बल्कि वैश्विक स्थिरता में भी योगदान दे सकता है। संयुक्त राष्ट्र की निष्क्रियता या सीमित प्रभाव के बीच मध्यम शक्तियों की भूमिका बढ़ना स्वाभाविक है। भारत, जो स्वयं उपनिवेशवाद और शीत युद्ध की राजनीति से सीख लेकर उभरा है, शांति-आधारित बहुपक्षवाद का पक्षधर बन सकता है। दूसरी ओर, दक्षिण एशिया में भी चुनौतियां कम नहीं हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और आंतरिक अस्थिरता का प्रभाव भारत की सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन पर पड़ सकता है। यदि पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ती है और साथ ही दक्षिण एशिया में भी उथल-पुथल होती है, तो भारत को दो मोर्चों पर रणनीतिक सतर्कता रखनी होगी। आतंकवाद, कट्टरता और अवैध हथियारों का प्रसार ऐसे वातावरण में बढ़ सकता है। अतः भारत के लिए यह समय केवल आर्थिक प्रबंधन का नहीं, बल्कि सुरक्षा और कूटनीतिक संयम का भी है। समाधान क्या हो सकता है? प्रथम, युद्धविराम और संवाद की बहुपक्षीय पहल को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। वैश्विक शक्तियों को यह समझना होगा कि स्थायी शांति केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि राजनीतिक समझौते और पारस्परिक सम्मान से आती है। द्वितीय, ऊर्जा आपूर्ति के वैकल्पिक स्रोतों और नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश को तेज करना होगा, ताकि तेल-निर्भरता कम हो और भू-राजनीतिक संकटों का असर सीमित किया जा सके। तृतीय, वैश्विक संस्थाओं का पुनर्गठन आवश्यक है, ताकि वे केवल महाशक्तियों के प्रभाव का साधन न बनकर न्यायपूर्ण और प्रभावी मंच बन सकें। चतुर्थ, क्षेत्रीय संवाद मंचों-जैसे ब्रिक्स, जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। भारत के लिए भी यह अवसर है कि वह 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की अपनी परंपरा को व्यवहार में उतारे। शांति, सहअस्तित्व और संवाद का संदेश केवल भाषणों तक सीमित न रहकर ठोस कूटनीतिक पहलों में दिखना चाहिए। यदि भारत ऊर्जा विविधीकरण, रक्षा आत्मनिर्भरता, डिजिटल और हरित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाता है, तो वह वैश्विक संकटों के बीच भी स्थिरता बनाए रख सकता है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की सक्रियता-चाहे वह बहुपक्षीय मंचों पर भागीदारी हो या क्षेत्रीय देशों के साथ प्रत्यक्ष संवाद-भारत की अस्मिता और हितों की रक्षा के प्रयास का संकेत देती है। निश्चित तौर पर युद्ध किसी भी देश के लिए स्थायी लाभ का माध्यम नहीं बन सकता। इतिहास गवाह है कि शक्ति-प्रदर्शन से अस्थायी विजय मिल सकती है, किंतु स्थायी शांति केवल न्याय, संवाद और सहयोग से ही आती है। नई बनती दुनिया को यदि स्थिर और मानवीय बनाना है, तो उसे हथियारों की दौड़ से आगे बढ़कर सहअस्तित्व की संस्कृति अपनानी होगी। भारत, जो स्वयं विविधता और सहिष्णुता का प्रतीक है, इस परिवर्तन का अग्रदूत बन सकता है। चुनौती बड़ी है, किंतु अवसर भी उतना ही व्यापक है-शर्त यह है कि विश्व नेतृत्व युद्ध की भाषा छोड़कर शांति की भाषा सीखे और भारत अपने संतुलित, स्वायत्त और दूरदर्शी दृष्टिकोण से इस वैश्विक उथल-पुथल में स्थिरता का स्तंभ बने।

शांत जीवन से सार्वजनिक जीवन की ओर - जदयू में शामिल हुए निशांत कुमार

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

जनता दल (यूनाइटेड) में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम के तहत निशांत कुमार ने पार्टी की औपचारिक सदस्यता ग्रहण कर ली। इस मौके पर पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। लंबे समय से राजनीति से दूर रहे निशांत कुमार के इस कदम को बिहार की राजनीति में एक नई शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे और उन्होंने तालियों और नारों के साथ उनका स्वागत किया। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने निशांत कुमार को विधिवत रूप से पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान उन्होंने कहा कि निशांत कुमार का पार्टी में आना संगठन को और मजबूत करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि युवा सोच और नई ऊर्जा के साथ निशांत कुमार पार्टी की नीतियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस कार्यक्रम में जदयू के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। इनमें राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह समेत पार्टी के कई प्रमुख पदाधिकारी शामिल थे। सभी नेताओं ने निशांत कुमार का स्वागत करते हुए कहा कि उनका अनुभव और दृष्टि पार्टी को नई दिशा देने में मदद करेगी। निशांत कुमार के जदयू में शामिल होने के बाद बिहार के राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। इसे आने वाले समय में पार्टी की रणनीति और नेतृत्व के लिहाज से एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भारतीय राजनीति में कई ऐसे चेहरे रहे हैं जो वर्षों तक पर्दे के पीछे रहते हैं और अचानक सार्वजनिक जीवन में सक्रिय होकर चर्चा का विषय बन जाते हैं। बिहार की राजनीति में भी एक ऐसा ही नाम धीरे-धीरे सामने आया है "निशांत कुमार"। लंबे समय तक उन्होंने खुद को राजनीति, मीडिया और सार्वजनिक गतिविधियों से दूर रखा। उनकी पहचान एक ऐसे व्यक्ति की रही है जो सादगी, अध्यात्म और निजी जीवन को प्राथमिकता देता है। लेकिन अब परिस्थितियाँ बदल रही हैं। सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले निशांत कुमार के बारे में यह कहा जाने लगा है कि वे "सॉफ्टवेयर इंजीनियर" से आगे बढ़कर अब "सोशल इंजीनियरिंग" की दिशा में कदम रख सकते हैं। यह शब्द केवल तकनीकी बदलाव नहीं बल्कि सामाजिक और राजनीतिक भूमिका की ओर संकेत था। निशांत कुमार का जन्म 20 जुलाई 1975 को हुआ। उनका जन्म ऐसे परिवार में हुआ जो बिहार की सामाजिक और राजनीतिक दुनिया में लंबे समय से सक्रिय रहा है। परिवार का वातावरण राजनीतिक होने के बावजूद निशांत कुमार ने अपने जीवन का अधिकांश हिस्सा निजी और शांत वातावरण में बिताया। उनकी परवरिश ऐसे माहौल में हुई जहाँ शिक्षा, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी को काफी महत्व दिया जाता था। परिवार की पहचान भले ही सार्वजनिक जीवन से जुड़ी रही हो, लेकिन निशांत कुमार ने हमेशा खुद को एक साधारण नागरिक की तरह ही प्रस्तुत किया। परिवार में उन्हें बचपन से ही सादगी और संयम का पाठ पढ़ाया गया। यही कारण है कि जीवन के शुरुआती वर्षों से ही उनमें दिखावे से दूरी और सरलता की झलक दिखाई देती है। निशांत कुमार की प्रारंभिक शिक्षा पटना के प्रसिद्ध स्कूल सेंट कैरेंस स्कूल में हुई। यह स्कूल बिहार के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में गिना जाता है और यहाँ पढ़ने वाले छात्रों को आधुनिक शिक्षा के साथ अनुशासन और नैतिक मूल्यों की भी सीख दी जाती है। इसके बाद उन्होंने केंद्रीय विद्यालय में भी पढ़ाई की। केंद्रीय विद्यालयों का शिक्षा मॉडल पूरे देश में एक समान पाठ्यक्रम और गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। यहाँ पढ़ाई करने से छात्रों में राष्ट्रीय दृष्टिकोण और विविधता को समझने की क्षमता विकसित होती है। इन दोनों संस्थानों में पढ़ाई के दौरान निशांत कुमार एक शांत और पढ़ाई में रुचि रखने वाले छात्र माने जाते थे। वे बहुत ज्यादा सामाजिक गतिविधियों में भाग नहीं लेते थे, लेकिन अपने अध्ययन और व्यक्तिगत रुचियों में गहराई से लगे रहते थे। 12वीं की पढ़ाई के लिए निशांत को मसूरी के मानव भारती इंडिया इंटरनेशनल स्कूल भेजा गया। यह स्कूल अपने आवासीय वातावरण और आधुनिक शिक्षण पद्धति के लिए जाना जाता है। मसूरी का शांत और प्राकृतिक वातावरण छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ आत्मविकास का अवसर देता है। यहाँ रहकर निशांत कुमार ने न केवल अपनी शैक्षणिक योग्यता को विकसित किया बल्कि आत्मनिर्भरता भी सीखी। इस समय तक उनके व्यक्तित्व में एक खास बात स्पष्ट होने लगी थी कि वे भीड़ से अलग रहना पसंद करते थे और अपने विचारों और रुचियों को लेकर काफी गंभीर थे। स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद निशांत कुमार ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने का निर्णय लिया। इसके लिए उन्होंने बीआईटी मेसरा, रांची से सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। बीआईटी मेसरा देश के प्रमुख तकनीकी संस्थानों में गिना जाता है। यहाँ से पढ़ाई करने वाले छात्रों को तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ नवाचार और शोध की भी प्रेरणा मिलती है। सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में पढ़ाई करने से यह स्पष्ट था कि निशांत का झुकाव तकनीकी और बौद्धिक क्षेत्रों की ओर था। उस समय शायद ही किसी ने सोचा होगा कि भविष्य में उनका नाम सामाजिक और राजनीतिक चर्चाओं में भी आएगा। सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग केवल तकनीकी ज्ञान ही नहीं देती है बल्कि समस्याओं को व्यवस्थित तरीके से हल करने की क्षमता भी विकसित करती है। इस क्षेत्र की पढ़ाई से छात्रों में विश्लेषणात्मक सोच, तार्किक निर्णय क्षमता, जटिल समस्याओं को सरल तरीके से समझने की क्षमता, नई तकनीकों को सीखने की उत्सुकता, विकसित होते हैं और इन सभी गुणों का प्रभाव निशांत कुमार के व्यक्तित्व में भी देखा जा सकता है। वे हमेशा सोच-समझकर निर्णय लेने वाले व्यक्ति माने जाते हैं। हालाँकि उनका परिवार राजनीतिक रूप से काफी सक्रिय रहा है, लेकिन निशांत कुमार ने लंबे समय तक खुद को राजनीति से दूर रखा। वे न तो चुनावी सभाओं में दिखाई देते थे और न ही मीडिया में उनकी उपस्थिति होती थी। यही कारण है कि बिहार की जनता के लिए वे लंबे समय तक एक रहस्यमय व्यक्तित्व बने रहे। कई बार जब राजनीतिक कार्यक्रमों में परिवार के सदस्य मौजूद होते थे, तब भी निशांत कुमार शायद ही कहीं नजर आते थे। उनकी यह दूरी लोगों के बीच जिज्ञासा का विषय बनी रही। निशांत कुमार को हमेशा एक लो-प्रोफाइल व्यक्ति के रूप में जाना जाता है। वे न तो सार्वजनिक बयान देते हैं और न ही सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं। उनकी जीवनशैली साधारण और शांत मानी जाती है। इस प्रकार की जीवन शैली आज के समय में काफी दुर्लभ है, खासकर तब जब व्यक्ति का परिवार सार्वजनिक जीवन से जुड़ा हो। निशांत कुमार के जीवन की एक महत्वपूर्ण विशेषता उनका अध्यात्म में गहरा झुकाव है। कहा जाता है कि वे धार्मिक और आध्यात्मिक ग्रंथों को पढ़ने में काफी रुचि रखते हैं। अध्यात्म के प्रति उनकी रुचि का असर उनके व्यक्तित्व में भी दिखाई देता है। वे शांत स्वभाव के हैं और जीवन के प्रति उनका दृष्टिकोण संतुलित माना जाता है। निशांत कुमार अब तक अविवाहित हैं। भारतीय समाज में अक्सर परिवार और विवाह को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है, लेकिन निशांत कुमार ने अब तक शादी नहीं की है। इस निर्णय को लेकर कई तरह की चर्चाएँ होती रही हैं, लेकिन उन्होंने कभी इस विषय पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की। चुनावी हलफनामों और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, निशांत कुमार के पास लगभग 3.61 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति है। इस संपत्ति का अधिकांश हिस्सा उन्हें अपनी मां से विरासत में मिला है। इससे यह स्पष्ट होता है कि उनकी आर्थिक स्थिति स्थिर है और उन्होंने अपने जीवन को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाए रखा है।

मेष राशिः मेष राशि वालों आज आपका दिन धार्मिक आस्था और परोपकार के कार्यों में बीतेगा। किसी भी काम को करते समय अपना मन शांत रखें। इससे आपका काम आसानी से पूरा होगा। आज आप कोशिश करेंगे कि आपका व्यवहार सभी के प्रति अच्छा रहे तथा किसी की भावनाओं को भी ठेस न पहुंचे। पैसों से जुड़े बड़े फैसले आज आपको सोच समझकर लेने चाहिए।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज के दिन नई उर्जा से भरपूर रहेंगे। आपमें एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आज आपको काम को पूरा करने के लिये कड़ी मेहनत करनी होगी नहीं तो आपका काम अधूरा रह सकता है। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन सफलता दिलाने वाला होगा।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। व्यापार में आज आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। आज घर में माता पिता के सहयोग से आपका मनोबल बढ़ेगा। आपको पारिवारिक उलझनों से छुटकारा मिलेगा। आपका सही मार्गदर्शन घर के सभी सदस्यों के दिल में एक दूसरे के प्रति प्यार बढ़ा देगा।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आप अपने व्यवहार को निखारने की कोशिश करेंगे। आज कार्यभार अधिक होने के कारण ऑफिस में देर तक रुकना पड़ेगा। छात्रों को आज पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, जल्द ही सफलता मिलने के योग बने हुये है। इस राशि के अकाउंटेंट के लिए आज का दिन व्यस्तता भरा रहेगा।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन रहने वाला है। आज आपकी कार्य योजनाओं से लोग जल्द ही सहमत होगें। आज आपके पारिवारिक रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी, सभी लोग हंसी खुशी रहेंगे। फैमिली की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खर्च और खरीदारी करते समय संतुलन बनाकर चलना होगा। आज अनावश्यक खर्च पर नियंत्रण आपके भविष्य में आर्थिक मददगार सिद्ध होगा।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन घूमने फिरने में अधिक बीतेगा। परिवार वालों की सलाह आपके लिए कारगर सिद्ध हो सकती। आज आप ऑफिस में किसी रुके हुए काम को सहकर्मियों की मदद से समय पर पूर्ण कर लेंगे, इससे आपका आत्मविश्वास और सीनियर्स आपसे प्रभावित होंगे।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। कॉन्ट्रैक्टर्स को अच्छा खासा धनलाभ हो सकता है, यह आपके लिए आने वाले समय में बहुत फायदेमंद रहेगा। इस राशि के चिकित्सा क्षेत्र या डॉक्टर्स के लिए आज दिन काफी लकी साबित होगा उन्हें बड़ी उपलब्धि मिल सकती है। बड़ों का सहयोग आपके करियर को आगे बढ़ाने में मदद करेंगे।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज इष्ट मित्र आपसे मिलने आपके घर आ सकता है जिसे सामने देखकर आपको यकीन नहीं होगा, मित्र से कुछ निजी समस्याओं पर बात करके आपको हल्का महसूस होगा। आज संतान पक्ष की सफलता से आपको बहुत सुकून मिलेगा, पारिवारिक वातावरण खुशनुमा हो जायेगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आपका धन कहा खर्च हो रहा है इस पर आपको नजर बनाये रखने की जरूरत है नहीं, तो भविष्य में आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। अभिभावक अपने बच्चों पर परीक्षा की तैयारी संबंधी दबाव न बनाये, उन्हें सहज महसूस करवाए जिससे उनकी क्षमता प्रभावित न हो।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियाँ लेकर आया है। आप परिवारवालों के साथ ज्यादा वक्त बिताएंगे। आज आपके लिए फैसला करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। ऑफिस में काम ज्यादा होने के कारण जीवनसाथी के साथ कहीं जाने का प्लान कैंसिल करना पड़ सकता है। क

कुंभ राशिः आपका दिन शानदार रहने वाला है। आप किसी रिश्तेदार से मिलने उनके घर भी आज जा सकते हैं। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद ख़ास रहने वाला है। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है। कम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्र पढाई को लेकर नयी योजनायें बनायेंगे।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। धार्मिक कार्यों के प्रति आस्था व विश्वास से आगे बढ़ेंगे। अगर आज आप अपने कामों में जल्दबाजी दिखाने से बचेंगे तो आगे आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। आपको परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ेंगी, जो कि आप अच्छे से संभाल लेंगे। साथ काम करने वाले लोगों से आपको मदद मिलेगी। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज का दिन बढ़िया है। साथ ही आज का दिन कम मेहनत में ज्यादा फल दिलाने वाला रहेगा।

बिहार—बंगाल सीमांत की बदलती राजनीति : प्रशासनिक पुनर्संरचना, राज्यपाल नियुक्तियाँ और राष्ट्रीय रणनीति का व्यापक अर्थ

आचार्य अशोक चौधरी प्रियदर्शी
कटिहार, बिहार

भारतीय लोकतंत्र की राजनीति में कई बार ऐसी घटनाएँ एक साथ घटित होती हैं जिनका तात्कालिक अर्थ स्पष्ट दिखाई नहीं देता, किंतु समय के साथ उनका राजनीतिक महत्व समझ में आने लगता है। प्रशासनिक नियुक्तियाँ, राज्यपालों का स्थानांतरण, मुख्यमंत्री स्तर पर संभावित राजनीतिक परिवर्तन और सीमावर्ती क्षेत्रों में केंद्रीय नेतृत्व की सक्रियता—ये सभी घटनाएँ मिलकर अक्सर एक बड़े राजनीतिक विमर्श को जन्म देती हैं। हाल के दिनों में बिहार, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर भारत से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण घटनाएँ इसी प्रकार की चर्चा का विषय बनी हुई हैं। इन घटनाओं के केंद्र में बिहार की राजनीति, पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती जिलों की रणनीतिक स्थिति और केंद्र सरकार की प्रशासनिक नियुक्तियाँ हैं। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों और राजनीतिक पर्यवेक्षकों के बीच यह चर्चा भी सामने आई है कि बिहार और पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों को लेकर भविष्य में किसी प्रकार की प्रशासनिक पुनर्संरचना या विशेष व्यवस्था पर विचार हो सकता है। हालाँकि अभी तक इस प्रकार की किसी योजना की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन जिन घटनाओं का क्रम सामने आया है उसने राजनीतिक बहस को अवश्य जन्म दिया है।

हाल की राजनीतिक घटनाएँ और उनका संदर्भ- सबसे पहले उन घटनाओं को समझना आवश्यक है जिनके कारण यह चर्चा प्रारंभ हुई। हाल के समय में राज्यपालों की नियुक्तियों और स्थानांतरण से संबंधित आदेश जारी हुए हैं, जिन्होंने राजनीतिक हलकों का ध्यान आकर्षित किया है। तमिलनाडु के राज्यपाल रहे आर. एन. रवि (आर. नागेश्वरन रवि) का स्थानांतरण और नई भूमिका को लेकर व्यापक चर्चा हुई। आर. एन. रवि लंबे समय तक राष्ट्रीय सुरक्षा और खुफिया मामलों से जुड़े रहे हैं और उन्हें सुरक्षा तथा रणनीतिक मामलों का गहरा अनुभव रखने वाले व्यक्तित्व के रूप में जाना जाता है। इसलिए जब इस प्रकार के अनुभवी व्यक्ति की नियुक्ति या स्थानांतरण किसी संवेदनशील राज्य में होता है तो उसे केवल औपचारिक प्रशासनिक निर्णय के रूप में नहीं देखा जाता, बल्कि उसके व्यापक राजनीतिक और रणनीतिक संदर्भ भी खोजे जाते हैं। इसी क्रम में भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारी रहे लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन की राज्यपाल के रूप में नियुक्ति भी चर्चा का विषय बनी। सैयद अता हसनैन भारतीय सेना में उत्तरी कमान से जुड़े रहे हैं और सुरक्षा तथा सामरिक मामलों के विशेषज्ञ माने जाते हैं। उनका अनुभव विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों और सुरक्षा से जुड़े प्रशासनिक प्रश्नों में महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे व्यक्तियों की नियुक्ति जब किसी राज्य के संवैधानिक पद पर होती है तो कई विश्लेषक उसे प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण संकेत के रूप में देखते हैं। इसी समय बिहार की राजनीति में भी एक महत्वपूर्ण संभावना चर्चा में रही—मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने की प्रक्रिया। यदि यह राजनीतिक परिवर्तन होता है तो इसे बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जाएगा। नीतीश कुमार पिछले लगभग दो दशकों से बिहार की राजनीति के केंद्र में रहे हैं और उनके नेतृत्व में राज्य की प्रशासनिक दिशा और विकास नीतियों पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। ऐसे में उनका राष्ट्रीय राजनीति की ओर जाना केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं बल्कि राजनीतिक संरचना में परिवर्तन का संकेत भी माना जा सकता है।

सीमांचल क्षेत्र का भूगोल और राजनीतिक महत्व- इस पूरे विमर्श का केंद्र बिहार का सीमांचल क्षेत्र और पश्चिम बंगाल के कुछ सीमावर्ती जिले हैं। बिहार के किशनगंज, कटिहार, अररिया और पूर्णिया को सामान्यतः सीमांचल क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। यह क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से बिहार के पूर्वोत्तर हिस्से में स्थित है और पश्चिम बंगाल तथा उत्तर-पूर्व भारत से जुड़ा हुआ है। सीमांचल क्षेत्र ऐतिहासिक

रूप से व्यापार, सांस्कृतिक संपर्क और सामाजिक विविधता का क्षेत्र रहा है। यह इलाका बंगाल, बिहार और उत्तर-पूर्व भारत के बीच संपर्क का महत्वपूर्ण मार्ग भी माना जाता है। इसी कारण से प्रशासनिक दृष्टि से भी इसका महत्व विशेष है। पश्चिम बंगाल के मालदा, मुर्शिदाबाद और उत्तर दिनाजपुर जिले भी इसी भूगोल से जुड़े हुए हैं। ये जिले ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहे हैं। मुर्शिदाबाद कभी बंगाल की राजधानी रहा है और मालदा व्यापारिक गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध रहा है। इसके अतिरिक्त असम के धुबरी और बरपेटा जैसे जिलों का भी उल्लेख कई राजनीतिक विश्लेषणों में किया जाता है क्योंकि ये भी इसी भौगोलिक पट्टी से जुड़े हुए हैं। इन सभी जिलों की सामाजिक संरचना, जनसंख्या वितरण और सीमावर्ती स्थिति के कारण वे अक्सर राजनीतिक चर्चा का विषय बनते रहे हैं।

प्रशासनिक पुनर्संरचना की अवधारणा- भारत के संविधान में राज्यों की सीमाओं में परिवर्तन और नए राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों के गठन की व्यवस्था स्पष्ट रूप से दी गई है। संविधान के अनुच्छेद 3 के अंतर्गत संसद को राज्यों की सीमाओं में परिवर्तन करने, नए राज्य बनाने या किसी क्षेत्र को अलग प्रशासनिक इकाई में परिवर्तित करने का अधिकार प्राप्त है। हालाँकि यह प्रक्रिया अत्यंत विस्तृत और संवैधानिक होती है। इसके लिए संसद में विधेयक प्रस्तुत करना पड़ता है और सामान्यतः संबंधित राज्यों से भी राय ली जाती है। कई बार राजनीतिक सहमति और प्रशासनिक तैयारी भी आवश्यक होती है। भारत के इतिहास में समय-समय पर प्रशासनिक पुनर्गठन हुए हैं। 1956 में राज्यों का भाषाई आधार पर पुनर्गठन, बाद में झारखंड, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों का गठन तथा हाल के वर्षों में जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन—ये सभी उदाहरण दर्शाते हैं कि प्रशासनिक संरचना समय के साथ बदलती रहती है। इसलिए यदि भविष्य में किसी क्षेत्र को लेकर प्रशासनिक पुनर्संरचना की चर्चा होती है तो उसे व्यापक संवैधानिक और राजनीतिक प्रक्रिया के संदर्भ में ही समझना होगा।

सीमावर्ती क्षेत्रों का रणनीतिक महत्व- सीमावर्ती क्षेत्रों का महत्व केवल राजनीतिक नहीं बल्कि प्रशासनिक और रणनीतिक भी होता है। भारत जैसे विशाल देश में सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा, आर्थिक विकास और सामाजिक स्थिरता अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। पूर्वी भारत के सीमावर्ती क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं क्योंकि यहाँ अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ भी हैं और विभिन्न राज्यों के बीच संपर्क मार्ग भी। इसलिए प्रशासनिक व्यवस्था और सुरक्षा तंत्र को मजबूत बनाए रखना आवश्यक होता है। यही कारण है कि जब इन क्षेत्रों में प्रशासनिक नियुक्तियाँ या राजनीतिक गतिविधियाँ बढ़ती हैं तो वे चर्चा का विषय बन जाती हैं।

चुनावी राजनीति और जनसंख्या संरचना- राजनीतिक विश्लेषण में एक पहलू चुनावी गणित से भी जुड़ा होता है। सीमावर्ती जिलों की जनसंख्या संरचना और निर्वाचन क्षेत्र की स्थिति कई बार राजनीतिक दलों के लिए महत्वपूर्ण विषय बन जाती है। हालाँकि लोकतांत्रिक राजनीति केवल जनसंख्या संरचना पर आधारित नहीं होती। विकास, प्रशासनिक दक्षता, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय आकांक्षाएँ भी चुनावी निर्णयों को प्रभावित करती हैं। इसलिए किसी भी क्षेत्रीय पुनर्संरचना की चर्चा को केवल चुनावी दृष्टिकोण से समझना पर्याप्त नहीं होगा।

चुनौतियों के बीच खुद को स्थापित किया है महिलाओं ने : सुदेश महतो

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।सिल्ली स्टेडियम परिसर स्थित किसान भवन में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व उपमुख्यमंत्री सह आजसू प्रमुख सुदेश कुमार महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समारोह को संबोधित करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि महिलाओं ने तमाम चुनौतियों के बीच समाज में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। पहले महिलाएं घर की चौखट, घूंघट और पारिवारिक दायरे तक ही सीमित थीं, लेकिन आज वे पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर देश और प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि समस्या है, जिसे संतुलित करने आज महिलाएं कई क्षेत्रों में पुरुषों से आगे निकलकर अपनी क्षमता का परिचय दे रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि एक बालिका शिक्षित होती है तो उसका लाभ केवल उसके परिवार को ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को मिलता है। उन्होंने वर्तमान समय की चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि लिंगानुपात एक बड़ी के लिए समाज के हर व्यक्ति को आगे आना होगा। सुदेश महतो ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें राजनीति की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया गया है। साथ ही महिला समूहों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम किया गया है, जिसका सकारात्मक परिणाम आज देखने को मिल रहा है। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कई महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर रांची जिला परिषद उपाध्यक्ष वीणा चौधरी, गूंज परिवार के संयोजक जयपाल सिंह, चंचला देवी, भानु देवी, उर्मिला देवी, अनीता देवी, जयंती देवी, सुनना देवी, आरती देवी, सरिता कुमारी, ज्योति देवी, नीलमा देवी, उमा देवी, सुकरी देवी और आलोका देवी समेत बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं। अगर आप चाहें तो मैं इसे और ज्यादा अखबारी स्टाइल (इंट्रो + 2 कॉलम फॉर्मेट) में भी तैयार कर सकता हूँ, जैसा बड़े हिंदी अखबारों में छपता है।

अमेरिका के 'लाइसेंस' पर निर्भर भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर उठे सवाल : कांग्रेस नेता विजय शंकर नायक

नई सोच एक्सप्रेस

रांची/नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय शंकर नायक ने अमेरिकी ट्रेजरी विभाग द्वारा रूस से तेल खरीद को लेकर जारी 30-दिवसीय अस्थायी छूट (जनरल लाइसेंस 133) को भारत की ऊर्जा सुरक्षा और संप्रभुता पर गंभीर सवाल खड़ा करने वाला कदम बताया है। उन्होंने कहा कि 6 मार्च 2026 को जारी इस लाइसेंस के तहत भारत को केवल उन रूसी तेल खेपों की डिलीवरी की अनुमति दी गई है जो 5 मार्च से पहले जहाजों पर लोड हो चुकी थीं और यह छूट 4 अप्रैल 2026 तक ही मान्य है। नायक के अनुसार दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल आयातक देश भारत को यदि अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए विदेशी 'लाइसेंस' पर निर्भर रहना पड़े, तो यह "आत्मनिर्भर भारत" के दावे पर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रूस से सस्ता तेल खरीदकर आयात बढ़ाया था, लेकिन अमेरिकी प्रतिबंधों और हालिया वैश्विक तनाव के कारण स्थिति जटिल हो गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसी निर्भरता जारी रही तो तेल की कीमतों में वृद्धि, महंगाई और आर्थिक दबाव बढ़ सकता है। नायक ने ऊर्जा सुरक्षा के लिए नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने, तेल आयात के स्रोतों का विविधीकरण करने और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रतिबंधों के खिलाफ मजबूत कूटनीतिक पहल की जरूरत पर जोर दिया।

संक्षिप्त समाचार

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के कोर्टेवा एग्री साइंस ने किया महिलाओं को सम्मानित

दारू। प्रखंड क्षेत्र के कबिलाशी पंचायत में कॉर्टेवा एग्री साइंस ने महिलाओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया। कंपनी के क्षेत्रीय मैनेजर समित कुमार ने प्रगतिशील महिलाओं को सम्मानित किया गया।कृषि जगत तथा अन्य क्षेत्र में सभी सफल महिला किसानो की सफलता की कहानी और मिसाल भी प्रस्तुत की गई सभा में आयी महिलाओं ने भी अपनी अपनी उपलब्धियां बताई और दूसरी महिलाओं को भी आगे आकर कुछ कर दिखाने के लिए प्रेरित किया।सभा में उपमुखिया लीलावती देवी आदि महिलाओं ने भी अपने अपने विचार रखे और महिला सशक्तिकरण को बढ़ाने की बात की गए।अंत में केक काट कर सभी ने उल्लास के साथ सभा का समापन किया और कोर्टेवा एग्री साइंस का धन्यवाद किया

दारू थाना परिसर में रामनवमी ईद सरहुल पर्व को शांति पूर्ण तरीके से मनाए जाने को लेकर बैठक आयोजित

» सरकार के निर्देशानुसार डीजे साउंड पर रहेगा प्रतिबंध थाना प्रभारी

दारु (हजारीबाग)।रामनवमी, ईद और सरहुल त्योहार को शांति पूर्वक मनाने को लेकर दारु थाना परिसर मे शांति समिति कि बैठक का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ हारून राशीद ने किया। बैठक के दौरान रामनवमी ईद सरहुल पर्व को शांति पूर्वक मनाने को लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा किया गया। वही थाना प्रभारी इक़बाल हुसैन ने कहा कि थाना क्षेत्र मे कुल 21 अखाडा से रामनवमी जुलुस निकाला जाता है जिसमे 17 अखाडा के पास लाईसेंस है और चार अखाडा के पास लाईसेंस नही है। थाना क्षेत्र के हरली, पेटो और जरगा अखाडा प्रशासनिक दृष्टिकोण से संवेदनशील माना गया है। डीजे साउंड पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा यदि जबरन साउंड को बजाया गया तो साउंड सिस्टम को जप्त कर संचालक के खिलाफ कठोर क़ानूनी कार्रवाई की जाएगी।शराब पीने वाले के खिलाफ अभियान चलाकर ब्रेथ एनालाईजर से जांच कर शराब पीने वालो के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अखाडा समिति को अध्यक्ष, सचिव के साथ पुरी कार्यसमिति का मोबाइल नम्बर फोटो के साथ देना अनिवार्य होगा। बीडीओ हारून् रासीद ने कहा कि किसी के घरों के छतो पर इंटा, पत्थर आदि ना रखे अन्यथा ड्रोन कैमरे से जांच कर ऐसे लोगो के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शांति समिति की बैठक मे मोहम्मद फारुकुद्दीन , रिंकू कुमार, टिंकूं कुमार , मोहम्मद एनुल, सहादत मिया, विजय कुमार,बसंत नारायण सहित कई अन्य लोग शामिल थे।

गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ी, आम लोगों का बजट बिगड़ा: कुणाल यादव

» गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ोतरी से जनता परेशान, फैसला वापस ले केंद्रः कुणाल यादव

हजारीबाग। घरेलू रसोई गैस की कीमत में 60 रुपये की बढ़ोतरी को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रवक्ता कुणाल यादव ने केंद्र सरकार के फैसले की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि रसोई गैस के दाम बढ़ाकर केंद्र सरकार ने पहले से महंगाई की मार झेल रही आम जनता पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया है।कुणाल यादव ने कहा कि रसोई गैस आज हर घर की अनिवार्य जरूरत बन चुकी है। ऐसे में इसकी कीमत में बार-बार बढ़ोतरी होने से मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों का घरेलू बजट बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार इजाफा हुआ है, जिससे आम लोगों के लिए रसोई चलाना मुश्किल होता जा रहा है।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण रसोई गैस पर मिलने वाली सब्सिडी भी लगभग समाप्त हो चुकी है। ऐसे में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के सामने भी गैस सिलेंडर भरवाना एक बड़ी चुनौती बन गया है। कई जगहों पर गरीब परिवार गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों के कारण दोबारा लकड़ी और अन्य पारंपरिक ईंधन का सहारा लेने को मजबूर हो रहे हैं।कुणाल यादव ने कहा कि सरकार को महंगाई पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए, लेकिन इसके विपरीत आम लोगों की जरूरत की चीजों के दाम बढ़ाए जा रहे हैं। इससे गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों की आर्थिक स्थिति पर सीधा असर पड़ रहा है।उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि घरेलू रसोई गैस की बढ़ाई गई कीमतों को अविलंब वापस लिया जाए और गैस पर सब्सिडी व्यवस्था को फिर से प्रभावी तरीके से लागू किया जाए, ताकि गरीब और जरूरतमंद परिवारों को राहत मिल सके।झामुमो प्रवक्ता ने कहा कि सरकार को आम जनता की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए ऐसे फैसलों पर पुनर्विचार करना चाहिए, ताकि महंगाई से जूझ रही जनता को कुछ राहत मिल सके।

आतापुर गांव में मारपीट मामले का दो आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

उधवा/साहिबगंज।राधानगर थाना क्षेत्र में मारपीट के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार राधानगर थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के आतापुर गांव में मारपीट कांड के दोनों आरोपी मौजूद हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक टीम गठित कर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने कांड संख्या 67/26 के नामजद आरोपी विशाल राय व कृष्णा राय को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मारपीट सहित अन्य आरोपों को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस दौरान पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों को शनिवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। मामले को लेकर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

राष्ट्रपति के साथ बंगाल सरकार का व्यवहार निंदनीय : बाबूलाल मरांडी

नई सोच एक्सप्रेस

रांची/कोलकाता।झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य सरकार पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ कथित रूप से अनुचित व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह न केवल राष्ट्रपति पद का अपमान है, बल्कि आदिवासी समाज की भावनाओं को भी आहत करने वाला है। मरांडी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय संथाल सम्मेलन के दौरान देश की राष्ट्रपति और संथाल आदिवासी समाज की बेटी द्रौपदी मुर्मू के साथ बंगाल सरकार का व्यवहार अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय रहा। उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति के प्रति इस प्रकार का रवैया प्रोटोकॉल का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू के संबोधन के दौरान उनके शब्दों में जो पीड़ा और असहजता झलक रही थी, उसे पूरे देश ने महसूस किया। मरांडी ने कहा कि राष्ट्रपति पद की गरिमा बनाए रखना हर राज्य सरकार की जिम्मेदारी है और इससे जुड़े प्रोटोकॉल का पालन किया जाना चाहिए। मरांडी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनीति अपनी जगह है, लेकिन राष्ट्र के सर्वोच्च संवैधानिक पद का सम्मान सर्वोपरि होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी से उम्मीद थी कि वे लोकतांत्रिक मर्यादाओं, संवैधानिक पदों के सम्मान और शिष्टाचार का पालन सुनिश्चित करेंगी, लेकिन सत्ता के अहंकार में राष्ट्रपति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने का काम किया गया। उन्होंने इस घटना को संताल आदिवासी समाज के सम्मान से भी जोड़ते हुए कहा कि इस प्रकार की घटनाएं समाज की भावनाओं को आहत करती हैं और इसकी कड़ी निंदा होनी चाहिए।

कांग्रेस की नीतियों से प्रभावित होकर कई कार्यकर्ताओं ने ली पार्टी की सदस्यता

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के आवासीय कार्यालय में रविवार को कई सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी की नीतियों और विचारधारा में विश्वास जताते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर मंगल सिंह हाँसदा, गोवर्धन गागराई और पांगेला गागराई ने औपचारिक रूप से कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ली। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने उन्हें पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया और कांग्रेस परिवार में शामिल होने पर बधाई दी। इस मौके पर केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से समाज के सभी वर्गों के अधिकार, सम्मान और विकास के लिए संघर्ष करती रही है। उन्होंने कहा कि नए साथियों के जुड़ने से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी और पार्टी की विचारधारा तथा जनहित की लड़ाई को और बल मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नवसदस्यों का स्वागत करते हुए संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जगबंधु महतो, खूँटपानी प्रखंड अध्यक्ष सकरी डोंगो, ओबीसी प्रखंड अध्यक्ष हरिचरण कुम्हार सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

राष्ट्रपति के कार्यक्रम से जुड़े विवाद पर संयम बरतें, संवैधानिक पद की गरिमा बनी रहनी चाहिए : राकेश सिन्हा

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यक्रम को लेकर उठे विवाद पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद की गरिमा और सम्मान बनाए रखना सभी सरकारों और राजनीतिक दलों की साझा जिम्मेदारी है। राकेश सिन्हा ने कहा कि यदि राष्ट्रपति के कार्यक्रम के दौरान प्रोटोकॉल से जुड़ी किसी प्रकार की चूक हुई है, तो उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए और तथ्यों के आधार पर उसकी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति पूरे देश की प्रतिनिधि होती हैं और उनका पद संविधान की सर्वोच्च गरिमा का प्रतीक है, इसलिए उनसे जुड़े हर कार्यक्रम में निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर अनावश्यक राजनीतिक टकराव और बयानबाजी से बचना चाहिए। संवैधानिक पदों से जुड़े मामलों को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करना लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। केंद्र और राज्य सरकारों दोनों को इस विषय पर संयम और जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करना चाहिए। राकेश सिन्हा ने कहा कि देश इस समय कई महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में राजनीतिक दलों को आपसी आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से संविधान, लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान की पक्षधर रही है। उम्मीद है कि इस मामले में सभी पक्ष मर्यादा और संवैधानिक परंपराओं का पालन करते हुए समाधान निकालेंगे, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो और देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा बनी रहे।

सांसद मनीष जायसवाल ने सैकड़ों समर्थकों के साथ केक काटकर मनाया जन्मदिन

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग।लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने रविवार को अपने जन्मदिन सादगी, सेवा भावना और जनसंपर्क के माहौल में मनाया। इस अवसर पर दिनभर विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, सांसद समर्थक और उनके शुभचिंतक शामिल हुए। जन्मदिन के साथ ही अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का भी संयोग रहने के कारण कार्यक्रमों में विशेष उत्साह देखने को मिला और महिलाओं के सम्मान का संदेश भी उन्होंने दिया। जन्मदिन की शुरुआत सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर स्थित मेल सर्जिकल वार्ड पहुँचकर की। यहाँ हजारीबाग यूथ विंग के पदाधिकारी एवं सदस्यों के साथ मिलकर उनके द्वारा सांसद मनीष जायसवाल के जन्मदिन के मौके पर अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों के बीच फल का वितरण किया गया। सांसद मनीष जायसवाल ने अपने हाथों से इस दौरान कई मरीजों का हालचाल भी जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करने के साथ उन्हें फलाहार कराया। इसके बाद वे ओल्ड एज होम पहुँचे, जहाँ बुजुर्गों के बीच समय बिताते हुए उनके साथ आत्मीय बातचीत की। बुजुर्गों को उन्होंने अल्पाहार कराया और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं और सांसद समर्थकों की भी सक्रिय भागीदारी रही। इसके बाद हजारीबाग स्थित सांसद सेवा कार्यालय में भव्य जन्मदिन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, सांसद समर्थक और उनके शुभचिंतक आवाम पहुँचे। सभी ने सांसद मनीष जायसवाल को पुष्पगुच्छ भेंट कर, गले मिलकर तथा सोशल मीडिया के माध्यम से जन्मदिन की बधाई दी। पूरे दिन बधाई देने वालों का यहां तांता लगा रहा और उत्सव सा माहौल बना रहा। इस दौरान सांसद मनीष जायसवाल ने अपने परिवार और समर्थकों के साथ केक काटकर जन्मदिन मनाया। जन्मदिन समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का

» सेवा कार्यों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच बीता उनका पूरा दिन

भी आयोजन किया गया, जिसने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। समारोह की एंकरिंग प्रीति लता ने की, जिन्होंने पूरे आयोजन को प्रभावशाली ढंग से संचालित करते हुए सांसद मनीष जायसवाल के अबतक के व्यक्तित्व और कृतित्व को विस्तृत रूप से रखा। हजारीबाग की प्रसिद्ध आरम्भ बैंड की प्रस्तुति ने कार्यक्रम में ऊर्जा भर दी। बाल उभरती हुई गायिका कुमारी दित्य ने सत्यम शिवम सुंदरम..., ऐसी लगी लगन...., रघुवर तेरी राह निहारूं... और दिल हुम हुम करें...जैसे मधुर गीतों की प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं गायक किसन यादव ने पुकारता चला हूँ मैं.... और छू कर मेरे मन को.... जैसे गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। गायक अभिजीत कुमार सोनू ने ये शाम मस्तानी.... गीत गाकर कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। इन कलाकारों की प्रस्तुति पर उपस्थित लोगों ने खूब तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं और विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय महिला समाजसेवियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और समाज में नारियों के योगदान के लिए उनका सलाम किया। इस पहल के माध्यम से उन्होंने समाज में महिलाओं की भूमिका और उनके योगदान को सम्मान देने का संदेश दिया। इस अवसर पर हजारों समर्थकों और चाहनेवालों ने सांसद मनीष जायसवाल को गुलदस्ता भेंट कर, गले मिलकर तथा एसएमएस, व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर के माध्यम से जन्मदिन की बधाई दी। जन्मदिन और महिला दिवस के संयोग के कारण कार्यकर्ताओं और समर्थकों में विशेष उत्साह देखने को मिला और पूरा दिन उत्सव के माहौल में बीता। इस मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने सभी समर्थकों और शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका राजनीति में आने का एकमात्र उद्देश्य समाज सेवा है। उन्होंने कहा कि वे किसी नेता की हैसियत से नहीं बल्कि हजारीबाग की जनता के बेटे और भाई के रूप में लोगों के हित में हमेशा तत्पर रहते हैं और आगे भी रहेंगे। उन्होंने कहा कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के विकास और यहाँ के लोगों की सेवा के लिए वे पूरी निष्ठा के साथ लगातार कार्य करते रहेंगे। उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से सांसद के पिता और पूर्वजिप सदस्य ब्रजकिशोर जायसवाल, सांसद की माता विद्या जायसवाल, पत्नी निशा जायसवाल, सुपुत्र करण जायसवाल, पुत्रवधु अवंतिका जायसवाल, सत्येंद्र नारायण सिंह, द्वारिका सिंह उर्फ खोका सिंह, हरीश श्रीवास्तव, अशोक यादव, आनंद देव, दिनेश सिंह राठौड़, अजय कुमार साहू, किशोरी राणा, वीरेंद्र कुमार वीरू, लब्बू गुप्ता, दीपू यादव, प्रशांत प्रधान, निशांत प्रधान, जय नारायण, विजय वर्मा, रंजन चौधरी, विशेषांक वर्मा,पूनम साहू, इंद्र नारायण कुशवाहा, अजय मेहता, मोतीलाल चौधरी, रमेश ठाकुर, जीवन मेहता, बलदेव बाबू, अशोक कुशवाहा, दिनेश प्रसाद, नागेंद्र गुप्ता, आलोक कुमार, कुणाल कुमार उर्फ हैप्पी, विक्रम आदित्य, कृष्णा मेहता, अरुण राणा, आनंद शाही, निशिकांत सिंह, विक्रमादित्य, पूनम साहू, शिव शंकर मेहता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हजारीबाग प्रेस क्लब में महिला पत्रकारों का सम्मान

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को हजारीबाग प्रेस क्लब में महिला पत्रकारों के सम्मान में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न मीडिया संस्थानों में कार्यरत महिला पत्रकार मनस्वी पाठक, अपराजिता पांडे एवं भव्या साहू को सम्मानित कर पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज और पत्रकारिता के क्षेत्र में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना तथा उन्हें प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आज के समय में महिला पत्रकार न केवल समाचार जगत में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं, बल्कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी निडर होकर समाज की आवाज को सामने लाने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है और उनका योगदान समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। समारोह के दौरान प्रेस क्लब के पदाधिकारियों ने महिला पत्रकारों को प्राकृतिक पत्तों से बने मुकुट पहनाकर, अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान उपस्थित पत्रकारों एवं अतिथियों ने महिला पत्रकारों की मेहनत, साहस और प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सक्रियता से पत्रकारिता और अधिक सशक्त हो रही है। इस अवसर पर वक्ताओं ने महिला सशक्तिकरण, समान अधिकार और समाज में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही सभी ने यह संकल्प लिया कि महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए बेहतर माहौल और अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में सामूहिक रूप से कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम में हजारीबाग प्रेस क्लब के अध्यक्ष, पदाधिकारी, वरिष्ठ पत्रकार, प्रेस प्रतिनिधि तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह का समापन महिला पत्रकारों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए किया गया।

भाजपा सरकार के ताबूत में कील गाड़ने का काम करेगा सवर्ण समाज : अंकित पाण्डेय

नई सोच एक्सप्रेस

साहिबगंज।शहर के एन०आर०पी सेंटर स्कूल में सवर्ण समाज की बैठक आयोजित की गई।इस बैठक में लोगों ने सामाजिक एकता को लेकर चर्चा किया एवं वर्तमान में ज्वलित मुद्दा यूजीसी एक्ट रेगुलेंस 2026 जो कि सवर्ण समाज को शिक्षा से दूर करने की साजिश वाला बताते हुए वर्तमान केंद्र सरकार के खिलाफ अपनी नाराजगी व्यक्त की।कार्यक्रम में शामिल टाइगर अंकित पाण्डेय ने लोगों को आने वाले समय में आपसी एकता को मजबूती प्रदान करने हेतु हर रविवार को बैठक आयोजित करने का अपना विचार रखा एवं कहा कि आने वाले समय में जिस भाजपा को सवर्ण समाज के लोगो ने अपना तन मन धन से आगे बढ़ाने का काम किया वही समाज एक होकर इस सवर्ण विरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेगी।मौक पर विकाश चौधरी ने वार्ड स्तर तक लोगों को जोड़ने का काम करने का विचार रखा।वरिष्ठ पत्रकार अरविंद ठाकुर को सर्व सहमति से मीडिया प्रभारी का जिम्मेदारी सौंपा गया।इस बैठक में मुख्य रूप से राजीव ओझा,श्रीकांत ओझा,मनोज झा,जय किशोर झा,बसंत मिश्रा,सुबोध झा, रंजीत सिंह,बच्चन पाठक,डब्लू ओझा, अभिनाश तिवारी,प्रशांत ठाकुर आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया

मंगलहाट/साहिबगंज। राजमहल प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कसवा पंचायत भवन में सैदपुर आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड की ओर से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कसवा पंचायत की मुखिया रोज मेरी बास्की एवं महिला संगठन से जुड़ी सदस्यों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर और केक काटकर किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि सहित उत्कृष्ट सखी दीदियों को महोगनी का पौधा देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुखिया रोज मेरी बास्की ने कहा कि आज पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। यह दिन उन महिलाओं को समर्पित है जिन्होंने अपने संघर्ष और मेहनत के बल पर समाज में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि यह अवसर महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मान देने के साथ-साथ उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने और भविष्य की चुनौतियों पर विचार करने का भी महत्वपूर्ण मंच है। कार्यक्रम के दौरान संकुल संगठन की ओर से विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें सखी दीदियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सुई-धागा प्रतियोगिता में रिंकी कुमारी ने प्रथम, दिलापी मंडल ने द्वितीय और चमेली देवी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं मेहंदी प्रतियोगिता में दीपाली कुमारी प्रथम, चांदनी कुमारी द्वितीय और अष्टमी कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। कुर्सी रेस प्रतियोगिता में सृष्टि कुमारी ने प्रथम, रीना कर्मकार ने द्वितीय तथा रूपसुंदरी ने तृतीय स्थान हासिल किया। इसके अलावा अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और सखी वीडियो के द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले कैडरों को डायरी और पेन देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संकुल संगठन के पांचों पंचायतों की सखी दीदियों की उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा।

राजमहल स्टेशन पर संदिग्ध हालत में मिली नाबालिग, आरपीएफ ने बाल संरक्षण संस्था को सौंपा

बरहरवा/साहिबगंज। मानव तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष

अभियान के तहत रविवार सुबह राजमहल रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ द्वारा सघन जांच अभियान चलाया गया। इसी दौरान स्टेशन परिसर से एक नाबालिग लड़की को संदिग्ध अवस्था में बरामद किया गया, जिसे बाद में बाल संरक्षण संस्था को सौंप दिया गया। जानकारी के अनुसार आरपीएफ के एसआई एल.बी. मांझी एवं कांस्टेबल परवीन कुमार स्टेशन परिसर में गश्त कर रहे थे। गश्ती के दौरान बुकिंग ऑफिस के पास एक नाबालिग लड़की संदिग्ध स्थिति में खड़ी दिखाई दी। संदेह होने पर आरपीएफ टीम ने उसे रोककर पूछताछ की, लेकिन प्रारंभ में वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सकी। बाद में समझाने पर लड़की ने बताया कि वह पुरानी साहिबगंज की रहने वाली है और अपनी नानी के घर रह रही थी। उसने बताया कि उसके मामा और मामी के बीच अक्सर झगड़ा होता था, जिससे परेशान होकर वह बिना किसी को बताए घर से भाग आई और दूसरे राज्य में काम करने के उद्देश्य से निकल पड़ी थी। लड़की की स्थिति को देखते हुए आरपीएफ ने उसे सुरक्षा के लिहाज से अपने संरक्षण में लेते हुए आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया। मामले की सूचना बाल संरक्षण संस्था "बाल संरक्षण मंथन", राजमहल को दी गई। सूचना मिलने के बाद संस्था के प्रतिनिधि अंशु मलाकर आरपीएफ पोस्ट पहुंचे। सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद नाबालिग लड़की को आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए बाल संरक्षण मंथन, राजमहल के प्रतिनिधि अंशु मलाकर को सौंप दिया गया।

हजारीबाग बड़ा अखाड़ा परिसर में अध्यक्ष पद को लेकर बैठक आयोजित

» रामनवमी महासमिति को शांति पूर्ण तरीके से मनाने को लेकर 10 अध्यक्ष पद के लिए प्रबल दावेदार ने किया नामांकन

हजारीबाग। हरेक वर्ष की भांति इस वर्ष 2026 में भी चैत्र शुक्लपक्ष रामनवमी पर्व को शांति पूर्ण तरीके से मनाए जाने को लेकर 8 मार्च दिन रविवार को बैठक का आयोजन बड़ा अखाड़ा में किया गया। बैठक की अध्यक्षता मठ के महंत विजयानंद दास ने किया । मंच संचालन रवि पांडेय संग मठ के अन्य ब्राह्मणों ने हनुमान चालीसा पाठ कर और जय श्री राम की जय घोष के साथ शुभारंभ किया गया। महंत विजयानंद दास ने पूछे जाने पर कहा कि हजारीबाग रामनवमी महासमिति अध्यक्ष पद के लिए किसन यादव,पुरुषोत्तम पांडेय,लड्डू उर्फ करण यादव,अजय दास,दीप नारायण यादव,राज कुमार सोनी,दीपक देवराज,मनीष यादव उर्फ चरका यादव, खोचू बंगाली,आशीष सिन्हा कुल दस लोगों ने महासमिति के लिए प्रबल दावेदार को लेकर नामांकन किया। उन्होंने यह भी कहा कि कि अध्यक्ष चुनाव के लिए 21 सदस्यीय चुनाव प्रभारी का टिम होगी। जो निष्पक्ष मतदान 14 मार्च 2026 दिन शनिवार को सर्व सम्मति से अध्यक्ष का चयन सार्थकों द्वारा मतदान कर किया जाएगा। नामांकन के दौरान शांति व्यवस्था बनाने को लेकर उक्त स्थल प्रशासन मुस्तैद थे। बता दे कि अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों ने नामांकन के दौरान गाजे बाजे के साथ बड़ा अखाड़ा परिसर में पहुंचे और शांति पूर्वक निर्वाचन के लिए समर्थकों संग नामांकन करवाया। उम्मीदवार संग सैकड़ों की संख्या में समर्थक मौजूद थे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार,साहेबगंज की पहल

नई सोच एक्सप्रेस

» महिलाओं को कानूनी अधिकार व सरकारी योजनाओं की दी जानकारी
» नारी अब अबला नहीं, बल्कि सशक्त और जागरूक शक्ति – प्रखंडों व पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

साहिबगंज।झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश पर तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, साहेबगंज श्री अखिल कुमार के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने बताया कि पारा लीगल वॉलिंटियर्स - न्याय मित्रों द्वारा गांव-गांव में जाकर महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा से संबंधित कानूनों तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान यह संदेश भी दिया गया कि नारी अब अबला नहीं, बल्कि सशक्त, जागरूक और आत्मनिर्भर शक्ति है, जो अपने अधिकारों को जानकर समाज और परिवार के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को घरेलू हिंसा से संरक्षण, दहेज प्रतिषेध कानून, बाल विवाह निषेध अधिनियम, संपत्ति में महिलाओं के अधिकार, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से सुरक्षा तथा निःशुल्क विधिक सहायता की सुविधा के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही पीड़ित महिलाओं को मिलने वाले मुआवजा, सहायता एवं न्याय प्राप्ति की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से बताया गया। इसके अतिरिक्त महिलाओं को महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वरोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में नालसा टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण साहेबगंज के कार्यालय का संपर्क नंबर 9471521725 भी साझा किया गया, ताकि जरूरतमंद लोग सीधे संपर्क कर सकें। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं, स्थानीय लोग एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, सरकारी योजनाओं की जानकारी देना तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय की पहुँच सुनिश्चित करना था। डालसा ने आश्वस्त किया कि भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

गायत्री शक्तिपीठ में मनाया गया महिला दिवस

नई सोच एक्सप्रेस

» उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए पांच महिलाओं को किया गया सम्मानित

साहिबगंज।हमारे पौराणिक ग्रंथों में उल्लेख है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता अर्थात नारी का सम्मान ही देवी देवता का पूजन है।कहा गया है कि नारी का सम्मान जहां है संस्कृति का उत्थान वहां है।इसलिए हर घर की नारी पूज्य होती है।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर गायत्री शक्तिपीठ में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरीय सदस्य करुणामई भारती ने ये बातें कही।कार्यक्रम की शुरुआत प्रियंका सोनी,सरिता पोद्दार एवं निभा देवी ने सामूहिक मातृ वंदना एवं गुरु वंदना के साथ किया।कार्यक्रम को उषा रानी साहा संगीता कुमारी नीलू दीदी आदि ने भी संबोधित किया।इस अवसर पर सामाजिक उत्कृष्ट कार्य करने वाली पांच महिलाओं को सम्मानित भी किया गया इनमें उषा रानी साहा सीता देवी कंचन देवी सविता कुमारी नीलू भारती शामिल हैं।सबों को तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर सामूहिक करतल ध्वनि के साथ सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में मधु कुमारी,संगीता कुमारी,निभा देवी,रेखा देवी,अनीता देवी,कंचन देवी,डॉ राधा मोहन मंडल,शिवशंकर निराला,निरंजन भारती,अभय कुमार,मनोज कुमार आदि मौजूद थे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर फुलो झानो डिजिटल ज्ञान केंद्र का बंपर ऑफर

नई सोच एक्सप्रेस

» 09 से 31 मार्च,2026 तक विशेष रजिस्ट्रेशन सुविधा

साहिबगंज।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एवं आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षा से संपन्नता – करियर मार्गदर्शन उत्सव के तहत 09 मार्च से 31 मार्च,2026 तक फुलो झानो डिजिटल ज्ञान केंद्र द्वारा विशेष बंपर ऑफर प्रदान किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य जिले के विद्यार्थियों एवं अभ्यर्थियों को शिक्षा, कौशल विकास तथा करियर मार्गदर्शन से जोड़ना है।इस विशेष अभियान के तहत फुलो झानो डिजिटल ज्ञान केंद्र में रजिस्ट्रेशन शुल्क 500 निर्धारित किया गया है। वहीं पुरुष अभ्यर्थियों के लिए 50 प्रतिशत अंशदान, महिलाओं के लिए 75 प्रतिशत अंशदान की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके अतिरिक्त दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए निःशुल्क (फ्री) रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था की गई है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अवसर का लाभ उठा सकें।जिला प्रशासन द्वारा जिले के सभी नगर एवं आसपास के क्षेत्रों के शैक्षणिक अभ्यर्थियों को फुलो झानो डिजिटल ज्ञान केंद्र से जुड़ने का सुनहरा अवसर प्रदान किया गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास तथा करियर से संबंधित आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे अपने भविष्य को सुदृढ़ बना सकें। जिला प्रशासन ने सभी इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे इस विशेष अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाते हुए निर्धारित अवधि के भीतर अपना पंजीकरण कराएं और शिक्षा एवं कौशल विकास की दिशा में आगे बढ़ें।

अंबेडकर संस्था ने नवनिर्वाचित नगर परिषद अध्यक्ष का किया नागरिक अभिनंदन

नई सोच एक्सप्रेस

» हर तबके के साथ मिलकर करेंगे शहर का विकासः रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान

साहिबगंज।शहर के कुलीपाड़ा, दहिया टोला स्थित अंबेडकर भवन में अंबेडकर संस्था के तत्वधान में नव निर्वाचित नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान का नागरिक अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के मीडिया प्रभारी अनिल पासवान ने किया। इस दौरान नव निर्वाचित नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान को अंगवस्त्र व फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। इसके पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान ने संविधान निर्माता डॉ भीम राव अंबेडकर व देश की प्रथम शिक्षिका सावित्री बाई फुले की तस्वीर पर माल्यार्पण किया। वहीं वक्ताओं ने नाव निर्वाचित नगर परिषद अध्यक्ष से शहर के समग्र विकास की कामना की। नव निर्वाचित नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान ने अंबेडकर संस्था व शहर की जनता का आभार जताया। कहा कि जनता ने विकास के लिए उन्हें चुना है। समाज के हर तबके को साथ लेकर शहर का विकास करेंगे। उन्होंने महिलाओं को महिला दिवस की शुभकामना भी दी। साथ ही कहा कि जनता की उम्मीद पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। मंच संचलान विजय वर्मा ने किया। मौके पर वार्ड पार्षद रंजीत प्रसाद साह, कोंग्रेसी नेता अखलाक नदीम, अनिल राय, विष्णु पासवान, मो कज्जाफी मुर्शाद, मो शाहिद, संजीव पासवान, संजय पासवान, मानव पासवान, शेखर पासवान, कैलाश पासवान, मनोज पासवान, व्यास पासवान, मो अजफर, मो अंसरुल, दिनेश पासवान, मो मंजूर सहित दर्जनों मौजूद थे।

महिलाओं को सशक्त बनाकर समाज को सशक्त बनाना ही उद्देश्य : उप विकास आयुक्त

नई सोच एक्सप्रेस

साहिबगंज।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन साहिबगंज एवं पलाश (जेएसएलपीएस) के संयुक्त तत्वावधान में GIVE TO गईं थीम पर सिद्धू-कान्हु सभागार, साहिबगंज में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूह की दीदियाँ, अधिकारीगण एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप विकास आयुक्त श्री सतीश चंद्रा ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को अवसर, संसाधन और सहयोग प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज स्वयं सहायता समूह की महिलाएं आजीविका, उद्यमिता और सामाजिक परिवर्तन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से ही समाज का समग्र विकास संभव है।उन्होंने आगे कहा कि "GIVE TO GAIN" की भावना यह दर्शाती है कि जब हम समाज और समुदाय को सशक्त बनाने के लिए योगदान देते हैं, तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे समाज के विकास में दिखाई देता है। स्वयं सहायता समूह की महिलाएं इस विचार को धरातल पर उतारते हुए आर्थिक सशक्तिकरण और सामुदायिक नेतृत्व का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, आजीविका संवर्धन तथा सामुदायिक नेतृत्व को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित पदाधिकारियों ने स्वयं सहायता समूहों की गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाने तथा महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने की दिशा में निरंतर प्रयास करने की बात कही।इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला कार्यपालक अभियंता (पीएचईडी), जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री मतिन तारिक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कैडर एवं कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही स्वयं सहायता समूह की दीदियों की उपलब्धियों को साझा करते हुए उन्हें आगे बढ़ने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का समापन महिलाओं की उपलब्धियों के सम्मान और उनके सशक्त भविष्य के संकल्प के साथ किया गया।

फिजियोथैरेपी केंद्र में हुआ महिलाओं का सम्मान कार्यक्रम

नई सोच एक्सप्रेस

साहिबगंज।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज कौशल्या ज्योति ट्रस्ट के द्वारा पुरानी साहिबगंज स्थित फिजियोथैरेपी क्लिनिक हैप्पी टू वर्क फिजियो केंद्र में चिकित्सा और महिलाओं के बीच काम करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर डॉक्टर श्वेता मिश्रा,पूनम तिवारी सहित कई मातृ शक्तियों को सम्मानित करने का काम किया गया।मातृ शक्तियों को संबोधित करते हुए कौशल्या ज्योति के अध्यक्ष डॉ सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र पीछे नहीं है। सामाजिक,सांस्कृतिक,स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार काम कर रहीं हैं।इसी क्रम में आज फिजियोथैरेपी की चिकित्सा डॉ श्वेता मिश्रा,सामाजिक कार्यकर्ता पूनम तिवारी,वार्ड पार्षद सुनीता देवी,रश्मि चोखानी सहित दर्जनों महिलाओं को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन ज्योति मिश्रा ने किया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से फिजियोथैरेपी केंद्र के संचालक गोपाल तिवारी,डॉ ममता विद्यार्थी,पूजा यादव,रीमा कुमारी,सहित कई महिलाओं शामिल हुई।

महाविद्यालय में आयोजित हुआ विकसित भारत युवा सांसद कार्यक्रम

नई सोच एक्सप्रेस

साहिबगंज।महाविद्यालय के नंदन भवन में भारत सरकार युवा एवं खेल मंत्रालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विकसित भारत युवा सांसद 2026 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भाषण के विषय आपातकाल के 50 वर्षः भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक विषय पर छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वही एक दिवसीय इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के बी झा कॉलेज कटिहार(बिहार)में राजनीति विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. मेघा कुमारी उपस्थित थी। साहिबगंज महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्य डॉ मृदुला सिन्हा,प्राचार्य प्रो. एस आर आई रिजवी ,मॉडल कॉलेज राजमहल के प्राचार्य डॉ रंजीत कुमार सिंह ,एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी सह जिला नोडल पदाधिकारी प्रोफेसर कुमार प्रशांत भारती एवं निर्णायक मंडली के सम्मानित सदस्य के रूप में अंग्रेजी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉक्टर सेमी विक्टर मरांडी तथा बीएड विभाग के सहायक प्राध्यापक प्रोफेसर नितिन कुमार घोष एवं अन्य उपस्थित प्राध्यापकों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । तदोपरांत सभी अतिथियों को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया जहाँ रविवार कोअंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉक्टर प्रिया सिंह ने मातृशक्ति को समर्पित अपनी स्वरचित कविता का पाठ किया। छात्र-छात्राओं ने भाषण के विषय पर गंभीर तरीके से अपनी बात रखी एवं निर्णायक मंडली का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया| वही मौके पर मौजूद रहे अंजली कुमारी, निखिल कुमार, राहुल कुमार साह अभय कुमार पांडे ,तथा सुनिधि कुमारी का चयन विश्वविद्यालय पर स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता हेतु किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन अर्थशास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ रूपा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मेरा युवा भारत से चंदन कुमार एवं राहुल कुमार की कार्यक्रम आयोजन हेतु सरहानीय भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में सभी सम्मानित जनों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया महाविद्यालय में बीएड विभाग में कार्यरत प्राध्यापिका डॉक्टर सुनीता कुमारी प्रोफेसर अदिति सुरीन डॉ सुनील कुमार संथाली विभाग के विभाग अध्यक्षडॉक्टर जिशु हांसदा मॉडल कॉलेज राजमहल के प्राध्यापक डॉक्टर अमित कुमार सिंह एवं काफी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे|

भारतीय जनता पार्टी के द्वारा,ममता बनर्जी का पुतला दहन

नई सोच एक्सप्रेस

साहिबगंज।पश्चिम बंगाल में ममता सरकार द्वारा महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी के प्रति किए गए अपमानजनक व्यवहार के विरोध में रविवार को साहेबगंज अनुसूचित जनजाति मोर्चा,भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष चौकीदार हासदा के नेतृत्व में ममता बनर्जी का पुतला दहन किया गया।इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति पद की गरिमा का सम्मान बनाए रखने की मांग करते हुए ममता सरकार के इस व्यवहार की कड़ी निंदा की।महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी के प्रति किया गया अपमानजनक व्यवहार अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय है।देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन राष्ट्रपति केवल एक व्यक्ति नहीं,बल्कि भारत के संविधान,लोकतंत्र और 140 करोड़ देशवासियों की आस्था एवं सम्मान का प्रतीक होती हैं।राष्ट्रपति जी के कार्यक्रम को लेकर राज्य सरकार की उदासीनता तथा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का व्यवहार लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं कहा जा सकता।यह केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं, बल्कि भारत के संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था की गरिमा को आहत करने वाला कृत्य है।भारत का संविधान स्पष्ट रूप से बताता है कि राष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर होता है।ऐसे में किसी भी राज्य सरकार या जनप्रतिनिधि का यह कर्तव्य होता है कि वह राष्ट्रपति के प्रति पूर्ण सम्मान और निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करे। किंतु दुर्भाग्यवश पश्चिम बंगाल में जो घटनाएँ सामने आईं,उन्होंने यह संकेत दिया है कि वहाँ राजनीतिक अहंकार और असंवेदनशीलता लोकतांत्रिक मूल्यों पर भारी पड़ती दिखाई दे रही है।उल्लेखनीय है कि महामहिम द्रौपदी मुर्मू जी देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति हैं।उनका व्यक्तित्व और पद देश की करोड़ों महिलाओं,आदिवासी समाज तथा वंचित वर्गों के लिए प्रेरणा और सम्मान का प्रतीक है।ऐसे में उनके प्रति किसी भी प्रकार का अपमानजनक व्यवहार स्वाभाविक रूप से पूरे देशवासियों की भावनाओं को आहत करने वाला है।लोकतंत्र में विचारों का मतभेद स्वाभाविक है,किंतु संविधान और उसके सर्वोच्च संवैधानिक पदों की गरिमा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं हो सकता।लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि हम अपने संवैधानिक संस्थानों का सम्मान करें और उनकी प्रतिष्ठा को बनाए रखें।मौके पर सिद्धो कान्हू के वंसज मंडल मुर्मू,सनातन मुर्मू,कुणाल मंडल,राजकुमार भगत,दुर्गा टुडू,बिष्णु साहा,दिलीप ठाकुर,उदय सोरेन,सनातन हासदा,लखीराम सोरेन,बबलू मराण्डी,जगन मुर्मू,ठाकुर हेम्ब्रम एवम अन्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

काको थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में एक महिला गंभीर रूप से घायल

बाइक की टक्कर से महिला गंभीर रूप से घायल

जहानाबाद। काको थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के अनुसार दमोह पंचायत के हाजीपुर गांव निवासी लालती देवी (लगभग 55 वर्ष), पति स्वर्गीय लीला महतो जहानाबाद आ रही थीं। इसी दौरान हाजीपुर के पास सड़क पार करने के क्रम में एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि महिला गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ीं। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने मानवता दिखाते हुए तुरंत घायल महिला को इलाज के लिए अमर शहीद जगदेव प्रसाद सदर अस्पताल, जहानाबाद पहुंचाया, जहां डॉक्टरों की टीम ने उनका प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टरों के अनुसार दुर्घटना में महिला का पैर फ्रैक्चर हो गया है। उनकी स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है। वहीं, हादसे के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना महिला के परिजनों को दे दी गई है और परिजन अस्पताल पहुंच चुके हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

संगठन सृजन कार्यक्रम को लेकर सदाकत आश्रम में जिला पर्यवेक्षकों की बैठक में संगठन को मजबूत करने पर जोर

पटना। पूरे प्रदेश में चल रहे संगठन सृजन कार्यक्रम को लेकर आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम की अध्यक्षता में जिला पर्यवेक्षकों एवं बीपीसीसी कनेक्ट सदस्यों की एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने सभी जिला पर्यवेक्षकों से संगठन सृजन कार्यक्रम की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली तथा निर्देश दिया कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के लिए कार्यकतार्ओं से निरंतर संवाद स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का संगठन जितना मजबूत होगा, उतनी ही प्रभावी ढंग से आम जनता की समस्याओं को उठाया जा सकेगा।राजेश राम ने कहा कि संगठन सृजन कार्यक्रम का उद्देश्य पार्टी को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाना और समर्पित कार्यकतार्ओं को संगठन में उचित जिम्मेदारी देना है। उन्होंने सभी पर्यवेक्षकों से कहा कि वे निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ अपने-अपने जिलों में संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाएं। बैठक में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही पर्यवेक्षकों को यह निर्देश दिया गया कि वे जिलों में सक्रिय कार्यकतार्ओं के साथ समन्वय बनाकर संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य करें।बीपीसीसी कनेक्ट सदस्यों में मिन्नत रहमानी , राजीव मेहता , पंकज यादव , ई कमल कमलेश एवं विमलेश तिवारी मौजूद थे।बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के अलावे अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव, पूर्व विधायक प्रतिमा कुमारी दास, मीडिया चेयरमैन राजेश राठौड़, मिन्नत रहमानी, पंकज यादव, राजीव मेहता, सौरभ सिन्हा, रीता सिंह, कमल कमलेश, कमलदेव नारायण शुक्ला, डा संजय कुमार, अरविन्द लाल रजक, गुंजन पटेल, मनोज शर्मा, मंजीत आनन्द साहू, विमलेश तिवारी, मृणाल अनामय, राजेन्द्र चौधरी , किशोर कुमार, राम शंकर कुमार पान, सुनील कुमार, मुन्द्रिका सिंह यादव, दौलत इमाम,मिथिलेश कुमार निषाद, लालू सदा, राकेश कुमार मुन्ना, डा खालिद अमीन, नदीम अख्तर अंसारी, गुड्डु पासवान, कुमार दिवाकर सिंह, अखिलेश दयाल, डा गौरव वर्मा, कुणाल किशोर सहनी, अरूण कुमार बिन्द, विजय प्रताप सिंह, विश्वनाथ यादव, अभिजीत सिंह , कमलेश कुमार सिंह, प्रकाश चन्द्र झा, विशाल मलहोत्रा, राजेश रंजन पप्पू, मंजय लाल राय, राजीव मिश्रा, सत्येन्द्र नारायण सहित सभी जिला पर्यवेक्षक मौजूद थे।

बाल विवाह मुक्ति रथ ने जहानाबाद में बाल विवाह के खात्मे के प्रयासों को दी रफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले में चल रहे 'बाल विवाह मुक्ति रथ' जागरूकता अभियान का समापन किया गया। भारत सरकार के केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की पहल पर चलाए गए 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान के तहत यह रथ जिले के गांवों और कस्बों में घूम-घूमकर लोगों को बाल विवाह के खिलाफ जागरूक करने का कार्य किया जा रहा था। इस अभियान के दौरान 'बाल विवाह मुक्ति रथ' ने लगभग 30 दिनों में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में 2085 किलोमीटर की यात्रा की। इस दौरान रथ 56 गांवों तक पहुंचा और लगभग 2,36,000 लोगों को बाल विवाह के खिलाफ अभियान से जोड़ा गया। इसके अलावा जिले के 28 विद्यालयों में 10,800 बच्चों और शिक्षकों को जागरूक किया गया तथा 32 धार्मिक स्थलों पर जाकर 130 धर्मगुरुओं को भी इस अभियान में शामिल किया गया। यह अभियान बाल अधिकारों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए कार्य कर रही संस्था तटवासी समाज न्यास द्वारा चलाया गया, जो 250 से अधिक नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन का सहयोगी संगठन है। जिले में इस रथ को सांसद डॉ सुरेन्द्र प्रसाद यादव तथा उप विकास आयुक्त डॉ प्रीति ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। अभियान के दौरान लोगों को बाल विवाह के सामाजिक, स्वास्थ्य और शैक्षणिक दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई तथा इसके कानूनी पहलुओं से भी अवगत कराया गया। साथ ही लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई गई और समाज से इस कुप्रथा को समाप्त करने की अपील की गई। इस अवसर पर संस्था के निदेशक कन्हैया कुमार सिंह ने कहा, "बाल विवाह केवल एक सामाजिक कुप्रथा नहीं बल्कि बच्चों के अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। यह बच्चियों के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य को प्रभावित करता है तथा उन्हें कुपोषण, अशिक्षा और गरीबी के दुष्चक्र में धकेल देता है।" उन्होंने कहा कि सरकार, प्रशासन और समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी से यह अभियान एक व्यापक जन आंदोलन का रूप ले चुका है। सामूहिक प्रयासों से बाल विवाह मुक्त जहानाबाद और बाल विवाह मुक्त भारत का लक्ष्य अवश्य हासिल किया जा सकता है।अभियान के दौरान विद्यालयों, धार्मिक स्थलों और पंचायत स्तर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। धर्मगुरुओं, भोजन व्यवस्था करने वालों, सजावट करने वालों, विवाह भवन संचालकों तथा बैंड और घोड़ी सेवा देने वालों से भी अपील की गई कि वे बाल विवाह में किसी भी प्रकार का सहयोग न करें, क्योंकि बाल विवाह कानूनन दंडनीय अपराध है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सिकरिया पंचायत के कड़ौन गांव में महिला सशक्तिकरण और बाल अधिकारों के क्षेत्र में सराहनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम तटवासी समाज न्यास की कार्यकर्ता वैष्णवी केशरी की देखरेख में आयोजित किया गया। महिला सशक्तिकरण के लिए सहयोग करने वाली रिंकी मालाकार, रिंकू देवी, विपत्ति देवी, शीला देवी, नीतू कुमारी और शारदा देवी को सम्मान देकर उनके प्रयासों की सराहना की गई। इसके साथ ही बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता का संदेश देने के लिए एक कैंडल मार्च भी निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर समाज से बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने का संकल्प लिया।

महिला किसान बन रही हैं बिहार की कृषि शक्ति : राम कृपाल यादव

नई सोच एक्सप्रेस

बेगूसराय। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को बेगूसराय में कृषि विभाग (आत्मा) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बिहार सरकार के कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने जिले की प्रगतिशील महिला किसानों को सम्मानित किया। इस दौरान उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर कृषि क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने कहा कि बिहार की महिला किसान आज कृषि विकास की नई धुरी बनकर उभर रही हैं। वे पारंपरिक खेती के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाते हुए जैविक खेती, सब्जी उत्पादन, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन समेत कई कृषि आधारित गतिविधियों के माध्यम से आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है, वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में बिहार में महिलाओं को कृषि, स्वयं सहायता समूहों और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। राज्य सरकार कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। कृषि मंत्री ने कहा कि माताओं और बहनों का परिश्रम, धैर्य और समर्पण ही बिहार की कृषि को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आज राज्य की महिला किसान अपने नवाचार और मेहनत से पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन रही हैं। कार्यक्रम के अंत में मंत्री ने सम्मानित महिला किसानों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि महिला किसान जितनी मजबूत होंगी, उतनी ही मजबूत बिहार की कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था होगी।

रास वर्ल्ड मार्शल आर्ट्स के द्वारा महिला दिवस पर निकाली गई प्रभातफेरी

नई सोच एक्सप्रेस

मुजफ्फरपुर। आज दिनांक 8 मार्च 2026 (रविवार) को गोबरसही स्थित रास वर्ल्ड मार्शल आर्ट्स् क्लब से अतंरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रभातफेरी निकाली गई। इस प्रभातफेरी में रास वर्ल्ड के विभिन्न ब्रांचों से लगभग 200 से ज्यादा खिलाड़ी भाग लिए। साथ ही महिलाओं से संबंधित थिम पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमे की खिलाड़ियों ने महिलाओं की सुरक्षा, समानता व आत्मनिर्भरता के आधार पर पोस्टर बनाया जिसमें कि तीन बेस्ट पोस्टर चुना गया। जिसमें की नंदनी को प्रथम पुरस्कार, तवीशा केजरीवाल को द्वितीय पुरस्कार व दिक्षा को तृतीय पुरस्कार देकर रास वर्ल्ड के सीईओ शिहान ई. राहुल श्रीवास्तव द्वारा सम्मानित किया गया। इस प्रभातफेरी का मुख्य उद्देश्य यही था कि महिलाओं एवं लड़कियों को खेल के प्रति जागरूक करना व उन्हें स्वयं की आत्मरक्षा करने के योग्य बनाने के लिए प्रेरित करना प्रभातफेरी मुजफ्फरपुर के गोबरसही चौक से डुमरी रोड होते हुए यादवनगर, भगवानपुर, आइकन प्लाजा होते हुए रास वर्ल्ड, गोबरसही ब्रांच पर पहुंची। इस प्रभात फेरी में कई सारे चैंपियन खिलाड़ियों ने भी हिस्सा लिया जिन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए सवात् खेल में प्रथम पदक जीत कर वर्ल्ड चैंपियन का खिताब अपने नाम किया है। साथ ही सवात् खेल के वर्ल्ड रैंकर्स , एशियन मेडलिस्ट जैसे खिलाड़ी भी शामिल हुए व कई सारे अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय पदक विजेता कराटे व सवात् खिलाड़ी भी शामिल हुए। प्रभातफेरी को सीईओ शिहान ई० राहुल श्रीवास्तव, एमडी शिल्पी सोनम, ऐसोसिएट डॉयरेक्टर ओम प्रकाश, प्रियंका के द्वारा हरी झंडी दिखाकर प्रभातफेरी को रवाना किया गया। वहीं मौके पर उपस्थित रहे, प्रभात कुमार, सुनील कुमार, सूरज पंडित, उपासना आनंद, स्वीटी रॉय, रोहित प्रजापति व त्नू श्री।

खेलेगी बेटी खिलेगा देश।
रास वर्ल्ड का हैं उद्देश्य।।

जिलाधिकारी के नेतृत्व अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ

जहानाबाद मे उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओ को किया गया सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय की अध्यक्षता मे स्थानीय अब्दुलबारी नगर भवन मे भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी द्वारा विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया गया तथा आगत अतिथियों को पौधा एवं साल देकर स्वागत किया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राज्य संपोषित बालिका +2 उच्च विद्यालय, जहानाबाद की छात्राओं ने स्वागत गीत की प्रस्तुति किया।जिलाधिकारी ने अपने संबोधन मे सर्वप्रथम कार्यक्रम मे उपस्थित महिलाओ के साथ साथ समस्त महिलाओ को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामना दी तथा बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च को मनाया जाता है, जो महिलाओं के अधिकारों और उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाने का एक महत्वपूर्ण दिन है। यह दिन महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों को मान्यता देने के साथ-साथ महिलाओं के अधिकारों और समानता के लिए जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष कार्यक्रम का थीम "Give to Gain" रखा गया, जिसका उद्देश्य समाज में सहयोग, समर्पण और साझेदारी की भावना को बढ़ावा देते हुए महिलाओं के सशक्तिकरण को नई दिशा देना था। इस अवसर पर जिलाधिकारी एवं उप विकास आयुक्त ने अपने संबोधन में महिलाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आत्मनिर्भरता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समाज के समग्र विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और महिलाओं को सशक्त बनाकर ही एक सशक्त समाज एवं राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने विशेष रूप से बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के लिए समाज के सभी वर्गों को आगे आने का आह्वान किया तथा पड़ोस, मोहल्ला एवं गांव स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने भी महिला सशक्तिकरण, शिक्षा के प्रसार, स्वास्थ्य जागरूकता एवं सामाजिक समानता के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। सभी वक्ताओं ने महिलाओं की प्रतिभा, क्षमता और समाज निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महिलाओं के सशक्तिकरण से संबंधित एक प्रेरणादायक फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया, जिसने उपस्थित लोगों को काफी प्रेरित किया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग, खेल विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस ,जीविका तथा कला एवं संस्कृति विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं एवं बालिकाओं को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाली महिलाओं एवं बालिकाओं ने अपनी उपलब्धियों और अनुभवों को साझा करते हुए अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उक्त कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी के साथ साथ उप विकास आयुक्त, डॉ. प्रीति, जनता दल (यूनाइटेड) जिला अध्यक्ष सागर कुमार देव उर्फ दिलीप कुशवाहा, नगर परिषद की चेयरमैन रूपा कुमारी विनोद कुमार गुप्ता उपाध्यक्ष जिला नागरिक परिषद, अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, राजीव कुमार, अपर समाहर्ता, विशेष कार्यक्रम, तेज नारायण राय, अपर समाहर्ता, विभागीय जाँच विनय कुमार सिंह, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आईसीडीएस), रचना, सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, पूनम कुमारी, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, चाँदनी कुमारी, वरीय उप समाहर्ता सह जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी, निपुन कुमारी, मुख्य चिकित्सा जिला परियोजना प्रबंधक (महिला एवं बाल विकास निगम), प्रियंका सिंह सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में महिलाएं एवं बालिकाएं उपस्थित रहीं।

जहानाबाद की मिट्टी से निकलकर देशभर में चमक रही हैं ज़िला की बेटियां

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद। एक समय था कि ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों को खेल के मैदान में जाने की अनुमति नहीं थी। लेकिन अब वही बेटियां अपनी प्रतिभा के दम पर बड़े-बड़े शहरों में पहचान बना रही हैं और देश-प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। जहानाबाद की कई बेटियां आज रग्बी जैसे खेल में राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर नई मिसाल पेश कर रही हैं। दरअसल वर्ष 2018 में जहानाबाद में रग्बी कोच के रूप में अविनाश कुमार का चयन हुआ। इसके बाद उन्होंने गांव-गांव और घर-घर जाकर खिलाड़ियों के माता-पिता से संपर्क किया और उन्हें अपने बच्चों, खासकर बेटियों को खेल के मैदान में भेजने के लिए प्रेरित किया। उनकी मेहनत और समर्पण का ही परिणाम है कि आज जहानाबाद की कई महिला खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। पिछले आठ वर्षों में कोच अविनाश कुमार ने दर्जनों महिला खिलाड़ियों को राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं तक पहुंचाया है। इन खिलाड़ियों ने बिहार का प्रतिनिधित्व करते हुए कई प्रतियोगिताओं में स्वर्ण और रजत पदक जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया है। इन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में अमैन पंचायत के घोषी गांव की सलोनी कुमारी प्रमुख हैं। उन्होंने राष्ट्रीय अंडर-14 एसोसिएशन गेम्स में स्वर्ण पदक, राष्ट्रीय अंडर-17 एसजीएफआई प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक और खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भी स्वर्ण पदक जीतकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वहीं अमैन गांव की अनीता कुमारी ने राष्ट्रीय एसजीएफआई प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। इसके अलावा शापुर गांव की नंदनी कुमारी ने राष्ट्रीय अंडर-14 एसजीएफआई प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक और अंडर-15 राष्ट्रीय खेल में रजत पदक प्राप्त किया है। घोषी गांव की सुमन कुमारी ने भी राष्ट्रीय अंडर-14 एसजीएफआई प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। यह सभी खिलाड़ी जहानाबाद के मोहनपुर खेल मैदान में कोच के मार्गदर्शन में नियमित रूप से सुबह-शाम कड़ी मेहनत और अभ्यास करती रहती हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जहानाबाद वासियों को इन बेटियों की उपलब्धियों पर गर्व है। इन खिलाड़ियों की सफलता न सिर्फ जिले की अन्य बेटियों को प्रेरित कर रही हैं।

25 हजार के इनामी दुष्कर्म आरोपी को जहानाबाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद। पुलिस अधीक्षक अपराजित लोहान के नेतृत्व में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत महिला थाना कांड संख्या 39/17 के वांछित और 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने तकनीकी अनुसंधान और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सुबह करीब 4 बजे गया जिले के बेलागंज थाना क्षेत्र में छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शिवदहीन ठाकुर उम्र लगभग 40 वर्ष निवासी आजाद नगर थाना परस बिगहा जिला जहानाबाद के रूप में हुई है। उसके खिलाफ जहानाबाद महिला थाना में दुष्कर्म से संबंधित मामला दर्ज था और वह लंबे समय से फरार चल रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस मुख्यालय द्वारा 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। पुलिस के अनुसार आरोपी की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही थी। इसी क्रम में तकनीकी साक्ष्य और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने गया जिले के बेलागंज इलाके में छापेमारी कर उसे गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। इस सफल कार्रवाई में डीआईयू प्रभारी पु०अ०नि० विकास कुमार, महिला थाना अध्यक्ष सुचित्रि शर्मा, सअनि धनंजय कुमार, सअनि गौतम कुमार सहित डीआईयू की टीम और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। वहीं टीम के अन्य सदस्यों में बीएचजी-171576 कुमार शशिलाल और बीएचजी-171468 प्रेम रंजन कुमार ने भी अहम भूमिका निभायी। पुलिस अधीक्षक अपराजित लोहान ने टीम की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि जिले में अपराध और अपराधियों के खिलाफ लगातार सख्त अभियान चलाया जा रहा है। फरार चल रहे अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और कानून से भागने वालों को जल्द गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। जहानाबाद पुलिस की इस कार्रवाई से जहां आम लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है।

देश राज्यों से बड़ी खबरें

!! अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस!!

1 UAE,सऊदी, जॉर्डन में अमेरिकी THAAD डिफेंस-सिस्टम पर ईरानी हमला,जॉर्डन वाला सिस्टम तबाह, कीमत 22 हजार करोड़;अमेरिका के पास ऐसे सिर्फ 7 सिस्टम

2 ईरान बोलाःअमेरिकी जहाज फारस की खाड़ी में डुबा देंगे,ट्रम्प का दावाःअबतक 42 ईरानी वॉरशिप डुबोए;इजराइल ने 16 मिलिट्री प्लेन गिराए

3 इजराइल ने रात भर ईरान को मिसाइलों से दहलाया,तेल डिपो में लगी भयंकर आग, कई लड़ाकू विमान भी तबाह

4 नेपाल में शांतिपूर्ण चुनाव पर पीएम मोदी ने दी बधाई,बोलेः शांति-समृद्धि के लिए मिलकर काम करेगा भारत

5 बंगाल में कॉन्फ्रेंस की जगह बदलने पर राष्ट्रपति नाराज,बोलीं राज्य सरकार आदिवासियों का भला नहीं चाहती;पीएम बोलेःयह शर्मनाक, ऐसा कभी नहीं हुआ

6 TMC ने पार की सारी हदें! राष्ट्रपति का अपमान चिंताजनक;द्रौपदी मुर्मू के कार्यक्रम की अनदेखी करने पर बोले PM मोदी

7 भाजपा इतना नीचे गिर गई कि बदनाम करने के लिए राष्ट्रपति का इस्तेमाल कर रहीःममता बनर्जी

8 पीएम मोदी आज दिल्ली में 33,500 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन-शिलान्यास करेंगे,मेट्रो के 2 नए कॉरिडोर जनता को सौंपेंगे,3 कॉरिडोर की आधारशिला रखेंगे

9 स्पीकर के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा से शुरू होगा बजट सत्र का दूसरा चरण,हंगामे के पूरे आसार

10 52,000 से ज्यादा भारतीय खाड़ी देशों से लौटे,32,107 भारतीय एयरलाइंस,बाकी विदेशी कमर्शियल फ्लाइट्स और नॉन-शेड्यूल्ड उड़ानों के जरिए वापस आए

11 देश में 33,577 बच्चे लापता,बंगाल टॉप नंबर पर,7 राज्यों में बच्चों के गुम होने का कोई मामला नहीं,महिला व बाल विकास मंत्रालय की रिपोर्ट

12 राहुल बोलेःनेता नहीं होता,तो एयरोस्पेस कारोबारी होता,चीन की तारीफ में कहाःइसका इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन सिस्टम बेजोड़,लेकिन वह लोकतांत्रिक देश नहीं है

13 भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे,सरकार ने होर्मुज रूट प्रभावित होने पर नए रास्तों से कच्चे तेल की सप्लाई 10% बढ़ाई

14 ईरान-इजराइल जंग से कच्चा तेल एक हफ्ते में 27% महंगा,कीमत 92 डॉलर प्रति बैरल के पार;वजह-होर्मुज रूट प्रभावित होने से 20% ग्लोबल सप्लाई पर असर

15 फाइनल आज IND vs NZ,भारत जीता तो टाइटल डिफेंड करने वाली पहली टीम बनेगी, टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड से कभी नहीं जीती

16 जरूरी सामान का स्टॉक न करें, बाजार में पर्याप्त आपूर्ति,UAE सरकार की अपील

17 इजरायली हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 394 हुईःलेबनान

18 लितानी नदी के दक्षिण से तुरंत खाली करें इलाका,IDF की लेबनान के लोगों को चेतावनी

19 IND vs NZः टीम इंडिया का बड़ा फैसला,फाइनल में नहीं होगा कोई बदलाव

20 वाराणसीः महिला दिवस पर विश्वनाथ मंदिर में महिलाओं को मिला VIP ट्रीटमेंट

21 जेडीयू जॉइन करने के बाद सीएम हाउस पहुंचे निशांत, पिता नीतीश कुमार से की मुलाकात

22 उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह के हेलिकॉप्टर की श्रीनगर पौड़ी' में हुई इमरजेंसी लैंडिंग

23 हम अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत आत्मरक्षा के अपने अधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैंःईरान

24 ये राष्ट्रपति नहीं, संविधान का अपमान...प्रोटोकॉल उल्लंघन पर PM मोदी ने फिर ममता सरकार को घेरा

25 खामेनेई के हर उत्तराधिकारी का पीछा करते रहेंगेःइजरायली सेना

26 बिहारःनिशांत कुमार ने जेडीयू की सदस्यता ली,एक्टिव पॉलिटिक्स में हुई एंट्री

27 मौलाना की टिप्पणी के बाद UP के कई जिलों में लोगों का उग्र प्रदर्शन,पुलिस मुख्यालय हुआ अलर्ट

28 दुश्मन ईरान को युद्ध में फंसाना चाहता है,किसी को भी एक इंच जमीन नहीं लेने देंगेःईरानी राष्ट्रपति

29 गुरुग्राम के कार शोरूम पर ताबड़तोड़ फायरिंग,गैंगस्टर हिमांशु भाऊ से जुड़े तार!

30 ईरान के न्यूक्लियर स्टॉक को जब्त करने के लिए स्पेशल फोर्स भेजने पर विचार कर रहा है अमेरिका

31 रीवा एक्सप्रेस में आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज पर जानलेवा हमला,हुए जख्मी

32 ईरान ने शुरू किया ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4,निशाने पर अमेरिकी-इजरायली ठिकाने

33 तेहरान के निलोफर स्क्वायर इलाके में US-इजरायली हमले में 20 ईरानी नागरिकों की मौत

34 इजरायल ने ईरानी कुद्स फोर्स के लेबनान कॉर्प्स के प्रमुख कमांडरों को निशाना बनाकर बेरूत में किया हमला

35 कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ड्रोन से हमला

36 नॉर्वेःओस्लो में अमेरिकी दूतावास के पास जोरदार धमाका

37 दुबई में हुए ईरानी ड्रोन हमले में पाकिस्तानी नागरिक की मौत

38 ईरान ने बहरीन पोर्ट को निशाना बनाया,वहां लगी आग को अब बुझाया जा रहा

39 ईरान जंग पर बोले इजरायल के UN राजदूतःयह कोई लंबा युद्ध नहीं होगा

40 तेहरान के फ्यूल डिपो पर इजरायली अटैक,रिफाइनरी में लगी भयानक आग

संक्षिप्त समाचार

चैती छठ 2026,पांच करोड़ में तैयार होंगे पटना के घाट

» 1.72 करोड़ का बजट तय, 20 मार्च तक काम पूरा करने का डेडलाइन

पटना। चैती छठ 2026 की शुरूआत 22 मार्च से हो रही है। इसे लेकर पटना नगर निगम ने भी अपनी कमर कस ली है। 20 मार्च तक घाटों को तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें 5 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।शहर के विभिन्न अंचलों में घाटों की सफाई, सुरक्षा और सुंदरीकरण होगा। तैयारियों के तहत घाटों पर अस्थायी बैरिकेडिंग, दलदली क्षेत्रों में बालू भराई, बांस की चाली बिछाने, लाइटिंग आदि की व्यवस्था की जाएगी।नगर निगम की ओर से टेंडर प्रक्रिया चल रही है। घाट निर्माण के साथ साज-सज्जा, अतिरिक्त लाइटिंग और पार्किंग जैसे कामों को 22 मार्च तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा।पाटलिपुत्र अंचल में चैती छठ की तैयारियां सबसे बड़े पैमाने पर की जा रही हैं। इस अंचल के प्रमुख घाटों के लिए 1 करोड़ 72 लाख रुपये का बजट निर्धारित किया गया है।इसके तहत पाटीपुल पूर्वी व पश्चिमी घाट, कलेक्ट्रेट घाट, बांसघाट, एलसीटी घाट और घाट संख्या 93, 88 और 83 पर विशेष सुधार कार्य कराए जाएंगे। अजीमाबाद अंचल के गाय घाट, सीढ़ी घाट और महाराज घाट से लेकर पटना सिटी के कंगन घाट व अन्य को तैयार किया जाएगा। कंकड़बाग अंचल में पार्कों के भीतर बने तालाबों को व्रतियों के लिए तैयार किया जाएगा।इसके साथ ही नूतन राजधानी अंचल के महुआबाग, बीएमपी-5, पटना जू, मानिकचंद तालाब, पंच मंदिर, बेउर और अदालतगंज तालाब जैसे प्रमुख के लिए करीब 72 लाख रुपये रुपये खर्च किए जाएंगे।बांकीपुर अंचल के अंतर्गत आने वाले गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 97 लाख 79 हजार रुपए की योजना बनाई गई है। इसमें काली घाट, कदम घाट, पटना कॉलेज घाट, गांधी घाट और लॉ कॉलेज घाट जैसे महत्वपूर्ण स्थल शामिल हैं।काली घाट से लेकर पथरी घाट तक के पूरे स्ट्रेच को एलइडी लाइट्स से रोशन किया जाएगा। इसके साथ ही कदम घाट से चौधरी टोला घाट के बीच स्थित सभी सार्वजनिक शौचालयों की मरम्मत और सफाई का जिम्मा भी लिया गया है।

भारत-थाईलैंड बॉल बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भारतीय बॉल बैडमिंटन टीम में आरती का चयन

पटना। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक व पटाया शहर में 11 से 15 मार्च तक आयोजित होने वाली भारत-थाईलैंड अंतरराष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन श्रृंखला में भाग लेने वाली भारतीय महिला बॉल बैडमिंटन टीम में बिहार की आरती कुमारी का चयन किया गया है। इस बात की जानकारी देते भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष -सह- बिहार विधान परिषद सदस्य प्रो.नवल किशोर यादव ने बताया कि बिहार की आरती कुमारी का चयन डिंडीगुल(तमिलनाडु)में आयोजित 71वीं सीनियर राष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप एवं दिल्ली में आयोजित भारतीय बॉल बैडमिंटन टीम के चयन के लिए आयोजित चयन प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। पटना की रहने वाली आरती कुमारी 2010 से बॉल बैडमिंटन खेल रही है। अबतक की अवधि में आरती कुमारी कई राष्ट्रीय विद्यालय, राष्ट्रीय सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग सहित कई प्रतियोगिताओं में सहभागिता कर चुकी है। आरती भारतीय बॉल बैडमिंटन टीम में लेफ्ट फ्रंट खिलाड़ी की भूमिका निभाएगी। ज्ञातव्य हो कि भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ के संयुक्त सचिव -सह- बिहार बॉल बैडमिंटन संघ के सचिव गौरी शंकर को भारतीय महिला बॉल बैडमिंटन टीम का तीसरी बार प्रशिक्षक नियुक्त किया गया है। भारतीय बॉल बैडमिंटन टीम में आरती को शामिल किये जाने पर भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो.नवल किशोर यादव, उपाध्यक्ष प्रो.सुहेली मेहता,मिथलेश कुमार मंडल, संघ के निदेशक पवन कुमार केजरीवाल, संयुक्त सचिव मिताली मित्रा, रंजन गुप्ता, राकेश रंजन, संयोजक डॉ.अरुण दयाल,अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दीपक प्रकाश रंजन सहित अनेक खेलप्रेमियों ने बधाई दी है। भारतीय बॉल बैडमिंटन टीम 10 मार्च को कोलकाता से बैंकॉक (थाईलैंड) के लिए प्रस्थान करेगी।

नगर भ्रमण में झूम उठे श्रद्धालु, भक्ति गीतों और जयकारों से गूंजा ढोंढी मधनियां क्षेत्र

चतरा (मयूरहंड)। प्रखंड अंतर्गत ढोंढी–मधनियां क्षेत्र में आयोजित हनुमान प्राण प्रतिष्ठा 108 कुंडीय यज्ञ के अवसर पर रविवार को अखाड़े का भव्य नगर भ्रमण निकाला गया। नगर भ्रमण में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महिलाओं, युवाओं तथा बच्चों ने भक्ति गीतों पर झूमते हुए भगवान के जयकारे लगाए, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया। नगर भ्रमण की शुरुआत दुर्गा मंडप से की गई, जो महावीर खड़ा, नीम चौक मधनियां, महावीर मंडा, शिवाला समेत विभिन्न प्रमुख स्थलों एवं अखाड़ों का भ्रमण करते हुए आगे बढ़ता रहा। श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों और भक्ति गीतों की धुन पर नाचते-गाते हुए भगवान हनुमान के जयकारे लगाते चल रहे थे। रास्ते भर ग्रामीणों ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया और भगवान की पूजा-अर्चना की। नगर भ्रमण के दौरान कई स्थानों पर अखाड़ा दलों द्वारा पारंपरिक करतब और प्रदर्शन भी किया गया, जिसे देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखा गया नगर भ्रमण के बाद सभी श्रद्धालु पुनः यज्ञ मंडप पहुंचे, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संध्या आरती का आयोजन किया गया। आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय ग्रामीणों, युवाओं और पूजा समिति के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे, जिससे पूरा मधनियां क्षेत्र भक्तिमय वातावरण से गूंजता रहा

मोरहर नदी के पुराने स्वरूप और अविरल धारा बनाए रखने के लिए न्यायालय का दिया आदेश भी हो रहा बेअसर

3 वर्ष पहले मोरहर नदी से गाद उड़ाही, तटबंध की मरम्मत तथा सुलिस गेट खोलने को लेकर पटना उच्च न्यायालय ने पारित किया था आदेश

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद। बिहार की प्रमुख नदियों में से एक मोरहर नदी अपने अस्तित्व की रक्षा को लेकर बेबस है। जिले के आधा दर्जन नदियों की जननी मोरहर नदी जहानाबाद जिले के अपने 35 किलोमीटर के प्रवाह क्षेत्र में दिनों- दिन सिमटी और सिकुड़ती जा रही है। जहानाबाद जिले में प्रवाहित इस नदी के दोनों छोर पर बसावट वाले इलाके में एक ओर पेयजल और सिंचाई की समस्या दिनों दिन गहराती जा रही है, वहीं बरसात के दिनों में नदी अपने मूल स्वरूप को छोड़कर खेतों से प्रवाहित होने को विवश होती है, जिसके कारण जहानाबाद जिले के लगभग 20 गांव में बाढ़ का संकट बना रहता है। हालांकि इस संबंध में मोरहर नदी बचाव आंदोलन से जुड़े प्रमुख लोगों में से एक ने पटना उच्च न्यायालय में लोकहित याचिका दायर कर इस संबंध में न्यायालय से हस्तक्षेप की मांग की थी। इस मामले में सुनवाई के दौरान पटना उच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजय करोल एवं न्यायमूर्ति पार्थ सारथी की 2 सदस्यीय खंडपीठ ने आदेश पारित करते हुए यह निर्देश दिया था कि जहानाबाद जिले में बहने वाली मोरहर नदी के 35 किलोमीटर क्षेत्रफल में गाद की निकासी, तटबंध की मरम्मती एवं रतनी प्रखंड के सम्मत बिगहा के पास बने सुलिस गेट को 3 माह के अंदर खोलकर इसकी सूचना न्यायालय को दिया जाए। न्यायालय के द्वारा दिए गए आदेश को 3 वर्ष बीत जाने के बावजूद भी ना तो इसकी शुद्धि सिंचाई विभाग को रही और न ही जिला प्रशासन को। मोरहर नदी की समस्या से बिहार के मुख्य सचिव को कराया गया अवगतः- मोरहर नदी बचाव आंदोलन से जुड़ी लोजपा नेत्री डॉक्टर इंदु कश्यप ने बिहार के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर न्यायालय के आदेश का अनुपालन करने तथा मोरहर नदी के अविरल धारा के लिए जरूरी गाद उड़ाही एवं तटबंध की मरम्मती तथा नदी के पूर्वी छोर पर सड़क का निर्माण करने के लिए इस वर्ष 28 फरवरी को पत्र लिखी है। उन्होंने इस आशय की जानकारी देते हुए बताया कि इस पत्र की प्रतिलिपि जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव, जहानाबाद जिले के जिला पदाधिकारी, जिला सिंचाई प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता, बाढ़ नियंत्रण एवं जल निस्सरण प्रमंडल, एकंगरसराय के कार्यपालक अभियंता को प्रेषित किया गया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि उनके पत्र पर अगर सरकार के स्तर पर कार्रवाई नहीं हुई तो वे न्यायालय में अवमानना याचिका दायर करेंगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि जिले के दर्जनों गांव के हजारों लोगों को बाढ़ और सुखाड़ की विभीषिका झेलने के लिए नहीं छोड़ सकते। उन्होंने कहा कि इसके लिए जो भी जरूरी कदम उठाना होगा वे करेंगी। साथ ही उन्होंने दोहराया कि इसके लिए सड़क से सदन तक आंदोलन भी करने को तैयार हैं। जैसा कि ज्ञात हो कि जहानाबाद जिले में प्रवाहित होने वाले मोरहर नदी की दुर्दशा के कारण बरसात के महीना में बाढ़ के पानी की समस्या से लोगों को जूझना पड़ता है। सम्मत बिगहा गांव के पास बियर बनाने के नाम पर नदी के जलधारा को पूरी तरह से बांध दिया गया है, जिसके कारण वर्षा ऋतु में नदी का प्रवाह खेतों से होकर गुजरने लगता है। बाढ़ की विभीषिका से रतनी एवं जहानाबाद प्रखंड के दर्जनों गांव में जल प्लावन की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इस समस्या से जहानाबाद तथा रतनी प्रखंड के दो दर्जन से अधिक गांव में पिछले वर्षों से अधिक समय से धान का फसल बाढ़ के पानी के कारण नष्ट हो जा रहा है। मोरहर नदी के तल में गाद जमा रहने और तटबंध के मरम्मत कई दशकों से नहीं होने के कारण नदी के दोनों छोर पर अतिक्रमण तेजी से फैला और धीरे-धीरे नदी जो काफी गहरी थी वह आहार के शक्ल में संकीर्ण और छीछला रह गई है जबकि मोरहर नदी से जहानाबाद जिले में प्रवाहित होने वाले प्रमुख सहायक नदियों जिसमें बलदइया, जमुनैया, दरधा, गंगहर आदि शामिल है उनकी स्थिति कहीं मोरहर नदी से बेहतर है। हालांकि इन नदियों में भी अतिक्रमण और गाद की समस्या रही है जिसके कारण जिले में बाढ़ की समस्या हर वर्ष बनी रहती है। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में नदी के अतिक्रमण हटाने हेतु संबंधित अंचल अधिकारी को निर्देशित किया गया है और नदी के गाद निकाल कर पूर्वी भाग से रोड की संरचना तैयार करने हेतु कार्यपालक अभियंता बाढ़ एवं निस्तरण प्रमंडल एकंगर सराय नालंदा को आदेश दिया गया है लेकिन इस संबंध में अग्रेसर कोई कार्रवाई की सूचना नहीं है।

केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्र ने 25 महिला पंप संचालकों को किया गया सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। जल महोत्सव पखवाड़ा के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजकीय मध्य विद्यालय, फकुली घाट, कुढ़नी में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण प्रमंडल, मोतीपुर एवं मुजफ्फरपुर द्वारा किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय राज्य मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार डॉ. राज भूषण चौधरी एवं स्थानीय विधायक केदार प्रसाद गुप्ता द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर जल भरण कलश में जल डालकर जल स्रोतों के पुनर्भरण (रीचार्ज) का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान नल पर रक्षा सूत्र बांधकरजल-बंधनद्ध के माध्यम से जल स्रोतों के संरक्षण और जल बचाने का सामूहिक संकल्प भी दोहराया गया।इस अवसर पर माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. राज भूषण चौधरी ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि शौचालय निर्माण से लेकर जल जीवन मिशन तक की योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में बड़ा सकारात्मक परिवर्तन लाया है। घर-घर स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से महिलाओं का समय और श्रम दोनों की बचत हुई है तथा उनके जीवन स्तर में सुधार आया है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा संचालित हर घर नल का जल योजना की सराहना करते हुए कहा कि इस योजना ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। साथ ही लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की भी उन्होंने प्रशंसा की।कार्यक्रम के दौरान मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत कार्यरत 25 महिला पंप चालिकाओं को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. राज भूषण चौधरी एवं माननीय विधायक श्री केदार प्रसाद गुप्ता द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर जल जीवन मिशन के अंतर्गत पेयजल योजनाओं की प्रगति पर प्रस्तुति दी गई तथा जल-चौपाल और जन-संवाद के माध्यम से लोगों को स्वच्छ जल, जल संरक्षण एवं जल स्रोतों के संवर्धन के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, भारत सरकार तथा लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग,बिहार के पदाधिकारी, पंचायत जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

राजस्व से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं : विजय

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। उपमुख्यमंत्री सह मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि राजस्व से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भू-लगान वसूली, दाखिल-खारिज, परिमार्जन और ई-मापी जैसे कार्य सीधे आम जनता से जुड़े हैं, इसलिए इनका समयबद्ध और पारदर्शी निष्पादन हर हाल में सुनिश्चित करना होगा।उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार की मंशा है कि आम लोगों को अंचल कार्यालयों में बिना भटकाव के समय पर सेवा मिले। जो अधिकारी या कर्मचारी जनता के काम में अनावश्यक देरी करेंगे या लापरवाही बरतेंगे, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं बेहतर काम करने वालों को हर स्तर पर प्रोत्साहित भी किया जाएगा।राजस्व कार्यों में ढिलाई बर्दाश्त नहीं, लगान वसूली से लेकर दाखिल-खारिज तक समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करें। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के प्रधान सचिव सी.के. अनिल की अध्यक्षता में रविवार को स्थानीय अधिवेशन भवन में सभी अंचलाधिकारियों की उपस्थिति में महत्वपूर्ण विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में भू-लगान वसूली, दाखिल-खारिज, परिमार्जन प्लस तथा ई-मापी से संबंधित लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।प्रधान सचिव अनिल ने स्पष्ट कहा कि भू-लगान वसूली सरकार की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में शामिल है और इसका निर्धारित लक्ष्य हर हाल में पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लगान वसूली में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। इस दौरान उन्होंने लगान वसूली में अच्छा करने वाले अंचलाधिकारियों की तारीफ भी की। उन्होंने इसके साथ ही दाखिल-खारिज के लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर तेजी से निष्पादित करने, परिमार्जन के मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने और ई-मापी की प्रक्रिया को तय समय सीमा के भीतर पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया।उन्होंने कहा कि बेहतर कार्य निष्पादन के लिए सकारात्मक और सुविधाजनक कार्य वातावरण आवश्यक है। इसी उद्देश्य से अंचल कार्यालयों के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं के मद में राशि उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने सभी अंचलाधिकारियों को निर्देश दिया कि उपलब्ध कराई गई राशि का उपयोग कार्यालयी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में अवश्य करें, ताकि कर्मचारियों को बेहतर वातावरण में काम करने का अवसर मिल सके और आम लोगों के कार्य समय पर हो सकें।बैठक में सचिव जय सिंह ने कहा कि राजस्व प्रशासन को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए डिजिटल डायरी की व्यवस्था लागू की जा रही है। यह डायरी राजस्व कर्मचारियों और अमीनों दोनों के लिए होगी, जिसमें उनके द्वारा प्रतिदिन किए जाने वाले कार्यों का पूरा विवरण दर्ज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अंचलाधिकारी की जिम्मेदारी होगी कि वे प्रतिदिन इन डायरियों का अवलोकन करें, ताकि कार्यों की नियमित निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।सचिव गोपाल मीणा ने बैठक में कहा कि जनशिकायत पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का त्वरित और प्रभावी समाधान किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समय सीमा के भीतर निष्पादित किया जाए। इसके साथ ही माननीय उपमुख्यमंत्री के जनसंवाद कार्यक्रम से संबंधित शिकायतों का भी गंभीरता से संज्ञान लेते हुए शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने यह भी कहा कि सोमवार, शुक्रवार और शनिवार को प्राप्त होने वाली शिकायतों पर विशेष रूप से प्राथमिकता देकर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि यदि शिकायतों का समय पर समाधान किया जाएगा तो अनावश्यक विवाद और असंतोष की स्थिति कम होगी तथा अधिकारियों और कर्मचारियों को बेहतर वातावरण में कार्य करने का अवसर मिलेगा।बैठक की शुरूआत विभागीय प्रस्तुतीकरण के साथ हुई। इस दौरान भू-लगान वसूली के लक्ष्य के आधार पर राज्य के शीर्ष 50 अंचलों और सबसे कम प्रदर्शन करने वाले 50 अंचलों की वर्तमान स्थिति को आंकड़ों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त दाखिल-खारिज, परिमार्जन प्लस और ई-मापी के मामलों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 50 अंचलों तथा कमजोर प्रदर्शन करने वाले 50 अंचलों की स्थिति भी विस्तृत डाटा के साथ अधिकारियों के समक्ष रखी गई।

अस्मिता महिला रोड साइक्लिंग में बिहार बना ओवरऑल चैम्पियन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के देख रेख मे साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ बिहार द्वारा पटना के जेपी गंगा पथ पर दो दिवसीय अस्मिता खेलो इंडिया महिला रोड साइक्लिंग लीग (पूर्वी क्षेत्र) आज अन्तिम दिन 22 अंक के साथ बिहार ओवरऑल विजेता बना वहीं 16 अंक प्राप्त कर झारखंड उप विजेता बनी। आज संपन्न हुए टाइम ट्रायल के सब जूनियर वर्ग के 18 किलोमीटर स्पर्धा में पिंकी कुमारी प्रथम स्थान (झारखंड), मिनी द्वितीय स्थान (असम), सुप्रिया कुमारी (बिहार)ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि मास स्टार्ट सब-जूनियर 20 किलोमीटर स्पर्धा में मिनी प्रथम स्थान (असम), पिंकी कुमारी द्वितीय स्थान (झारखंड) एवं बिहार की सुप्रिया कुमारी तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। जबकि महिला ओपन के टाइम ट्रायल 10 किलोमीटर स्पर्धा में मनिषा साडो प्रथम स्थान (ओडिशा),बिहार की गुड़िया कुमारी ने द्वितीय स्थान एवं सृष्टि कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं महिला ओपन 18 किलोमीटर मास स्टार्ट में गुड़िया कुमारी प्रथम स्थान (बिहार),मनिषा साडो द्वितीय स्थान (ओडिशा), शिष्टी कुमारी तृतीय स्थान (बिहार) ने हासिल किया। जबकि महिला एलिट के 12 टाइम ट्रायल स्पर्धा में बिहार की सुहानी कुमारी प्रथम स्थान, लक्ष्मी कुमारी (झारखंड) दूसरे स्थान एवं उत्तर प्रदेश की कुसुम लता राठोड़ तीसरे स्थान पर रही। वहीं मास स्टार्ट 18 किलोमीटर में सुहानी कुमारी प्रथम स्थान (बिहार), लक्ष्मी कुमारी द्वितीय स्थान (झारखंड), प्रियांशु कुमारी तृतीय स्थान (बिहार) को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के समापन के उपरांत विजेता खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि पटना नगर निगम की उपमेयर रश्मि चंद्रवंशी एवं विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.सारिका राय द्वारा पुरस्कृत किया। अतिथियों का स्वागत एसोसिएशन के अध्यक्ष जगजीवन सिंह ने एवं धन्यवाद ज्ञापन सचिव डॉ कौशल किशोर सिंह ने किया। इस अवसर पर संघ के उपाध्यक्ष विक्रम आदित्य,कोषाध्यक्ष निकी कुमारी, विनित कुमार,बिहार बॉल बैडमिंटन संघ के सचिव गौरी शंकर, ज्योति कुमार, डीआरपीएसपीएम की सहायक प्राध्यापिका मिताली मित्रा,लीना तिवारी, शारीरिक शिक्षक कन्हैया कुमार,पूर्णिया जिला साइक्लिंग संघ के सचिव विजय शंकर, वैशाली जिला साइक्लिंग संघ के सचिव तेज नारायण,आशिष कुशवाहा,संतोष कुमार,सन्नी मेहता,श्याम कुमार झा एवं सुमेर रंजन सहित अनेक खेलप्रेमी उपस्थित थे।

पटना जिला सीनियर डिवीजन क्रिकेट लीग में अमर सीसी की रोमांचक जीत

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। पटना जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में खेली जा रही अधिकारी मदन मोहन प्रसाद मेमोरियल पटना जिला सीनियर डिवीजन क्रिकेट लीग के मुकाबले में अमर सीसी ने सिटी स्टूडेंट क्लब को बेहद रोमांचक मुकाबले में दो रन से पराजित कर दिया।स्थानीय जेनेक्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए इस मैच में अमर सीसी ने टॉस जीत कर पहले बैटिंग करते हुए 31.4 ओवर में सभी विकेट खोकर 158 रन बनाये। जवाब में सिटी स्टूडेंट क्लब की टीम 32 ओवर में 156 रन पर ऑल आउट हो गई। विजेता टीम के आर्यमन सिंह को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अमर सीसी की टीम ने 31.4 ओवर में 158 रन बनाए। टीम की ओर से तपीश कुमार ने सबसे ज्यादा 48 रन की पारी खेली। उन्होंने 58 गेंदों का सामना करते हुए चार चौके और तीन छक्के लगाए। अभिषेक कुमार ने 31 गेंदों पर 35 रन बनाए जबकि कप्तान रवि शंकर ने 15 रन का योगदान दिया। अतिरिक्त के रूप में टीम को 19 रन मिले और पूरी टीम 158 रन पर सिमट गई।सिटी स्टूडेंट क्लब की ओर से गेंदबाजी में प्रज्वल सबसे सफल रहे। उन्होंने सात ओवर में 28 रन देकर चार विकेट झटके। आदित्य प्रकाश ने दो विकेट हासिल किए जबकि सुधांशु जय रंजन और राहुल कुमार को एक-एक सफलता मिली।

बिहार ग्रामीण बैंक महिला बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट की आयोजन हुआ

नई सोच एक्सप्रेस

आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, बिहार ग्रामीण बैंक ने महिला बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया| इस पहल का उद्देश्य खेल के माध्यम से महिलाओं के बीच टीम भावना और उत्साह को बढ़ावा देना है.

टूर्नामेंट की मुख्य विशेषताएं:

टीमें: कुल 8 जिले की टीमें भाग ली है |

सेमी फाइनल :1: सीतामढ़ी और पटना का विजेता पटना और

सेमी फाइनल:2: गया और पूर्णिया का विजेता पूर्णिया रहा|

फाइनल में गया और पटना के बीच मैच हुआ जिसके विजेता पूर्णिया टीम रही|

वीमेन ऑफ़ दी मैच :- लीपाँग (पूर्णिया)

वीमेन ऑफ़ दी सीरीज :- स्वेता (गया) रही बिहार ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष मुकुल सहाय विशिष्ट अतिथि भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक सुजीत कुमार अरविन्द एवं डी जी एँम प्रभात कुमार ने विजेताओं एवं अन्य को पुरस्कार का वितरण किया| जबकि विशिष्ट अतिथि सपना और रितु पाण्डेय ने सभी खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया|

अध्यक्ष श्री मुकुल सहाय ने कहा कि

खेल हमें टीम वर्क, अनुशासन और हार न मानने का हुनर सिखाता है। मुझे गर्व है कि बिहार ग्रामीण बैंक परिवार की महिलाएँ न केवल बैंक की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ कर रही हैं, बल्कि अपनी फिटनेस और मानसिक मजबूती के लिए खेलों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। याद रखिए, मैदान पर जीतना ज़रूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा ज़रूरी है खेल का आनंद लेना और एक-दूसरे का उत्साह बढ़ाना।"

छात्राओं और महिलाओं की सुरक्षा के लिए अभया ब्रिगेड तैनात, मनचलों पर सख्त कार्रवाई होगी - अपराजित लोहान

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले में महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल की गई। इस अवसर पर अभया ब्रिगेड वाहन को पुलिस अधीक्षक अपराजित लोहान, जिलाधिकारी अलंकृता पाण्डेय तथा उप विकास आयुक्त डॉ.प्रीति द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह पहल खास तौर पर छात्राओं और महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई है। अभया ब्रिगेड वाहन शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार गश्त कर मनचलों और असामाजिक तत्वों पर नजर रखेगा तथा किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या उत्पीड़न की घटना होने पर तुरंत कार्रवाई करेगा। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अपराजित लोहान ने कहा कि अभया ब्रिगेड वाहन का मुख्य उद्देश्य उन मनचलों पर सख्त कार्रवाई करना है जो छात्राओं और महिलाओं के साथ छेड़छाड़ या अभद्र व्यवहार करते हैं। उन्होंने कहा कि अक्सर देखा जाता है कि स्कूल, कॉलेज या कोचिंग संस्थानों में पढ़ने जाने वाली छात्राओं को रास्ते में कुछ असामाजिक तत्व परेशान करते हैं। ऐसे मामलों पर अब त्वरित कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने स्पष्ट कहा कि अभया ब्रिगेड टीम ऐसे स्थानों पर विशेष निगरानी रखेगी, जहां छात्राओं और महिलाओं की अधिक आवाजाही रहती है, जैसे स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थान, बाजार और सार्वजनिक स्थल। यदि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या उत्पीड़न की शिकायत मिलती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। अभया ब्रिगेड वाहन के माध्यम से महिलाओं और छात्राओं को सुरक्षित माहौल देने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि वे बिना किसी डर के अपनी पढ़ाई और अन्य कार्यों के लिए घर से बाहर निकल सकें। उप विकास आयुक्त डॉ.प्रीति ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए समाज के सभी वर्गों को आगे आना चाहिए। प्रशासन द्वारा की जा रही इस पहल से निश्चित रूप से महिलाओं में सुरक्षा की भावना और मजबूत होगी। अभया ब्रिगेड वाहन के संचालन से यह उम्मीद जतायी जा रही है कि जिले में मनचलों पर प्रभावी अंकुश लगेगा और छात्राओं व महिलाओं को एक सुरक्षित वातावरण मिल सकेगा।

फराह ने जारी किया कुकिंग, मस्ती और इमोशन से भरा वीडियो

हाल ही में बॉलीवुड की जानी-मानी निर्देशक और कोरियोग्राफर फराह खान ने एक नया वीडियो जारी किया, जिसमें वह अभिनेत्री सनी लियोन के शानदार घर पर नजर आ रही हैं। यह वीडियो लग्जरी होम टूर के साथ-साथ सनी की इमोशनल मदरहुड जर्नी और उनकी बेटी निशा की क्रिएटिव इन्वेंशन को भी दिखाता है। वीडियो में सनी लियोन फराह खान के लिए कुकिंग भी करती दिखाई देती हैं। उन्होंने फैंस के साथ अपना स्पेशल लेमन बटर पास्ता बनाने की रेसिपी शेयर की। वहीं दूसरी ओर, फराह के कुक दिलीप कुमार और सनी के पति डेनियल वेबर के बीच एक फनी रेसलिंग फाइट भी देखने को मिलती है, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। पूरे व्लॉग में सनी के घर में कॉमेडी, मजेदार बातचीत, कुकिंग और चिल्ड्रन मोमेंट्स का जबरदस्त मिश्रण नजर आता है। फराह खान के व्लॉग्स में कुक दिलीप कुमार अपनी अलग पहचान बना चुके हैं और सोशल मीडिया स्टार बन गए हैं। अक्सर फराह और दिलीप की नोकझोंक और मजेदार बातचीत दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान ला देती है। फिल्मों की बात करें तो फराह खान ने मैं हूं ना, ओम शांति ओम और हैप्पी न्यू ईयर जैसी सुपरहिट फिल्मों का निर्देशन किया है और अपने करियर में 80 से ज्यादा फिल्मों तथा 100 से अधिक गानों की कोरियोग्राफी कर चुकी हैं। वहीं, सनी लियोन की बात करें तो वह कनाडा-अमेरिकी मूल की अभिनेत्री और मॉडल हैं, जिन्होंने रियलिटी शो बिग बॉस के जरिए भारत में पहचान बनाई। 2012 में आई फिल्म जिस्म 2 से उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू किया और इसके बाद कई फिल्मों के साथ टीवी रियलिटी शो में भी नजर आती रहीं। सनी ने 2011 में डेनियल वेबर से शादी की थी। दोनों तीन बच्चों के माता-पिता हैं बेटी निशा, जिसे 2017 में गोद लिया गया था, और जुड़वां बेटे नूह व अशर, जो 2018 में सरोगेसी के जरिए पैदा हुए। फराह का यह नया व्लॉग दर्शकों को सनी लियोन के निजी जीवन, उनके परिवार और उनके घर की खूबसूरती से रूबरू कराता है, जिसे फैंस बेहद पसंद कर रहे हैं। बता दें कि फराह खान इन दिनों अपने मजेदार यूट्यूब व्लॉग्स और कुकिंग वीडियो की वजह से लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। अपने चैनल पर फराह कुक दिलीप कुमार के साथ मिलकर सेलेब्रिटीज़ के घर जाकर अनोखी रेसिपी, हल्की-फुल्की बातचीत और मनोरंजक कंटेंट शेयर करती हैं।

'एक्यूज्ड' में हो रही प्रतिभा रान्ता के अभिनय की तारीफ

हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई फिल्म 'एक्यूज्ड' ने दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। इस फिल्म में अभिनेत्री प्रतिभा रान्ता के अभिनय की काफी तारीफ हो रही है। अपने किरदार की मानसिक जटिलताओं को समझने और उसे प्रभावी ढंग से निभाने के लिए उन्होंने खास तैयारी की, जिसके बारे में उन्होंने विस्तार से बात की। प्रतिभा रांटा ने बताया कि इस भूमिका की तैयारी उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं थी। उन्होंने कहा कि सबसे पहले उन्होंने स्क्रिप्ट को कई बार पढ़ा, ताकि किरदार की सोच, भावनाओं और उसके भीतर चल रहे संघर्ष को गहराई से समझ सकें। उनके अनुसार, जब तक कोई कलाकार अपने किरदार को भीतर से महसूस नहीं करता, तब तक उसका अभिनय पूरी तरह प्रभावी नहीं बन पाता। यही कारण था कि उन्होंने स्क्रिप्ट रीडिंग को अपनी तैयारी का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म की निर्देशक अनुभूति कश्यप और सह-अभिनेत्री कोंकना सेन शर्मा के साथ कई वर्कशॉप्स आयोजित की गईं। इन सत्रों में फिल्म के अहम दृश्यों और

उनके भावनात्मक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभा के मुताबिक, जब वे तीनों एक साथ बैठकर किसी सीन की बारीकियों पर बात करते थे, तो उस दृश्य से जुड़े कई सवालों के जवाब मिल जाते थे। इससे उन्हें यह समझने में मदद मिली कि कैमरे के सामने किस मानसिक स्थिति में रहकर अभिनय करना है और दृश्य को किस दिशा में आगे बढ़ाना है। प्रतिभा ने आगे बताया कि शूटिंग के दौरान सेट का माहौल काफी सहज और सहयोगपूर्ण था। कई बार कलाकार किसी सीन के दौरान नए प्रयोग भी करते थे। जब अभिनेता अपने किरदार की भावनाओं में पूरी तरह डूब जाता है, तो कई चीजें स्वाभाविक रूप से सामने आने लगती हैं। उनके मुताबिक, इम्प्रोवाइजेशन के जरिए कई दृश्य और ज्यादा प्रभावी बन गए। कुछ पल ऐसे भी आए, जब दृश्य इतने वास्तविक लगे जैसे वे किसी की असली जिंदगी का हिस्सा हों। फिल्म 'एक्यूज्ड' की कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिस पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगता है। यह विषय बेहद संवेदनशील है और समाज में कई तरह की बहस को जन्म देता है। फिल्म आरोप, सच्चाई और भावनाओं के टकराव को गंभीरता से दिखाती है। इसमें कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा मुख्य भूमिकाओं में नजर आती हैं। प्रतिभा रांटा का कहना है कि यह किरदार उनके लिए इसलिए भी खास था क्योंकि इसमें भावनाओं की कई परतें हैं। कभी यह पात्र मजबूत दिखाई देता है, तो कभी टूटता हुआ नजर आता है। इस तरह की भूमिका निभाने के लिए मानसिक रूप से तैयार रहना जरूरी होता है। उन्होंने बताया कि स्क्रिप्ट रीडिंग और वर्कशॉप्स ने उन्हें अपने किरदार की गहराई को समझने में सबसे ज्यादा मदद की। फिल्म 'एक्यूज्ड' फिलहाल ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफलीक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है। बता दें कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों ऐसी कहानियों को दर्शकों से ज्यादा सराहना मिल रही है, जो समाज के संवेदनशील और जटिल मुद्दों को ईमानदारी से सामने लाती हैं।

नवाजुद्दीन निभाएंगे 'तुम्बाड-2' में महत्वपूर्ण भूमिका

बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी को कल्ट हॉरर-फैंटेसी फिल्म तुम्बाड के दूसरे सीजन में एक महत्वपूर्ण किरदार के लिए शामिल किया गया है। दर्शकों को उम्मीद है कि यह सीक्वल पहले से कहीं अधिक रोमांचक और प्रभावशाली होगा। फिल्म के पहले भाग में विनायक राव की प्रमुख भूमिका निभाने वाले सोहम शाह ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार फोटो शेयर कर नवाजुद्दीन के जुड़ने की घोषणा की। फोटो में दोनों कलाकार रस्सी के सहारे मस्ती करते नजर आ रहे हैं। पोस्ट के जरिए सोहम ने लिखा, "हमें खुशी है कि हमारे समय के सबसे बेहतरीन अभिनेताओं में से एक नवाजुद्दीन सिद्दीकी 'तुम्बाड-2' से जुड़ गए हैं।" इसके बाद सोशल मीडिया पर फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ गई है, जो नवाजुद्दीन के किरदार और फिल्म की रिलीज़ डेट को लेकर लगातार सवाल कर रहे हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी, जो अपने गहन और मनोवैज्ञानिक रूप से

जटिल किरदारों के लिए जाने जाते हैं, इस फिल्म में भी एक बेहद मजबूत और लेयर्ड भूमिका निभाने वाले हैं। हालांकि उनके किरदार की कहानी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन माना जा रहा है कि उनकी उपस्थिति सीक्वल के तनाव, रहस्य और हॉरर को कई गुना बढ़ा देगी। अभिनेता ने भी फिल्म का हिस्सा बनने पर खुशी जताते हुए कहा कि वे लंबे समय से 'तुम्बाड' की मौलिकता और उसके अनोखे माहौल की प्रशंसा करते रहे हैं। उन्होंने बताया कि जब सोहम शाह ने सीक्वल का विज़न साझा किया, तो कहानी ने उन्हें तुरंत आकर्षित किया और उन्होंने इस सफ़र में शामिल होने का फैसला कर लिया। नवाजुद्दीन ने यह भी कहा कि उनका किरदार कई परतों वाला है, जिसे निभाने के लिए वे बेहद उत्सुक हैं। फिल्म का निर्माण पेन स्टूडियोज कर रहा है। फिलहाल फिल्म की शूटिंग शुरू नहीं हुई है, लेकिन मेकर्स जल्द ही इसे फ्लोर पर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। उम्मीद है कि तुम्बाड 2 अपने पहले भाग की तुलना में ज्यादा हॉरर, सस्पेंस और चौंकाने वाले मोड़ लेकर आएगी।

संयुक्ता लीड के रूप में नजर आएंगी नई पैन इंडिया फिल्म में

साउथ की अभिनेत्री संयुक्ता एक और बड़े प्रोजेक्ट के साथ चर्चा में हैं। निर्देशक पूरी जगन्नाध की अपकमिंग पैन इंडिया फिल्म में दिग्गज अभिनेत्री तब्बू और बहुमुखी एक्टर विजय सेतुपति के साथ संयुक्ता स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। इस मेगा प्रोजेक्ट को लेकर उद्योग में पहले से ही उत्सुकता बनी हुई है। बड़े पैमाने पर तैयार की गई इस फिल्म में विजय सेतुपति लीड रोल निभा रहे हैं, वहीं संयुक्ता फीमेल लीड के रूप में नजर आएंगी। तब्बू एक इंटेंस और बेहद महत्वपूर्ण किरदार में दिखाई देंगी, जिसकी इंडस्ट्री में खास चर्चा है। फिल्म का निर्माण निर्माता चार्मिमे कौर और पूरी जगन्नाध ने अपने बैनर पुरी कनेक्ट के तहत किया है। शूटिंग पूरी हो चुकी है और इसे तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज़ किया जाएगा। संयुक्ता ने तब्बू के साथ काम करने के अनुभव को यादगार बताया। उन्होंने कहा कि तब्बू सेट पर जिस ऊर्जा और सहजता के साथ आती हैं, वह अद्भुत है। संयुक्ता ने तब्बू की पसंदीदा फ़िल्म कंडुकोंडियन का ज़िक्र करते हुए कहा कि उस फिल्म में उनका काम असाधारण था और आज भी उनकी वही ग्रेस बरकरार है। संयुक्ता ने यह भी बताया कि तब्बू की हैदराबादी हिंदी सुनकर उन्हें बेहद अच्छा लगा। भले ही दोनों के अधिक सीन साथ नहीं थे, लेकिन शूटिंग अनुभव उनके लिए खास रहा। संयुक्ता इस समय अपने करियर के स्वर्णिम दौर में हैं। विजय सेतुपति की इंटेंस मौजूदगी, तब्बू का शानदार अभिनय और संयुक्ता का तेजी से उभरता स्टारडम इन तीनों का मेल इस फिल्म को पैन इंडिया स्तर पर एक बड़ा सिनेमाई उत्सव बनाने वाला है। खुद तब्बू पहले ही इसे साउथ का धमाका बता चुकी हैं और माहौल भी यही संकेत दे रहा है। फिल्मों की बात करें तो संयुक्ता जल्द ही एक्शन से भरपूर फिल्म बेंझ में नजर आएंगी, जिसे लोकेश सिनेमैटिक यूनिवर्स में उनकी दमदार एंट्री माना जा रहा है। इसके अलावा तेलुगु फिल्म स्वयंभू में भी उनके एक और प्रभावशाली प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

लाखों दिलों से मिले आशीर्वादों का प्रतीक है 'जलसा': अमिताभ बच्चन

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने हाल ही में अपने घर जलसा को लेकर एक भावनात्मक नोट साझा किया, जिसमें उन्होंने इसे सिर्फ एक मकान नहीं, बल्कि लाखों दिलों से मिले आशीर्वादों का प्रतीक बताया। उन्होंने लिखा कि जलसा तीन दशकों से ज्यादा समय से उनके परिवार के जीवन का आधार रहा है, जहां उनके बच्चे बड़े हुए, उनकी शादियां हुईं और अब उनके पोते-पोती भी इसी घर की गर्माहट में पल बढ़ रहे हैं। अमिताभ ने बताया कि प्रशंसकों का प्यार ही जलसा को एक खास जगह बनाता है। उन्होंने लिखा कि आज की व्यस्त दिनचर्या में जब फैंस समय निकालकर उनसे मिलने आते हैं और उनके स्वास्थ्य की कामना करते हैं, तो यह उनके लिए किसी दिव्य अनुभव जैसा लगता है। उन्होंने सभी को अपना बड़ा परिवार बताते हुए कहा कि उनका प्रेम और आशीर्वाद अमूल्य है और यही उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। अपनी ब्लॉग पोस्ट में उन्होंने जलसा को खुशियों, जश्न और साथ का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह घर परिवार के रिश्तों, उत्सवों और जीवन की निरंतर यात्रा का साक्षी रहा है। उन्होंने इसे वह स्थान बताया जो हमेशा अपनापन और आनंद का अनुभव कराता है। उनके अनुसार, जलसा सिर्फ दीवारों से बना एक मकान नहीं बल्कि भावनाओं, यादों और वर्षों से संजोए गए स्नेह का केंद्र है। कार्य के मोर्चे पर, अमिताभ बच्चन आने वाले महीनों में कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे। इन दिनों वे हैदराबाद में बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन फिल्म कल्की 2898 एडी पार्ट 2 की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें वे अश्वत्थामा की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा वे ब्रम्हास्त्र पार्ट 2, सेक्सन 84, द इंटर्न (रिमेक) और आंखें 2 जैसे कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स का भी हिस्सा हैं। अमिताभ की यह भावुक अभिव्यक्ति न केवल उनके प्रशंसकों के प्रति उनके गहरे प्रेम को दर्शाती है, बल्कि उनके परिवार और घर से जुड़े अनमोल संबंधों को भी उजागर करती है। बता दें कि मेगास्टार अमिताभ बच्चन अक्सर अपने ब्लॉग के माध्यम से प्रशंसकों से संवाद करते रहते हैं।

सोनम बाजवा ने दी जी सिने अवॉर्ड्स में शानदार प्रस्तुति

हाल ही में अभिनेत्री सोनम बाजवा ने पहली बार जी सिने अवॉर्ड्स 2026 के मंच पर लाइव परफॉर्मेंस दी। इस खास मौके को लेकर उन्होंने अपने अनुभव और भावनाओं के बारे में खुलकर बात की। जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में सोनम बाजवा ने अपनी फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' के लोकप्रिय गानों 'बोल कफ्फारा क्या होगा' और 'दिल दिल दिल' पर शानदार डांस प्रस्तुत किया। उनकी दमदार एनर्जी, आत्मविश्वास और बेहतरीन एक्सप्रेशन ने वहां मौजूद दर्शकों को काफी प्रभावित किया। उनकी परफॉर्मेंस के दौरान पूरा माहौल उत्साह से भर गया और दर्शकों ने तालियों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। सोनम की प्रस्तुति ने समारोह में मौजूद लोगों को खूब आनंदित किया। इस अनुभव को याद करते हुए सोनम बाजवा ने कहा कि वह पहले भी कई लाइव शो कर चुकी हैं, लेकिन किसी अवॉर्ड नाइट में प्रस्तुति देना उनके लिए बिल्कुल अलग और खास अनुभव था। उन्होंने बताया कि बचपन में वह अक्सर टीवी पर अवॉर्ड समारोह देखा करती थीं और मन ही मन सोचती थीं कि एक दिन वह भी ऐसे ही किसी बड़े मंच पर खड़ी होंगी। अब जब उन्हें यह मौका मिला, तो उन्हें लगा जैसे उनका पुराना सपना सच हो गया हो। सोनम ने आगे कहा कि यह उनका पहला अवॉर्ड शो परफॉर्मेंस था, इसलिए यह उनके लिए

बेहद खास और भावनात्मक पल था। उन्होंने बताया कि पूरे फिल्म उद्योग के सामने मंच पर खड़ा होना एक अलग ही एहसास होता है। वहां का माहौल, सिनेमा का जश्न और दर्शकों का प्यार कलाकार के लिए बहुत मायने रखता है। हालांकि मंच पर जाने से पहले वह थोड़ी घबराई हुई थीं, लेकिन साथ ही उनके मन में इस अवसर को लेकर गहरा आभार भी था। वर्कफ्रंट की बात करें तो साल 2025 सोनम बाजवा के करियर के लिए काफी अहम साबित हुआ। उनकी फिल्म 'हाउसफुल 5' और 'एक दीवाने की दीवानियत' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। इसके अलावा उन्होंने साल 2026 की शुरुआत भी एक बड़े प्रोजेक्ट के साथ की है। वह अभिनेता सनी देओल की फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आईं। इन फिल्मों की सफलता ने उन्हें हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में एक मजबूत पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। बता दें कि फिल्मी दुनिया में अवॉर्ड नाइट्स को हमेशा खास और यादगार माना जाता है। किसी बड़े अवॉर्ड समारोह के मंच पर प्रस्तुति देना हर कलाकार के लिए गर्व और सम्मान की बात होती है।

आईसीसी ने भारत में फंसी टीमों के लिए चार्टर फ्लाइट का किया इंतजाम

एजेंसी, दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मध्यपूर्व में जारी संघर्ष को देखते हुए कोलकाता में फंसी टीमों के लिए विशेष उड़ान का इंतजाम किया है। : आईसीसी ने ये व्यवस्था इसलिए की है क्योंकि टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी कुछ टीमें भारत में ही फंसी हुई हैं। इन्हीं टीमों के लिए विशेष व्यवस्था की गयी है। मध्य पूर्व में संघर्ष के कारण दुबई सहित कई जगहों से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में बाधा आई है। इसी को देखते हुए आईसीसी ने वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमों के लिए चार्टर फ्लाइट बुक की है। इन तीनों टीमों की यात्रा में देरी हो रही थी, जिसके बाद आईसीसी ने खिलाड़ियों और सहायेगी स्टाफ को सुरक्षित तरीके से अपने-अपने देशों तक पहुंचाने के लिए चार्टर फ्लाइट बुक की है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इंग्लैंड टीम शनिवार शाम मुंबई से लंदन के लिए रवाना हुई जबकि वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीकी टीम को अलग चार्टर फ्लाइट के जरिए भेजा जाएगा। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले जोहान्सबर्ग पहुंचेगी, जबकि वेस्टइंडीज की टीम वहां से आगे एंटीगुआ के लिए रवाना होगी। वेस्टइंडीज की टीम 1 मार्च से कोलकाता में ही रुकी हुई थी। कैरिबियाई टीम अपने अंतिम सुपर-8 मुकाबले में भारत से पांच विकेट से हार के बाद ही बाहर हो गयी थी। इसके बाद अमेरिका और इजराइल के ईरान पर किए गए हमलों के बाद उड़ाने बंद होने से टीम भारत में ही फंस गयी थी। इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें भी टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी भारत में ही रुकी हुई थीं। इंग्लैंड को सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ हार मिली थी। दक्षिण अफ्रीका को न्यूज़ीलैंड ने सेमीफाइनल में हराया था। इन हार के बाद दोनों टीमों को उड़नो शुरु नहीं होने से भारत में ही रहना पड़ा। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने भी इसको लेकर आईसीसी से नाराजगी जतायी थी। वहीं वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन ने भी सोशल मीडिया पर हंसते हुए लिखा, अब तो बेहतर होगा कि मैं स्टार फुटबॉल स्टार से अपना जेट भेजकर मुझे यहां से ले जाने का अनुरोध करुं।इससे पहले जिम्मेबाब्वे भी कुछ दिन भारत में फंसी थी।

अगरकर ने कठिन फैसलों से बदली भारतीय टीम की दिशा

» चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर के 3 साल पूरे

एजेंसी, अहमदाबाद

अजीत आगरकर जब भारत की सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष बने, तब परिस्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण थीं। उन्हें यह जिम्मेदारी चेतन शर्मा की जगह दी गई थी, जिन्हें एक टीवी स्टिंग ऑपरेशन के बाद पद से हटना पड़ा था। अगरकर के तीन साल के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिन्हें उस समय साहसिक माना गया, लेकिन बाद में उनके सकारात्मक परिणाम सामने आए। क्रिकेट में चयनकर्ता की भूमिका अक्सर विकेटकीपर जैसी मानी जाती है। अच्छे फैसलों पर भले ही कम सराहना मिले, लेकिन एक गलती पर कड़ी आलोचना झेलनी पड़ती है। अगरकर के कार्यकाल में भी यही स्थिति देखने को मिली। वर्ष 2020-21 में जब चयन समिति के अध्यक्ष का पद खाली हुआ था, तब अगरकर ने भी आवेदन किया था, लेकिन उस समय चेतन शर्मा को यह जिम्मेदारी मिली। बाद में 2023 में अगरकर को यह पद सौंपा गया और इसके बाद वह अपने फैसलों के कारण लगातार चर्चा में रहे। भारत की चयन समितियों के इतिहास में दिलीप वेंगसरकर और कृष्णाचारी श्रीकांत के बाद अगरकर का कार्यकाल भी काफी प्रभावशाली माना जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में भारतीय टीम ने आईसीसी के चार बड़े टूर्नामेंट 2023 आईसीसी वर्ल्डकप, 2024 आईसीसी मेंस टी20 विश्वकप, 2025 आईसीसी चैम्पियनशिप ट्राफी और 2026 आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्डकप के फाइनल में जगह बनाई है। अगर भारत न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीतता है तो यह तीन वर्षों में तीसरी बड़ी ट्रॉफी होगी। टीम की सफलता का श्रेय अक्सर खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को मिलता है, लेकिन बड़े टूर्नामेंट के लिए मजबूत टीम तैयार करने में चयनकर्ताओं की भूमिका भी बेहद अहम होती है। अगरकर के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिनके लिए मजबूत विश्वास की जरूरत थी। उदाहरण के तौर पर हार्दिक पाण्डया की जगह सूर्यकुमार यादव को टी20 टीम का कप्तान बनाना एक बड़ा फैसला था। इसके अलावा वनडे टीम की कप्तानी से रोहित शर्मा को हटाने का निर्णय भी काफी संवेदनशील माना गया। इन दोनों मामलों में अगरकर ने आलोचनाओं से बचने की कोशिश नहीं की, बल्कि खुले तौर पर फैसलों का समर्थन किया। उनका मानना था कि टीम चयन केवल आंकड़ों के आधार पर नहीं किया जा सकता, बल्कि खिलाड़ियों की भूमिका, टीम संतुलन और रणनीतिक सोच भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति में एस शरत (जिनकी जगह बाद में प्रज्ञान ओझा आए), सुब्रता बनर्जी (जिनकी जगह आरपी सिंह को शामिल किया गया), एसएस दास और अजय रात्रा जैसे सदस्य शामिल रहे। इन सभी ने मिलकर भारतीय टीम के लिए एक मजबूत और संतुलित संयोजन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आईसीसी पर बरसे डी कॉक

एजेंसी, कोलकाता

मध्यपूर्व में जारी तनाव के कारण अधिकतर उड़ानें बंद होने से आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के लिए भारत आई टीमें टूर्नामेंट से बाहर आने के बाद भी स्वदेश नहीं लौट पा रही हैं। वेस्टइंडीज टीम के बाद दक्षिण अफ्रीका भी भारत में फंसी हुई है पर इंग्लैंड टीम स्वदेश वापसी करने में सफल रही है। जिसके बाद से ही अन्य टीमों के खिलाड़ी भड़के हुए हैं। इसी कारण दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को आड़े हाथों लिया है। डी कॉक ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह अजीब बात है कि उनके बाद बाहर होने वाली इंग्लैंड उनसे पहले वापस चली गयी है। वहीं वेस्टइंडीज और हमारी टीम अभी भी कोलकाता में है। डी कॉक ने सोशल मीडिया में लिखा, मजेदार आईसीसी, हमने कुछ नहीं सुना। इस बीच, इंग्लैंड किसी तरह हमसे पहले निकल गयी है। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका अब भी फंसी है। अजीब बात है कि अलग-अलग टीमों का दूसरों से अलग प्रभाव होता है। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी इसपर अपनी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने लिखा, "तो इंग्लैंड गुरुवार को बाहर हो गया, आज चार्टर होम ले लो। वेस्टइंडीज पिछले रविवार को बाहर हो गया और अभी भी कोलकाता में है। दक्षिण अफ्रीका उसी स्थिति में है। यहीं पर अपनी ताकत का प्रयोग गलत है। इस स्थिति में सभी टीमों के साथ एक जैसा व्यवहार किया जाना चाहिए। केवल इसलिए कि आप आईसीसी टेबल पर ज्यादा शक्तिशाली हैं, तो आपके साथ अलग व्यवहार होगा।"

जय शाह ने फाइनल मुकाबले से पहले भारत-न्यूज़ीलैंड टीम को दी शुभकामनाएं

एजेंसी, अहमदाबाद

आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 का खिताबी मुकाबला आज (रविवार) शाम सात बजे से गुजरात के अहमदाबाद में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। मुकाबले से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह ने दोनों टीमों को शुभकामनाएं दी हैं। जय शाह ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यह एक रिकॉर्ड तोड़ने वाला टी-20 विश्व कप रहा है। इस विश्व कप में कई आकार्षण रहे, जिसमें हमारे एसोसिएट सदस्यों के कुछ शानदार प्रदर्शन भी शामिल हैं। अब भारत और न्यूजीलैंड को फाइनल के लिए गुड लक कहने का समय है, जो बहुत बड़ी भीड़ के सामने खेला जाएगा और जिसे करोड़ों लोग देखेंगे। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाने वाले फाइनल मुकाबले को जीतकर दोनों टीमों के पास इतिहास रचने का मौका है। गत विजेता भारतीय टीम तीसरी बार इस खिताब को जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरेगी। न्यूजीलैंड पहली बार टी20 विश्व कप जीतकर ट्रॉफी अपने नाम करना चाहेगा। दोनों टीमों के पास मैच विजेता खिलाड़ियों की कमी नहीं है। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन के दम पर फाइनल में प्रवेश किया है, जहां उसने इंग्लैंड को सात रन से हराया था। इसी तरह न्यूजीलैंड ने भी सेमीफाइनल में अच्छी बल्लेबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई है।

न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज ली ताहुहू ने वनडे क्रिकेट को कहा अलविदा

एजेंसी, नई दिल्ली

न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर ली ताहुहू ने अपने वनडे क्रिकेट करियर को अलविदा कह दिया है। उन्होंने 15 साल के लंबे वनडे करियर में न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम (व्हाइट फर्न्स) के लिए बेहद शानदार प्रदर्शन किया और 125 विकेट झटके हैं। उनका मानना है कि वनडे से संन्यास लेने का यह सही समय है। हालांकि, वह न्यूजीलैंड के लिए टी20 फॉर्मेट में खेलना जारी रखेंगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड की ओर से रविवार को जारी आधिकारिक बयान में ली ने कहा कि वनडे क्रिकेट में व्हाइट फर्न्स की जर्सी पहनना हमेशा से मेरे लिए सम्मान की बात रही है। वनडे क्रिकेट में 100 से अधिक बार अपने देश के लिए जर्सी पहनना एक ऐसी बात है जिसका मैंने कभी सपना भी नहीं देखा था। उन्होंने 2024 में टी20 विश्व कप जीत को एक बहुत बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि मैं हर पल को संजो कर रखूंगी और वनडे क्रिकेट से बेहद गर्व के साथ विदा ले रही हूं। व्हाइट फर्न्स के मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा कि वनडे में ली का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। उनकी तेज गेंदबाजी हमेशा से ही एक ताकत रही है, लेकिन उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता और इस टीम को आगे बढ़ाने की उनकी लगन सबसे अलग रही है। इसका असर उन युवा गेंदबाजों पर भी पड़ा है जो अब वनडे खेल में अपनी कला सीख रहे हैं। सॉयर ने कहा कि ली के वनडे के आंकड़े खुद ही सब कुछ बयां करते हैं। अपने देश के सर्वकालिक अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में किसी प्रारूप से संन्यास लेना एक ऐसी उपलब्धि है जिस पर ली को बहुत गर्व होना चाहिए। ली ने वनडे क्रिकेट में ऊंचाइयों को छुआ है और व्हाइट फर्न्स के लिए इस प्रारूप में गेंदबाजी के नए मानक स्थापित किए हैं। ली ने 2011 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे क्रिकेट में पदार्पण किया था। उनका आखिरी वनडे मैच इंग्लैंड के खिलाफ आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में था। ली ने न्यूजीलैंड के लिए 103 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 125 विकेट लिए हैं।

व्यापार

भारत के पास 250 मिलियन बैरल कच्चा तेल, 7–8 सप्ताह का बफर मौजूद

नई दिल्ली। शीर्ष सरकारी सूत्रों ने इस आशंका को खारिज किया कि मौजूदा वैश्विक ऊर्जा स्थिति भारत के लिए संकट बन सकती है। भारत के पास फिलहाल 250 मिलियन बैरल (करीब 4,000 करोड़ लीटर) से अधिक कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद का भंडार है, जो पूरी आपूर्ति श्रृंखला में लगभग 7–8 सप्ताह का बफर प्रदान करता है। ये भंडार किसी एक स्थान या एक ही रूप में नहीं रखे गए हैं। इन्हें जमीन के ऊपर बने स्टोरेज टैंकों, भूमिगत रणनीतिक गुफाओं, पाइपलाइन सिस्टम, टर्मिनल टैंकों, समुद्र में ट्रांजिट में मौजूद स्टोरेज जहाजों और तीन समर्पित रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार सुविधाओं मैंगलोर, पडुर और विशाखापटनम में वितरित किया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, भारत के पास कच्चा तेल, पेट्रोल, डीजल, एटीएफ, एलपीजी और एलएनजी का पर्याप्त भंडार है, जिससे अल्पकालिक आपूर्ति व्यवधानों से निपटा जा सकता है। साथ ही, देश कई वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं से ऊर्जा की आपूर्ति जारी रखे हुए है। सूत्रों ने कहा, यह दावा कि वैश्विक तेल आपूर्ति रुक गई है या भारत के पास केवल 25 दिन का भंडार है, गलत है और वास्तविक आपूर्ति व स्टॉक स्थिति को नहीं दर्शाता। भारत सोची-समझी और मजबूत रणनीतिक स्थिति में है, जो पिछले 12 वर्षों की निरंतर ऊर्जा नीति का परिणाम है। बफर वास्तविक है, आपूर्ति मार्ग विविध हैं और आपूर्ति का रिकॉर्ड लगातार बना हुआ है। यह बफर किसी काउंटडाउन की तरह नहीं है, बल्कि नियमित आयात के अतिरिक्त है। हर दिन कई मार्गों से तेल आयात जारी रहता है। भले ही स्ह्लह्डद्बह्ल शद्ब ॥शह्वद्बह्5 से आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो जाए, तब भी भारत के विविध स्रोतों के कारण प्रभाव आंशिक होगा, पूरी तरह नहीं। सरकारी सूत्रों के अनुसार भारत के कच्चे तेल का बड़ा हिस्सा इस मार्ग से नहीं गुजरता। पिछले एक दशक में भारत की रणनीतिक तेल कूटनीति ने आपूर्तिकर्ता देशों की संख्या 27 से बढ़ाकर 40 कर दी है, जो छह महाद्वीपों में फैले हुए हैं। अब वह दौर समाप्त हो चुका है जब भारत की ऊर्जा सुरक्षा किसी एक समुद्री मार्ग पर निर्भर होती थी। अब आपूर्ति रूस, पश्चिम अफ्रीका, अमेरिका महाद्वीप, मध्य एशिया और खाड़ी क्षेत्र के बाहर के मध्य-पूर्वी मार्गों से भी होती है। इसलिए किसी एक मार्ग में बाधा आने पर केवल स्रोतों का समायोजन करना पड़ता है लेकिन आपूर्ति संकट नहीं बनता। सूत्रों ने कहा कि होर्मुज जलडमरू मध्य भारत के कच्चे तेल आयात का एकमात्र मार्ग नहीं है। करीब 40 प्रतिशत आयात इस जलडमरू मध्य से गुजरता है जबकि लगभग 60 प्रतिशत अन्य मार्गों से आता है। इसी कारण वैश्विक संकट या महामारी के दौरान भी भारतीय उपभोक्ताओं के लिए ऊर्जा की कोई कमी नहीं हुई। कई देशों, जिनमें आस्ट्रेलिया और कनाडा शामिल हैं, ने अतिरिक्त गैस आपूर्ति की पेशकश भी की है। भारत ऊर्जा सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए वैकल्पिक स्रोतों की तलाश जारी रखे हुए है।

डॉलर के मुकाबले तेजी से नीचे नहीं गिरेगा रुपया! आरबीआई ने उठाया बड़ा कदम, बैंकों से मांगी यह जानकारी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विदेशी मुद्रा बाजार में बढ़ती अस्थिरता के बीच बैंकों से फॉरेक्स सौदों से जुड़े ग्राहकों के लेन-देन और पोजीशन की विस्तृत जानकारी मांगी है। केंद्रीय बैंक का उद्देश्य यह पता लगाना है कि कहीं बड़े स्तर पर भारतीय रुपये के खिलाफ सट्टेबाजी तो नहीं हो रही है। पिछले छह महीनों के दौरान रुपये में डॉलर के मुकाबले काफी कमजोरी देखी गई है। इस अवधि में रुपया करीब 88 रुपये प्रति डॉलर के स्तर से गिरकर 92 रुपये के आसपास तक पहुंच गया था। शुक्रवार को भी रुपया 91.74 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। आरबीआई बाजार में बढ़ती अस्थिरता को नियंत्रित करने और स्थिति की सही तस्वीर समझने के लिए यह कदम उठा रहा है।

इन कारणों से बढ़ा रुपये पर दबाव- विशेषज्ञों के अनुसार रुपये में गिरावट के पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं। बड़े कॉरपोरेट घराने भविष्य के आयात के लिए पहले से डॉलर की खरीद कर रहे हैं। इसके अलावा ऑफशोर नॉन-डिलिवरेबल फॉरवर्ड (ह्ष्ठस्न) और फॉरवर्ड मार्केट में आर्बिट्राज डील्स भी बढ़ी हैं। वहीं बैंक भी अपनी तय सीमा के भीतर ट्रेडिंग पोजीशन बढ़ा रहे हैं, जिससे बाजार में दबाव बढ़ रहा है। इसके साथ ही वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, खासकर ईरान-इजरायल और अमेरिका से जुड़ी परिस्थितियां, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, चालू खाता घाटा और विदेशी निवेश प्रवाह में कमी भी रुपये की कमजोरी की प्रमुख वजह मानी जा रही हैं। हाल ही में भारत और अमेरिका के बीच हुई व्यापारिक समझौते से कुछ राहत जरूर मिली थी, लेकिन पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण फिर से दबाव बढ़ गया है।

बैंकों को देनी होगी यह जानकारी- आरबीआई ने बैंकों को निर्देश दिया है कि वे स्पॉट, फॉरवर्ड और ऑफशोर ह्ष्ठस्न बाजार में ग्राहकों के लेन-देन का पूरा ब्योरा दें। विशेष रूप से 10 मिलियन डॉलर से अधिक के सौदों में ग्राहक का नाम और डॉलर खरीदने या बेचने का उद्देश्य बताना जरूरी होगा। इसके अलावा बैंकों को अपनी ओपन पोजीशन और इंटर-बैंक बाजार में कुल खरीद-बिक्री की जानकारी भी देनी होगी।

आरबीआई को मिलेगी रणनीति बनाने में मदद- विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के आंकड़ों से आरबीआई को बाजार में हो रही गतिविधियों को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी। इससे केंद्रीय बैंक रुपये में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए समय रहते उचित कदम उठा सकेगा। बैंकिंग क्षेत्र के जानकारों का कहना है कि जब आरबीआई इस प्रकार का डेटा मांगता है तो इसे बाजार में सट्टेबाजी को सीमित करने के संकेत के रूप में भी देखा जाता है। हालांकि इस संबंध में कोई औपचारिक निर्देश जारी नहीं किया गया है। फिलहाल आरबीआई किसी विशेष स्तर पर रुपये को बचाने की रणनीति नहीं अपना रहा है, लेकिन जरूरत पड़ने पर फॉरवर्ड मार्केट में बाय-सेल स्वैप जैसे उपायों के जरिए हस्तक्षेप किया गया है।

55 रुपए प्रति लीटर महंगे हुए पेट्रोल और डीजल, ये है वजह

लाहौर। अगर आप वाहनचालक हैं तो ग़्रह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 55 रुपए (पाकिस्तानी रुपया) प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की गई है। पाकिस्तान में हुई इस बढ़ोतरी के बाद यहां पेट्रोल की कीमत अब 335.86 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं डीजल 321.17 रुपए प्रति लीटर के स्तर पर पहुंच गया है। पाक पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज़ मलिक ने टीवी पर एक वीडियो जारी कर रिटेल फ्यूल कीमतों में ऐतिहासिक बढ़ोतरी की जानकारी आवाम को दी। उन्होंने बताया कि पेट्रोल की कीमत 335.86 रुपये और डीजल की कीमत 321.17 रुपये हो गई है। इसमें 55 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा, जैसे ही अंतरराष्ट्रीय स्थिति में सुधार होगा, हम उतनी ही तेजी से कीमतें भी कम कर देंगे। इससे पहले डार ने कहा था कि इस संकट के कारण वैश्विक तेल कीमतों में 50 से 70 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है।

पश्चिम एशिया संकट और तेल की कीमतों से प्रभावित होगा शेयर बाजार

मुंबई। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उससे जुड़ी भू-राजनीतिक घटनाओं पर निर्भर करेगी। बाजार के जानकारों ने कहा कि इस संघर्ष के चलते बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक) की बिकवाली बढ़ी है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक संघर्ष का स्पष्ट परिणाम सामने नहीं आता और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट नहीं होती, विदेशी निवेशक बाजार में बड़े पैमाने पर निवेश करने की संभावना कम है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड इस सप्ताह 8.52 प्रतिशत उछलकर 92.69 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि उच्च तेल कीमतें भारत जैसी तेल आयातक अर्थव्यवस्थाओं के लिए नकारात्मक संकेत हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता को प्रभावित करता है और बाजार में अस्थिरता बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा कि ब्रेंट क्रूड का 90 डॉलर से ऊपर होना भारतीय अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार के लिए बुरी खबर है। विश्लेषकों के अनुसार वैश्विक बाजार के रुझान और एफपीआई की गतिविधियां भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेंगी। यदि वैश्विक बाजार सकारात्मक रहेगा, तो कुछ हद तक भारतीय बाजार में स्थिरता बनी रह सकती है। लेकिन पश्चिम एशिया संकट और तेल की कीमतों में तेजी इसे दबाव में रख सकते हैं। घरेलू मोर्चे पर निवेशक 12 मार्च को आने वाले उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

देश की प्रमुख आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.81 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में गिरावट की वजह से देश की प्रमुख 10 मूल्यवान कंपनियों में आठ के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 2,81,581.53 करोड़ रुपये की कमी आई है। इसमें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा। शीर्ष 10 की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज और इंफोसिस ही ऐसी कंपनियां रहीं, जिनके मूल्यांकन में बढ़ोतरी दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 53,952.96 करोड़ रुपये घटकर 10,55,567.27 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक के मूल्यांकन में 46,936.82 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 9,40,049.82 करोड़ रुपये पर आ गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 46,552.3 करोड़ रुपये घटकर 13,19,107.08 करोड़ रुपये रह गया। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के बाजार पूंजीकरण में 45,629.03 करोड़ रुपये की कमी आई और यह 5,43,208.36 करोड़ रुपये रहा। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 28,934.56 करोड़ रुपये घटकर 5,91,136.03 करोड़ रुपये पर आ गया। इसके विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 14,750.39 करोड़ रुपये बढ़कर 19,01,583.05 करोड़ रुपये हो गया।

अदाणी समूह बना यूनेस्को के विश्व इंजीनियरिंग दिवस 2026 का आधिकारिक भागीदार

अहमदाबाद। अदाणी समूह को सतत विकास के लिए विश्व इंजीनियरिंग दिवस (डब्ल्यूईडी) 2026 का आधिकारिक भागीदार नामित किया गया है। यह दिवस यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) द्वारा घोषित एक अंतरराष्ट्रीय दिवस है, जिसे वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ इंजीनियरिंग ऑर्गनाइजेशंस (डब्ल्यूएफईओ) द्वारा आयोजित किया जाता है। यह पहली बार है, जब विश्व इंजीनियरिंग दिवस पर इंजीनियरों के प्रयासों को सम्मानित करने के लिए डब्ल्यूएफईओ द्वारा किसी भारतीय संगठन को चुना गया है। भारत की सबसे बड़ी ट्रांसपोर्ट, यूटिलिटी और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपर कंपनी ने कहा कि यह स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को गति देने में अदाणी समूह के नेतृत्व और बड़े पैमाने पर स्वच्छ, विश्वसनीय और किफायती बिजली आपूर्ति करने की उसकी क्षमता का प्रमाण है, जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों (सतत विकास लक्ष्य 7) में योगदान देता है। अदाणी ग्रीन एनर्जी के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी ने कहा, हम यह दिखा रहे हैं कि स्वच्छ ऊर्जा बड़े पैमाने पर होने के साथ-साथ किफायती भी हो सकती है, यह शक्तिशाली होने के साथ-साथ समावेशी भी है। यह दुनिया के लिए भारत का योगदान है और एक ऐसा मॉडल जहां प्रगति और सततता साथ-साथ आगे बढ़ते हैं। हमारा खावड़ा नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र भारत की जलवायु कार्रवाई का प्रतीक है। यह अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस और अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज की की सामूहिक ताकत को दर्शाता है, जो एकीकृत नवीकरणीय भविष्य को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रही हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।